शुभ लाभ DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

पत्नी न्यायिक हिरासत में बेटी को निम्हांस भेजा गया @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | बुधवार, 23 अप्रैल, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-111

कांग्रेस ने न्यायिक व्यवस्था को तहस-नहस किया

एक अफसर को बना दिया था चीफ जस्टिस

सुप्रीम कोर्ट के अराजक, गैर संवैधानिक और गैर लोकतांत्रिक फैसलों पर करारा प्रहार करने वाले भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने भारत की न्यायिक व्यवस्था को तहस-नहस करने के लिए कांग्रेस पार्टी को जिम्मेदार ठहराया है। निशिकांत दुबे ने कहा है कि कांग्रेस की तत्कालीन सरकार ने एक ऐसे नौकरशाह को सुप्रीम कोर्ट का मुख्य न्यायाधीश बना दिया था, जिसने कभी कानून की पढ़ाई नहीं की। निशिकांत दुबे ने सुप्रीम कोर्ट पर अपना प्रहार जारी रखा है। भाजपा ने उनके बयान से खुद को किनारे कर लिया, लेकिन अब असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा और केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले उनके समर्थन में सामने आ गए हैं। देश के उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के उपसभापति डॉ. जगदीप धनखड़ सुप्रीम कोर्ट के विवादास्पद आचरण को लेकर पहले से ही नाराज हैं और अपनी नाराजगी सार्वजनिक मंचों पर अभिव्यक्त भी कर रहे हैं।

कानून की पढ़ाई किए बगैर किसी नौकरशाह को सुप्रीम कोर्ट का मुख्य न्यायाधीश बना दिए जाने की कांग्रेस सरकार की हरकत के बारे में सामान्य तौर पर नई पीढ़ी को जानकारी नहीं है। निशिकांत दुबे द्वारा वह प्रसंग खोले जाने के बाद देश को यह पता चला है कि कांग्रेस ने सत्ता में रहते हुए भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था का कितना नुकसान किया है। भारत के 10वें मुख्य न्यायाधीश के पास कानून की डिग्री थी ही नहीं, यह जानते हुए भी तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने इंडियन सिविल

पूर्व चीफ जस्टिस कैलाशनाथ वांचू

आईसीएस अफसर के पास लॉ की डिग्री भी नहीं थी

सर्विस (आईसीएस) के अफसर कैलाशनाथ वांचू को सुप्रीम कोर्ट का मुख्य न्यायाधीश बना दिया था। वांचू ने अपने 10 महीने के कार्यकाल में कई फैसले लिए। विडंबना यह है कि कानून की डिग्री के बगैर उस नौकरशाह को सरकार ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में न्यायाधीश और राजस्थान हाईकोर्ट में मुख्य न्यायाधीश बनाया और उसके लिए सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के लिए रास्ता बनाया।

कैलाशनाथ वांचू भारत के दसवें मुख्य न्यायाधीश थे। वांचू 12 अप्रैल 1967 से 24 फरवरी 1968 तक मुख्य न्यायाधीश के पद पर रहे। उनकी सबसे विशेष बात यह थी कि वे भारत के एकमात्र ऐसे मुख्य न्यायाधीश थे जिनके पास कानून की औपचारिक डिग्री नहीं थी। वे भारतीय सिविल सेवा (आईसीएस) के अधिकारी थे। 24 अप्रैल 1967 कैलाशनाथ वांचू को सुप्रीम कोर्ट का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया था। वे दस महीने तक इस पद पर रहे। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने 355 फैसले सुनाए। अपने कार्यकाल में वांचू ने 1286 बेंचों का गठन किया।

वांचू के कुछ फैसलों को आज के परिप्रेक्ष्य में नजीर की तरह रखा जाना चाहिए। उस समय की कांग्रेस सरकार को वांचू का फैसला जंच रहा था। वांचू की पीठ ने फैसला दिया था कि संसद संविधान के तीसरे भाग में बदलाव नहीं कर सकती। जस्टिस वांचू ने तब फैसला दिया था कि संसद को संविधान के ▶10 पर

सुप्रीम कोर्ट के असंवैधानिक आचरण पर उपराष्ट्रपति ने फिर उठाए सवाल

निर्वाचित सदस्य तय करेंगे संविधान कैसा हो

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट के अमर्यादित, असंवैधानिक और अलोकतांत्रिक आचरण पर देश के उपराष्ट्रपति डॉ. जगदीप धनखड़ लगातार सवाल उठा रहे हैं। उपराष्ट्रपति का कहना है कि लोकतंत्र की हिफाजत के लिए देश के सर्वोच्च संवैधानिक आसनों और प्रतिष्ठानों का सम्मान जरूरी है। सर्वोच्च संवैधानिक आसन पर बैठने वाले राष्ट्रपति और देश की सर्वोच्च संसद पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियां नाजायज और अवांछित हैं। सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु के प्रसंग में राष्ट्रपति के सर्वोच्च आसन को घसीटा और उसके बाद वक्फ कानून जो संसद के दोनों सदनों से पारित होकर कानून बन गया उस पर भी सुनवाई करने लगे। इसका क्या मतलब है? क्या सुप्रीम कोर्ट खुद को राष्ट्रपति या संसद से भी ऊपर समझता है? लोकतंत्र और संविधान की हिफाजत के लिए जरूरी मुद्दे पर कुछ मीडिया प्रतिष्ठान विपक्षी नेताओं से बड़े विपक्षी नेता बने मैदान में कूद पड़े हैं और उपराष्ट्रपति के खिलाफ गंदे शब्दों का भी इस्तेमाल करने से हिचक नहीं रहे हैं। यह किस तरह की मर्यादा है? संदेहास्पद धन पर पलने वाले मीडिया संस्थान आखिर बौखलाहट में क्यों हैं? सुप्रीम कोर्ट के बेजा आचरण पर उठ रहे सवालों के साथ-साथ मीडिया की भूमिका पर भी गंभीर सवाल चस्पा हैं।

सुप्रीम कोर्ट के अराजक फैसलों और विवादास्पद टिप्पणियों को लेकर देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ लगातार सवाल उठा रहे हैं। अब दिल्ली विश्वविद्यालय में उन्होंने कहा कि संविधान कैसा होगा, ये वही तय करेंगे जो चुनकर आए हैं। इसके ऊपर कोई नहीं होगा। संसद सर्वोपरि है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट की दो टिप्पणियों का भी हवाला दिया। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने न्यायपालिका बनाम कार्यपालिका पर हो रही बहस के बीच सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी पर सवाल उठाए और कहा कि सुप्रीम

कोर्ट संविधान सम्मत तरीके से यह क्यों नहीं मान रही है कि संसद ही सर्वोपरि है। हर संवैधानिक पदाधिकारी द्वारा बोला गया प्रत्येक शब्द सर्वोच्च राष्ट्रीय हित से जुड़ा होता है। उन्होंने कहा कि संविधान कैसा होगा, ये वही तय

राष्ट्रपति और संसद सर्वोपरि है, इसके ऊपर कोई नहीं

कुछ मीडिया संस्थान उपराष्ट्रपति को दे रहे गंदी गाली

करेंगे जो चुनकर आए हैं। इसके ऊपर कोई नहीं होगा। संसद सर्वोपरि है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट की दो टिप्पणियों का हवाला दिया। इसमें गोरखनाथ मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा था कि प्रस्तावना संविधान का हिस्सा नहीं है। जबकि दूसरे केशवानंद भारती मामले में कोर्ट ने कहा था कि यह संविधान का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि किसी भी संवैधानिक पदाधिकारी द्वारा बोला गया प्रत्येक शब्द राष्ट्र के सर्वोच्च हित से निर्देशित होता है। मुझे यह बात काफी दिलचस्प लगती है कि कुछ लोगों ने हाल ही में यह विचार व्यक्त किया है कि संवैधानिक पद औपचारिक और सजावटी हो सकते हैं। इस देश में प्रत्येक व्यक्ति की भूमिका चाहे वह संवैधानिक पदाधिकारी हो या नागरिक के बारे में गलत समझ से कोई भी चीज दूर नहीं हो सकती है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसलों और टिप्पणियों को लेकर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ लगातार सवाल उठा रहे हैं। हाल ही में उपराष्ट्रपति धनखड़ ने न्यायपालिका की तरफ से राष्ट्रपति के लिए निर्णय लेने और सुपर संसद के रूप में कार्य करने के लिए समय सीमा निर्धारित करने पर सवाल उठाते हुए कहा था कि सर्वोच्च न्यायालय लोकतांत्रिक ताकतों पर परमाणु मिसाइल नहीं दाग सकता। उन्होंने न्यायपालिका के लिए ये कड़े शब्द राज्यसभा के प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए कहे, कुछ दिनों पहले ही सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति और राज्यपाल की तरफ से विचार के लिए रखे गए विधेयकों को मंजूरी देने के लिए समय सीमा तय करने की मांग की थी। इस पर उपराष्ट्रपति ने कहा, इसलिए, हमारे पास ऐसे न्यायाधीश हैं जो कानून बनाएंगे, जो कार्यकारी कार्य करेंगे, जो सुपर संसद के रूप में कार्य करेंगे और उनकी कोई जवाबदेही नहीं होगी क्योंकि देश का कानून उन पर लागू नहीं होता।

उपराष्ट्रपति धनखड़ और भाजपा नेताओं के बयान के बाद सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने की याचिका पर सुनवाई के दौरान कटाक्ष किया था। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा था, आप चाहते हैं कि हम राष्ट्रपति शासन लागू करने के लिए राष्ट्रपति को ▶10 पर

जम्मू कश्मीर में फिर लौटा इस्लामिक आतंकवाद का दौर

पहलगाम में आतंकी हमले में 28 पर्यटकों की मौत

TIME 2000 HOURS					DATED 22-04-2025	
SNO.	NAME	AGE	PARENTAGE	STATE	STATUS	ADMITTED IN
DEAD						
1	MANJU NATH SHIVAMU			KARNATKA	DEAD	
2	VINAY NARWAL	26 YRS	RAJESH NARWAL	HARYANA	DEAD	
3	SHUBHAM DWIVEDI		SANJAY	UP	DEAD	
4	DILIP JAYARAM DESALE			MAHARASTRA	DEAD	
5	SUNDIP NEVPANE			NEPAL	DEAD	
6	BITAN ADHKERI				DEAD	
7	UDHWANI RRADEEP KUMAR			UAE	DEAD	
8	ATUL SHRIKANT MONE		SHRIAM ACHAL	MAHARASTRA	DEAD	
9	SANJAY LAKHAN LELE				DEAD	
10	SYED HUSSAN SHAH		SYED HARDER	ANANTNAG J&K	DEAD	
11	HIMAT BHAI KALATHIAY			SURAT GUJRAT	DEAD	
12	PRASANT KUAMR BALESHWAR				DEAD	
13	MANISH RANJAN				DEAD	
14	RAMCHANDRAM		NARAYAN MEONON		DEAD	
15	SHALINDER KALPIYA				DEAD	
16	SHIVAM MOGGA			KARNATAKA	DEAD	
INJURED						
1	VINI BHAI	60 YRS	RUWANI BHAI	GUJRAT	INJURED	GMC ANANTNAG
2	MANIK PATIL				INJURED	
3	RINO PANDEY				INJURED	
4	S. BALACHANDRU			MAHARASHTRA	INJURED	
5	DR PARMESHWARAM		ARUMUGAM	CHENNAI TAMIL NADU	INJURED	GMC ANANTNAG
6	ABHIJAVAM RAO			KARNATAKA	INJURED	
7	SANTRU AGE	83 YRS		TAMIL NADU	INJURED	
8	SHASHI KUMARI W/O RANJIT KUMAR	65 YRS		ODISHA	INJURED	GMC ANANTNAG
9	BALACHANDRA	57 YRS	S/O SANKARA PANDYA	TAMIL NADU	HEART STRESS	
10	SOBHIT PATEL			MUMBAI	INJURED	BB CANTT SGR

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 22 अप्रैल।

गृह मंत्री अमित शाह पहुंचे श्रीनगर

पीएम मोदी ने जताया हार्दिक शोक

अनंतनाग जिले में पहलगाम के पास बैसरन में आतंकियों ने पर्यटकों के नाम और धर्म पूछ-पूछ कर उन्हें गोली मार दी। इस तरह आतंकियों ने एक महिला समेत 28 पर्यटकों को मार डाला। अंधाधुंध गोलीबारी में दो दर्जन से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। मृतकों की संख्या के बारे में अभी तक आधिकारिक तौर पर कुछ भी नहीं बताया गया है। आज हुए इस हमले ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया है, जिसके बाद अधिकारियों ने स्थिति को संभालने के लिए तत्काल कदम उठाए हैं। आतंकी हमले में मारे गए 28 लोगों में से अधिकांश पर्यटक थे जो कश्मीर घूमने आए थे। खबर लिखने तक मरने वालों में से 16 लोगों की पहचान हो पाई थी। 10 घायलों की भी पहचान हुई है। आतंकी हमले में मरने वालों में तीन विदेशी नागरिक भी शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार दोपहर बाद पहलगाम के बैसरन मैदान में भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों ने पर्यटकों के एक समूह पर अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें तीन विदेशी नागरिकों समेत 28 लोग मारे गए और दर्जनों घायल हो गए। ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

सऊदी अरब पहुंचने पर प्रधानमंत्री मोदी का हुआ भव्य स्वागत

21 तोपों की धमाकेदार सलामी से दोस्ती की सनद

जेद्दा, 22 अप्रैल (एजेंसियां)।

सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के निमंत्रण पर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सऊदी अरब पहुंच गए हैं। जेद्दा पहुंचने पर प्रधानमंत्री का जोरदार स्वागत किया गया। सऊदी अरब की हवाई सीमा में प्रवेश करते ही सऊदी अरब वायुसेना के विमानों ने प्रधानमंत्री मोदी के विमान को एस्कॉर्ट किया। इसे स्वागत का अभूतपूर्व तरीका बताया जा रहा है। जेद्दा में प्रवासी भारतीयों ने पीएम मोदी के स्वागत में नारे लगाए। जेद्दा पहुंचते ही पीएम मोदी का स्वागत 21 तोपों की सलामी के साथ किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के साथ भारत-सऊदी अरब रणनीतिक साझेदारी परिषद की बैठक की सह-अध्यक्षता करेंगे।

सऊदी अरब की दो दिवसीय यात्रा पर रवानगी से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दोनों देशों के मजबूत संबंधों पर जोर दिया। अरब न्यूज को दिए साक्षात्कार में पीएम मोदी ने कहा कि भारत-सऊदी अरब के संबंध काफी मजबूत हैं। उन्होंने दोनों देशों के संबंधों की ताकत पर जोर दिया। साथ ही साझेदारी को अनिश्चितताओं से भरे विश्व में स्थिरता का स्तंभ बताया। इसके अलावा उन्होंने क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के नेतृत्व और नियंत्रण की भी तारीफ की।

विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने रूस-

सऊदी वायुसेना के विमानों ने पीएम मोदी के विमान को एस्कॉर्ट किया

यूक्रेन युद्ध पर कहा, यह चर्चा का एक अहम क्षेत्र होने जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने पहले ही भारत का रुख स्पष्ट किया है कि इस मसले का हल बातचीत से निकलना चाहिए। सभी पक्षों को एक मेज पर बैठकर इसका समाधान ढूंढना चाहिए। हमें यह देखकर खुशी हो रही है कि ऐसा कुछ हो रहा है। यह अच्छा है कि सऊदी अरब जैसा साझेदार फिर से इसमें शामिल है। मैं पहले ही यह नहीं कह सकता कि बातचीत की प्रकृति कैसी होगी। लेकिन इतना जरूर कह सकता हूं कि यह मुद्दा दोनों नेताओं के बीच प्रमुख चर्चा का विषय होने जा रहा है। उन्होंने कहा, इस दौरे में दोनों देशों के बीच कई समझौतों (एमओयू) पर हस्ताक्षर हो सकते हैं। उन्होंने बताया कि करीब 27 लाख भारतीय सऊदी अरब में रहते और काम करते हैं। यह भारतीय प्रवासियों का दूसरा सबसे बड़ा समूह है। भारत और सऊदी अरब के बीच 1947 में राजनयिक संबंध स्थापित हुए थे। 2010 में दोनों देशों के संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर पर बढ़ाया गया। तबसे दोनों देशों के बीच नियमित उच्च स्तरीय दौरे होते रहे हैं। साल 2024 की शुरुआत से अब तक भारत के 11 मंत्री सऊदी अरब दौरे पर जा चुके हैं। सऊदी अरब के विदेश मंत्री और खनिज मंत्री ने भी नवंबर 2024 और फरवरी 2025 में भारत का दौरा किया था। ▶10 पर

एक राष्ट्र एक चुनाव पर संसदीय समिति की बैठक

पूर्व जजों और कानूनविदों के साथ हुई वार्ता

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (एजेंसियां)।

एक राष्ट्र एक चुनाव पर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की आज हुई बैठक में कई जाने-माने कानून विशेषज्ञों से बातचीत की गई। इसमें कई पूर्व न्यायाधीश शामिल थे। जेपीसी की पिछली बैठक 25 मार्च को आयोजित की गई थी। आज की

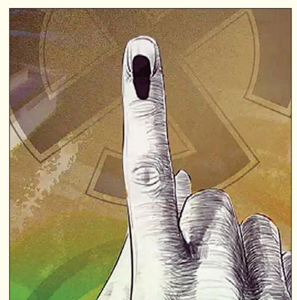

बैठक कुल चार सत्रों में आयोजित की गई। पहले सत्र में सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश हेमंत गुप्ता के साथ बातचीत हुई। दूसरे सत्र में जम्मू-कश्मीर हाईकोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश एसएन झा के साथ विचार-विमर्श हुआ। तीसरे सत्र में सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश और भारत के 21वें विधि आयोग के

देश और समय की मांग है, वन नेशन वन इलेक्शन

अध्यक्ष डॉ. बीएस चौहान के साथ बातचीत हुई और अंतिम सत्र में राज्यसभा सदस्य और वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी के विचार सुने गए।

एक राष्ट्र-एक चुनाव पर जेपीसी की वेबसाइट जल्द लॉन्च होगी। वेबसाइट के आगामी लॉन्च के बारे में बोलते हुए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के अध्यक्ष पीपी चौधरी ने बताया कि वेबसाइट जल्द ही क्यूआर कोड सुविधा के साथ लॉन्च की जाएगी। इसके माध्यम से सुझाव एकत्र किए जाएंगे, जिनकी सांसद समीक्षा करेंगे। उन्होंने बताया कि समिति ने दो बातों पर निर्णय लिया है। एक विज्ञापन सभी भाषाओं में मुद्रित किया जाएगा ताकि ▶10 पर

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 38^{0}

न्यूनतम : 27^{0}

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,00,050/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 98,490/- (प्रति किलोग्राम)

आर्ट ऑफ इम्सिंग पर आधारित सर्टिफाइड कोर्स का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जीतो महिला विंग बेंगलूरु नॉर्थ एवं केकेजी जोन के संयुक्त तत्वावधान में मंच संचालन की कला को सिखाने एवं बोलने के कौशल को निखारने हेतु आर्ट ऑफ एमसिंग विषय पर आधारित एक तीन दिवसीय सर्टिफाइड कोर्स का आयोजन चामराजपेट स्थित आदर्श कॉलेज में सफलतापूर्वक किया गया।

इस कार्यशाला के मुख्य प्रशिक्षक हितेश छाजेड़ एवं सह प्रशिक्षक नेहा चौधरी ने 25 से अधिक प्रतिभागियों को मंच संचालन की आधुनिक तकनीकों से अवगत कराया। जीतो के आर्थिक सुदृढ़ता, सक्षम वर्टिकल के अंतर्गत, इस प्रशिक्षण में मंच पर आत्मविश्वास के साथ उपस्थिति, दर्शकों से जुड़ाव, माइक पर सटीक बोलने की विधि, प्रोग्राम की प्रभावी शुरुआत, आई कॉन्टेक्ट बनाए रखने तथा बोलने के दौरान उत्पन्न भय या झिझक को दूर करने जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर विशेष फोकस किया गया। इस कार्यशाला में न केवल कन्या वर्ग एवं महिला वर्ग बल्कि पुरुष वर्ग ने भी बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। इमेज कंसल्टेंट लताशा भंडारी एवं मेकअप आर्टिस्ट नम्रता जैन ने प्रस्तुतिकरण, व्यक्तिगत ग्रूमिंग एवं सौंदर्य प्रसाधन के प्रयोग पर उपयोगी टिप्स साझा किए। साथ ही, अनुभवी एंकर अमित सिंघवी, बिंदु मेहता, नंदा बाफना एवं ज्योति कोटेचा ने पैनल चर्चा के माध्यम से एंकरिंग की बारीकियों और व्यवहारिक अनुभवों को साझा किया। कार्यक्रम की शुरुआत नवकार मंत्र से की गई। अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया। मुख्य सचिव रक्षा छाजेड़ ने मंच संचालन की जिम्मेदारी निभाई। संयोजिका मीना बडेरा ने मुख्य प्रशिक्षक हितेश का परिचय दिया। वहीं सह संयोजिका संगीता नागोरी ने नेहा चौधरी का परिचय प्रस्तुत किया। समापन समारोह में जीतो नॉर्थ के महामंत्री विजय सिंघवी, एपेक्स हाउसहोल्ड मॉडल कन्वीनर बिंदु रायसोनी, केकेजी जोन कन्वीनर पिंकी जैन, जेएलडब्ल्यू साउथ चेयरपर्सन बबीता रायसोनी, महिला विंग कन्वीनर नेमीचंद दलाल एवं जीतो यूथ के मंत्री आशीष टपरावत ने सभी प्रशिक्षुओं को एमसी क्यू कार्ड प्रदान किए एवं टीम को कार्यक्रम की सफलता पर बधाई दी।

इस अवसर पर आदर्श कॉलेज के पदमराज मेहता एवं जीतेंद्र मरडिया की विशेष उपस्थिति रही। केकेजी जोन चेयरमैन प्रवीण बाफना, मुख्य सचिव दिलीप जैन एवं जीतो बेंगलूरु नॉर्थ के चेयरमैन विमल कटारिया ने शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। जीतो महिला विंग बेंगलूरु नॉर्थ की उपाध्यक्ष सुमन सिंघवी, सुमन वेदमूथा, कोषाध्यक्ष तनूजा मेहता, सहमंत्री सुमन रांका तथा कार्यसमिति की सदस्याएँ साधना धोका, सारिका जैन, मोना आंचलिया, प्रेमा रांका एवं संगीता मुथा भी उपस्थित रहीं।

दीक्षा दिवस निमित्त जीवदया का कार्यक्रम आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। महान गौरवशाली मेवाड़ संघ परम्परा के महानायक श्रमण संघीय महामंत्री सौभाग्यमुनि महाराज के सुयोग शिष्य मेवाड़ प्रवर्तक कोमलमुनि के 26वें दीक्षा दिवस पर श्री अंबेश गुरू सेवा समिति बेंगलूरु के तत्वावधान में श्री गुरु अंबेश युवा मंडल की तरफ से जीवदया का आयोजन हलसूर स्थित श्री उदासीन मठ सेवा ट्रस्ट गौशाला में गो माता की सेवा के रूप में हरी घास, रोटियां, कच्छी हरी सब्जी, फल एवं राशि सहयोग द्वारा किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सामूहिक मंगलाचरण एवं गुरु आरती के साथ हुई। इस अवसर पर समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष पुखराज मेहता एवं सहमंत्री नेमीचंद दलाल ने युवा मंडल की सराहना करते हुए गौशाला की टीम द्वारा हो रहे कार्य के लिए अनुमोदना करते हुए शुभकामनाएं दी।

युवाओं ने देश भर में इस अवसर पर जीव दया के विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर गुरुदेव को दीक्षा दिवस पर सच्ची भेंट दी। गौशाला के संचालक प्रवीण पंडित एवं रिटायर्ड कर्नल आनंद ने समिति एवं युवा मंडल के सहयोग एवं जीवदया के कार्य के लिए आभार व्यक्त करते हुए उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाएं प्रेषित की। इस अवसर पर समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष पुखराज मेहता, सहमंत्री नेमीचंद दलाल, कोषाध्यक्ष राजेन्द्र कोठारी, दिनेश पोरवाड़, राकेश दलाल, युवा मंडल के उपाध्यक्ष राकेश संचेती, महामंत्री मुकेश बाबेल, कोषाध्यक्ष दिलीप हिरण, सहमंत्री सुनील मेहर, संगठन मंत्री चेतन गन्ना, प्रचार प्रसार मंत्री जितेंद्र सुराणा के साथ राजेश भटेवरा, राजेश कोठारी, अजीत संचेती, कल्पेश मेडतवाल, देवराज बोहरा, महावीर लोसर, विनोद पोखरना, विजय बाबेल, विशाल कोठारी, शंकर दक, ललित नंगावत, यश बाफना, नरेश पिछोलिया एवं मेवाड़ महिला मंडल की ओर से मीना दलाल आदि उपस्थित रहे।

दो दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। नवचेतना क्रिकेटर्स एसोसिएशन की ओर से दो दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन बन्नूर स्थित खेल मैदान में किया गया। प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न भागों से आठ टीमों ने भाग लिया। बसवनहल्ली क्रिकेटर्स टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। नवचेतना क्रिकेटर्स टीम उपविजेता रही। पर्यावरण जाग्रति वैदिके बन्नूर के अध्यक्ष महेंद्रसिंह कलप्पा मुख्य अथिति रहे।

एसोसिएशन ने उनका सम्मान किया। उन्होंने कहा कि हार जीत एक सिक्के के दो पहलू हैं। हारने पर निराश नहीं होना तथा जीतने पर उत्साहित नहीं होना चाहिए। तभी सफलता प्राप्त किया जा सकता है। खेल शांति के लिए जाना जाता है। राजपुरोहित ने विजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान की। लंकेश को सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजी का पुरस्कार मिला। अयाज को सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज का पुरस्कार मिला। श्रेष्ठ खिलाड़ी शंकर रहे। इस मौके पर नवचेतना क्रिकेटर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष शशिकिरण, आयोजक फारूक, विवेक, विक्की, इमरान, वाई.एस. रामास्वामी, रेवन्ना, शुहेब, आरिस, गुंडन्ना, शंकर, राजू, तौसीफ और मोहम्मद फुरकान, सैयद जमरान, फारूक और शशि किरण सहित बड़ी संख्या में खिलाड़ी उपस्थित रहे।

मोतीलाल मुणोत कप के खिलाड़ियों की हुई नीलामी

कांठाप्रांत स्कॉलरशिप योजना का अनावरण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री कांठा प्रांत जैन ट्रस्ट बेंगलूरु द्वारा कांठा प्रांत के युवाओं की नेटवर्किंग बढ़ाने एवं उनकी खेल प्रतिभा को निखारने के उद्देश्य से प्रत्येक वर्ष आयोजित होने वाले मोतीलाल मुणोत कप क्रिकेट प्रतियोगिता के सीजन 7 की शुरुआत खिलाड़ियों के नीलामी कार्यक्रम के साथ हुई। देवनहल्ली के समीप स्थित वीरडेंसी रिसॉर्ट में आयोजित इस खिलाड़ी नीलामी कार्यक्रम में कांठा प्रांत जैन ट्रस्ट के ट्रस्टियों, सहयोगी सदस्यों, टीम मालिको, टीम आइकॉन के साथ आमंत्रित गणमान्यों ने भाग लिया। मंगलाचरण से प्रारंभ कार्यक्रम में ट्रस्ट के अध्यक्ष उत्तमचंद कोठारी ने सभी का स्वागत किया। उन्होंने निरंतर सात वर्षों से आयोजित हो रही इस क्रिकेट प्रतियोगिता में सहयोग देने वाले सभी प्रायोजकों व टीम मालिकों का आभार व्यक्त किया। ट्रस्ट के महामंत्री सिद्धार्थ बोहरा ने कहा कि महानगरों में बसने वालों के बीच ऐसे आयोजनों से उनकी आपसी दूरिया कम होने के साथ उन्हें छुपी खेल प्रतिभा दिखाने का अवसर भी मिलता है। उन्होंने सभी खिलाड़ियों से खेल की भावना के साथ खेलने का अनुरोध किया। प्रतियोगिता महेंद्र मुणोत के मुख्य प्रायोजन, ललित गांधी के फूड प्रायोजन, उत्तमचंद कोठारी के ऑक्शन प्रायोजन, विनोद चानोदिया के जर्सी प्रायोजन, गुलाबदेवी कटारिया के पारितोषिक प्रायोजन, उत्तमचंद भलगट के गिफ्ट प्रायोजन, वसंतराज पितलिया के वेन्यू प्रायोजन एवं अमरचंद डागा के हिट ए सिक्स प्रायोजन में आयोजित की जा रही है। केपीपीएल सीजन 7 के संयोजक विजय गुगलिया ने बताया कि प्रतियोगिता में गणेशमल गुगलिया की गणेश टाइटन, ताराचंद गुगलिया की गुगलिया मैवेरिक्स, मोहनलाल सिंघवी की एचएमपी सिंघवी किंग्स, ताराचंद सहलोत की पीजे चैलेंजर्स, ज्ञानचंद कटारिया की प्राचीन क्राफ्टर्स, मंजू कोठारी की रॉयल कोठारिस, धर्मीचंद डंक की स्ट्राइकर्स एवं महावीर गांधी की वर्धमान ड्रीम 11 टीमे भाग ले रही है। प्रतियोगिता 22 से 24 मई को बीईएल ग्राउंड व रेलवे ग्राउंड में आयोजित होगी।

केपीपीएल सह संयोजक अमित कोठारी, किरण गुगलिया, रमेश गुगलिया व विनोद गुगलिया के साथ ट्रस्टी तथा सहयोगी सदस्य सम्पूर्ण आयोजन की व्यवस्था सम्हाल रहे है। खिलाड़ी नीलामी कार्यक्रम में जर्सी के साथ विजेता ट्रॉफी का भी अनावरण किया गया। इस दौरान कांठा प्रांत बेंगलूरु के जरूरतमंद विद्यार्थियों के लिये श्रीपालकुमार खिवेंसरा परिवार के प्रायोजन से कांठा प्रांत एज्युकेशन स्कॉलरशिप योजना का शुभारंभ किया गया। नीलामीकर्ता दीपक धोका ने खिलाड़ी नीलामी में बखूबी भूमिका निभायी। संचालन महामंत्री सिद्धार्थ बोहरा ने किया।

ब्यावर संघ, युवा एवं महिला शाखा द्वारा मुमुक्षु का बहुमान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री ब्यावर संघ, युवा शाखा एवं महिला विंग द्वारा ब्यावर शहर निवासी मुमुक्षु दौलतराज तातेड एवं ज्ञानचंद भण्डारी का अभिनन्दन बहुमान आयोजित किया गया। युवा अध्यक्ष ललित डाकलिया ने बताया कि हमारे सभी के पुण्योदय से मुमुक्षु भाईयों का दीक्षा से पूर्व बेंगलूरु पधारने का निश्चय हआ है। आप दोनों मुमुक्षुओं की जैन भागवती दीक्षा प्रवर्तिनी महासती जी डॉ. दर्शनलताजी के सानिध्य में 14 मई 2025 को विजयनगर में होने जा रही है। कार्यक्रम की शुरुआत में महिला विंग की चंद्रकला डाकलिया, मोनिका कुमट, कंचन छाजेड़ और सीमा बोहरा द्वारा मुमुक्षु के सम्मान में स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। संघ के अध्यक्ष पदमचंद बोहरा ने सभी पधारे हुए सदस्यों का भावभीना स्वागत किया और कहा कि यह हमारा सौभाग्य है की संघ के सानिध्य में मुमुक्षुओं का बहुमान होने जा रहा है। महामंत्री अरविन्द कोठारी ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए कहा कि आप दोनों मुमुक्षु परमात्मा महावीर के पथ पर अग्रसर होने जा रहे हैं और समस्त ब्यावर संघ की शुभकामनाएं आपके साथ हैं। मुमुक्षु दौलतराज तातेड ने अपने वक्तव्य में संयम की महिमा बताते हुए कहा कि रंक के एक दिन के संयम से महाराजा सप्रति के रूप में जन्म हो सकता है। दोनों मुमुक्षुओं ने बहुत ही सुंदर संयम जीवन को समर्पित गीतिकाओं के माध्यम से संयम की महिमा बताई। सलाहकार पन्नालाल कोठारी, उपाध्यक्ष महैन्द्र भन्साली, युवा अध्यक्ष ललित डाकलिया, युवा उपाध्यक्ष विकास खटोड़, महामंत्री कुलदीप छाजेड़, चेतन रेदासनी आदि वक्ताओं ने मुमुक्षुओं के साथ अपने संस्मरण सुनाते हुए कहा कि आप दोनों मुमुक्षु भरा पूरा परिवार और करोड़ों की सम्पत्ति छोड़कर प्रभु महावीर के पथ पर अग्रसर होने जा रहे हैं। आपने शिक्षा के क्षेत्र में बहुत कार्य किया है। अभी तक आप लाखों बच्चों को स्कूली शिक्षा के साथ धार्मिक पाठशाला का ज्ञान प्रदान कर चुके हैं। अभी भी आपकी स्कूलों में पांच हजार से अधिक विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। इस अवसर पर संघ के कोषाध्यक्ष दिनेश लोढ़ा, पूर्व अध्यक्ष महैन्द्र कोठारी, युवा कोषाध्यक्ष नमित कोठारी, युवा सहमंत्री नरेश बोहरा, सह कोषाध्यक्ष भरत कोठारी, विनय राठौड़, विवेक खटोड़, अल्केश हिंगड़, लकी बोहरा, अमित डांगी, मनीष मेडतवाल, अमित कोठारी, कुनाल मरलेचा, वर्धमान श्रीश्रीमाल के साथ संघ, युवा शाखा और महिला विंग के अनेक कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित थे।

जेडीएस ने कन्नड़ लोगों के खिलाफ अत्याचारों को नियंत्रित करने के लिए नए कानून की मांग की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जेडीएस ने राज्य सरकार से आग्रह किया है कि वह अप्रवासियों की बढ़ती संख्या और कन्नड़ लोगों पर अत्याचार को नियंत्रित करने के लिए तत्काल एक नया कानून बनाए। जेडीएस ने

इस संबंध में एक्स पर पोस्ट कर कहा गया है कि हमारी धरती पर अप्रवासियों द्वारा कन्नड़ लोगों के खिलाफ प्रतिदिन किए जाने वाले अत्याचारों को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। सभी जातियों के लिए शांति का प्रतीक कर्नाटक में उत्तरी राज्यों से आए प्रवासियों द्वारा किए गए अत्याचार निंदनीय हैं। आरोप है कि सी.वी. रमन नगर में बोस नामक व्यक्ति ने सड़क पर कन्नड़ इंजीनियर विनय कुमार पर मामूली बात पर जानलेवा हमला कर दिया। उन्होंने झूठी खबर फैलाई कि भाषा के मुद्दे पर दंगा हुआ है। जेडीएस ने मांग की कि सरकार को कन्नड़ लोगों पर इस तरह के अत्याचार करने वाले बदमाशों को करारा सबक सिखाना चाहिए।

सड़क हादसे में तीन लोग घायल

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेल्टांगडी के गुरुवायनाकेरे-करकला मार्ग पर स्थित अलाडांगडी में केड्डाविनु के पास सोमवार शाम को दो कारों के बीच आमने-सामने की टक्कर में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। यह दुर्घटना तब हुई जब अलाडांगडी से गुरुवायनाकेरे की ओर जा रही एक कार गुरुवायनाकेरे से करकला की ओर आ रही एक अन्य कार से टकरा गई। घायलों की पहचान गेरुकाटे निवासी कुसुमावती (75), भाग्यवती (50) और वैभव (23) के रूप में हुई है। उन्हें इलाज के लिए उजीरे के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

शब्द की मासिक रचनागोष्ठी का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु के रचनाकारों की प्रसिद्ध साहित्य संस्था 'शब्द' की रविवार को मासिक रचनागोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि लखनऊ निवासी वरिष्ठ पत्रकार नागेंद्र प्रताप थे। उन्होंने अपने उद्गार में कहा कि बेंगलूरु में हिंदी कविता के ऐसे विविध रंग और बहुआयामी रूप से परिचित होना मेरे लिए सुखद ही नहीं, चकित करने वाला है। 'शब्द' के द्वारा दिए जा रहे पुरस्कारों के बारे में मैंने लखनऊ में सुना था। किंतु आज इस आयोजन में आपकी अनूठी पारस्परिकता देखकर 'शब्द' के प्रति मेरी उम्मीद बड़ी हो गयी है। रचनागोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे गीतकार आनंद मोहन झा ने रचनाकारों की काव्य-प्रस्तुतियों को विषय, शैली तथा शिल्प की दृष्टि से सराहनीय बताया। उन्होंने परंपरा और नेगाचार से संबंधित अपने गीतों की सुमधुर प्रस्तुति से श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया। कार्यक्रम की शुरुआत में गजलगो विद्या कृष्णा ने वंदना के स्वरचित मधुर छंद गाए। उन्होंने अपनी बारी आने पर कई गजलें तरन्नुम में सुनाईं। वरिष्ठ कवयित्री रचना उनियाल भी गोष्ठी में गजलें सुनाकर श्रोताओं पर अपना प्रभाव छोड़ने में कामयाब रहीं। कार्यक्रम का संचालक राजेन्द्र गुलेच्छा ने की। प्रारंभ में 'शब्द' के अध्यक्ष श्रीनारायण समीर ने रचनाकारों का स्वागत करते हुए कविता की प्रासंगिकता की चर्चा की और 'शब्द' के भावी कार्यक्रमों एवं प्रयासों की संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने गाँवों से पलायन तथा स्त्री के जीवन-संघर्ष पर लिखी अपनी एक कविता भी सुनाई। रचनागोष्ठी में वरिष्ठ कवि अनिल विभाकर, नलिनी पोपट, बिंदु रायसोनी, गीता चौबे गूँज तथा अनिल अत्रि ने श्रोताओं की मन:स्थिति के अनुरूप एक से बढ़कर एक कविताएं सुनाईं। नाटककार मथुरा कलौनी, कार्यक्रम संयोजक श्रीकांत शर्मा, पंडित राजगुरु, अशोक कुमार सूर्य, कृष्ण कुमार पारीक, रामरतन सिंह आदि कि भिन्न मनोभावों वाली कविताएँ भी श्रोताओं द्वारा सराही गईं।

पूर्व डीजीपी ओम प्रकाश हत्याकांड

पत्नी न्यायिक हिरासत में बेटी को निम्हांस भेजा गया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के पूर्व डीजीपी ओम प्रकाश की हत्या के मामले में चौंकाने वाले घटनाक्रम में उनकी पत्नी पल्लवी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है, जबकि उनकी बेटी कृति को मानसिक जांच के लिए निम्हांस में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि मानसिक स्वास्थ्य की स्थिति के लिए उपचार करा रही पल्लवी ने रविवार को दोपहर के भोजन के समय अपने पति पर हमला किया। जांचकर्ताओं का आरोप है कि उसने और उसकी बेटी ने एक सप्ताह पहले ही हत्या की साजिश रची थी। कहा जाता है कि भोजन के दौरान दोनों ने ओम प्रकाश के साथ तीखी बहस की, जिसके बाद चाकू और बीयर की बोतल से हिंसक हमला किया। पुलिस सूत्रों ने खुलासा किया कि पल्लवी ने पहले अपने पति की आंखों में मिर्च पाउडर फेंका ताकि वह अपनी लाइसेंसी बंदूक का इस्तेमाल न कर सके, फिर गर्दन, पेट, छाती और सिर पर कई बार चाकू घोंपने से पहले उस पर तेल डाला। 68 वर्षीय ओम प्रकाश ने कथित तौर पर लगभग 10 मिनट तक संघर्ष किया, इससे पहले कि वह अपनी चोटों के कारण दम तोड़ दे। पुलिस द्वारा एचएसआर लेआउट स्थित आवास में जबरन घुसने के बाद उनका शव डाइनिंग टेबल पर खून से लथपथ पाया गया। घटना के बाद पल्लवी को गिरफ्तार कर लिया गया और बाद में न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। इस बीच, मामले में दूसरे आरोपी के रूप में नामित उनकी बेटी कृति को हिरासत में नहीं लिया गया है, लेकिन उसे निगरानी के लिए राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान संस्थान (निम्हांस) में भर्ती कराया गया है। एचएसआर लेआउट पुलिस स्टेशन में शुरू में दर्ज किया गया मामला अब आगे की जांच के लिए केंद्रीय अपराध शाखा (सीसीबी) को सौंप दिया गया है। ओम प्रकाश के बेटे कार्तिकेश ओम प्रकाश की शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज की गई। अपनी शिकायत में कार्तिकेश ने आरोप लगाया कि पिछले एक हफ्ते से उनके पिता को पल्लवी से जान से मारने की धमकियां मिल रही थीं। उन्होंने यह भी दावा किया कि हत्या से दो दिन पहले कृति उनके पिता को उनकी बहन के घर से जबरन घर ले गई थी। कार्तिकेश ने आगे कहा कि पल्लवी और कृति डिप्रेशन से पीड़ित थीं और अक्सर ओम प्रकाश से बहस करती थीं। उन्होंने कहा कि उन्हें शाम 5 बजे के आसपास एक पड़ोसी का फोन आया। रविवार को घटना की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि घर पहुंचने पर उन्होंने अपने पिता को मृत पाया, उनके शरीर पर चोटें और खून के निशान थे। शव के पास चाकू और बोतल मिली। पुलिस सूत्रों ने खुलासा किया कि पल्लवी ने एक अन्य आईपीएस अधिकारी की पत्नी को संदेश भेजा था कि उसने एक राक्षस को मार डाला है और घटना को अंजाम देने के तुरंत बाद वीडियो कॉल भी की थी। पल्लवी ने पूछताछ के दौरान कथित तौर पर कबूल किया है कि उसने खुद को बचाने के लिए ऐसा किया था। हालांकि, जांचकर्ताओं का मानना है कि उसके लिए अकेले इतना क्रूर हमला करना संभव नहीं था, जिसके कारण कृति को सह-आरोपी बनाया गया। पल्लवी और कृति दोनों पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) और 3(5) के तहत मामला दर्ज किया गया है। सूत्रों ने आगे बताया कि ओम प्रकाश ने कृति की शादी के बाद अलग रहने की इच्छा जताई थी। उन्होंने कहा कि पल्लवी सिजोफ्रेनिया जैसी मानसिक बीमारी के इलाज से गुजर रही थी और हाल के वर्षों में उसने मानसिक स्वास्थ्य केंद्रों का कई बार दौरा किया था। 1981 बैच के आईपीएस अधिकारी रहे पूर्व शीर्ष पुलिस अधिकारी ने कर्नाटक में पुलिस महानिदेशक और महानिरीक्षक के रूप में कार्य किया था और अपने प्रतिष्ठित करियर के दौरान कई महत्वपूर्ण पदों पर रहे थे। उनकी नृशंस हत्या ने राज्य के कानून प्रवर्तन समुदाय में खलबली मचा दी है।

विंग कमांडर हमला मामला भाषा से संबंधित नहीं था: बी. दयानंद

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के पुलिस आयुक्त बी. दयानंद ने कहा कि यह निष्कर्ष निकालना संभव नहीं है कि बैयप्पनहल्ली पुलिस स्टेशन के अंतर्गत विंग कमांडर पर हमला भाषा से संबंधित था। यहां एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने कहा कि बैयप्पनहल्ली मामले में शिकायत और प्रतिशिकायत दर्ज की गई है। पहले मामले में वायुसेना के विंग कमांडर शीलादित्य बोस की पत्नी ने एक बाइक सवार के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि जब वह हवाई अड्डे जा रही थीं, तो एक बाइक सवार ने उनके पति पर हमला कर दिया और उनकी गाड़ी को क्षतिग्रस्त कर दिया।

उन्होंने बताया कि बाइक के कार से टकराने की मामूली घटना को लेकर हुए विवाद के बाद उन पर हमला किया गया। उन्होंने बताया कि दोनों मामले दर्ज कर लिए गए हैं लेकिन अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। घटना के कारणों का विश्लेषण करना उचित नहीं है क्योंकि जांच अभी जारी है। सोशल मीडिया पर मिले एक वीडियो के आधार पर पुलिस ने जानकारी जुटाने के लिए डीआरडीओ अधिकारियों से संपर्क किया और उसके आधार पर शिकायत प्राप्त हुई और मामला दर्ज किया गया।

यह पाया गया है कि सोशल मीडिया पर बताए गए तथ्य तथ्यात्मक नहीं हैं। लेकिन चूंकि यह जांच का हिस्सा है, इसलिए मैं इस बारे में ज्यादा बात नहीं कर सकता। एक नजरिए से यह कहना संभव नहीं है कि यह हंगामा भाषा के मुद्दे के कारण है या नहीं। यह हमला एक कार और बाइक के बीच हुई मामूली टक्कर को लेकर हुए विवाद के बाद हुआ। उन्होंने कहा कि जब घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी की जांच की गई तो अलग-अलग बातें सामने आईं। एचएसआर लेआउट में सेवानिवृत्त डीजीपी ओमप्रकाश की हत्या के सिलसिले में एक महिला को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए सीसीबी को जांच का जिम्मा सौंपा गया है।

उन्होंने कहा कि सीसीबी पुलिस जल्द से जल्द जांच शुरू करेगी। पुलिस ने घटनास्थल की जांच, फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला जांच और परिस्थितिजन्य साक्ष्य के आधार पर एक व्यक्ति को हिरासत में लिया है। शिकायतकर्ता ने दोनों के खिलाफ संदेह व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि जांच और साक्ष्य के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कर्नाटक और कन्नड़ लोगों के खिलाफ भारतीय वायुसेना अधिकारी के आरोप निराधार: मुख्यमंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कन्नड़ लोग अपनी मातृभाषा पर गर्व करते हैं, लेकिन वे अहंकारी नहीं हैं। भाषा के मुद्दे पर दूसरों पर हमला करने या गाली देने के लिए वे असहिष्णु नहीं हैं। यह बात कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने बेंगलूरु में रोड रेज की घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए कही। कॉल सेंटर कर्मचारी विकास कुमार और भारतीय वायुसेना अधिकारी विंग कमांडर शिलादित्य बोस के बीच हाथापाई के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के एक दिन बाद, सीएम ने एक पोस्ट में कर्नाटक और कन्नड़ लोगों के खिलाफ बोस द्वारा लगाए गए निराधार आरोपों पर आपत्ति जताई। उन्होंने इसे कन्नड़ लोगों के आत्मसम्मान को ठेस पहुँचाने का प्रयास बताया। कन्नड़ भूमि की संस्कृति ऐसी है जो देश के विभिन्न कोनों से यहाँ आकर बसने वाले सभी लोगों के साथ सम्मान से पेश आती है और उन्हें कन्नड़ के रूप में प्यार करती है। इतिहास इसका सबूत है। उन्होंने कहा, यह वास्तव में खेदजनक है कि राष्ट्रीय मीडिया ने अपनी जिम्मेदारी और व्यावसायिकता को भूलकर किसी के द्वारा लगाए गए निराधार आरोपों को प्रकाशित करके पूरे कर्नाटक राज्य की गरिमा को धूमिल किया है। इससे हर कन्नड़ की भावनाओं को ठेस पहुंची है। हालांकि, सीएम ने कर्नाटक के लोगों को उकसावे में आकर कानून को अपने हाथ में लेने से भी आगाह किया। सिद्धरामैया ने कहा कर्नाटक में सरकार कन्नड़ लोगों द्वारा चुनी गई है। मैंने पुलिस आयुक्त को घटना के संबंध में दोषियों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई करने का आदेश दिया है, चाहे वे कोई भी हों और उनका पद कोई भी हो। राज्य सरकार ने मामले को बहुत गंभीरता से लिया है और पीड़ित व्यक्ति को न्याय दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। रोड रेज के एक प्रकरण के बाद पूर्वी बेंगलूरु में सी.वी. रमन नगर के पास दोनों ने सार्वजनिक रूप से हाथापाई की। बोस ने बाद में सोशल मीडिया पर एक वीडियो संदेश डाला जिसमें विकास कुमार पर चाबी और पत्थर से उन पर हमला करने और कन्नड़ में उन्हें गालियाँ देने का आरोप लगाया। इसके बाद, पुलिस ने शुरू में विकास कुमार को गिरफ्तार किया और उसका बयान दर्ज किया। हालाँकि, सीसीटीवी फुटेज और आसपास के लोगों से घटनाओं की रिकॉर्डिंग की पुष्टि करने के बाद, कथित तौर पर यह पता चला कि बोस ने भी विकास पर हमला किया था और उसके साथ मारपीट की थी। विकास द्वारा जवाबी शिकायत दर्ज करने के बाद बोस के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया गया।

सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक सर्वेक्षण रिपोर्ट में व्याप्त भ्रांतियों को सबसे पहले करें दूर: डीके सुरेश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पूर्व सांसद डी.के. सुरेश ने कहा कि पिछड़ा वर्ग के लिए स्थायी आयोग द्वारा किए गए सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक सर्वेक्षण रिपोर्ट में व्याप्त भ्रांतियों को सबसे पहले दूर किया जाना चाहिए। उन्होंने मांग की है कि जिन लोगों को सूची से बाहर कर दिया गया है, उन्हें पुनः सूची में शामिल करने के लिए तीन से चार महीने का समय दिया जाए। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि रिपोर्ट मंत्री के पास है। जनता के लिए उपलब्ध नहीं है। मीडिया से बहुत कम जानकारी ही पता चलती है। उन्होंने सुझाव दिया कि रिपोर्ट का पूरा विवरण सार्वजनिक किया जाना चाहिए। रिपोर्ट में केवल जातिगत आंकड़ों पर ही चर्चा की गई है। आर्थिक स्थिति के बारे में कोई चर्चा नहीं हुई। कौन सा समुदाय पूर्णतः अपने पैरों पर खड़ा है? ब्राह्मणों, लिंगायतों और वोक्कालिगाओं में गरीब लोग हैं। कौन से समुदाय आर्थिक, सामाजिक और शैक्षिक रूप से विकसित हैं? इन सभी कारकों पर चर्चा की जानी चाहिए। मछुआरे एसटी में शामिल होने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। रिपोर्ट में इन सभी मुद्दों पर स्पष्टता का अभाव है। कांताराजू और जयप्रकाश हेगड़े द्वारा दी गई रिपोर्ट को जनता के सामने पूर्ण रूप से प्रस्तुत किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि थोड़ी सी जानकारी देने से भ्रम बढ़ेगा। कांग्रेस पार्टी आजादी के पहले से ही समानता के पक्ष में रही है। यह रिपोर्ट कई वर्षों से तैयार की जा रही है। इस बीच, कई लोग पलायन कर चुके हैं। वे विभिन्न शहरों में भी चले गए हैं। क्या उनके नाम शामिल हैं? मुख्यमंत्री बहुत अनुभवी व्यक्ति हैं। उन्होंने कहा कि सभी को विश्वास में लिया जाना चाहिए, संदेह दूर किए जाने चाहिए और चर्चा जारी रहनी चाहिए। रिपोर्ट का किसी ने विरोध नहीं किया है, पिछड़े वर्गों में कई जातियां हैं। ऐसी आशंका है कि और अधिक चरवाहों को शामिल किया गया है। इसे स्पष्ट किया जाना चाहिए। 1.33 करोड़ परिवारों का सर्वेक्षण किया गया। राज्य सरकार ने 1.22 करोड़ परिवारों को गृह ज्योति सुविधा प्रदान की है। सरकार के पास बहुत सारा डेटा है।

उन्होंने कहा कि इसके आधार पर कमियों को सुधारा जा सकेगा। अनुसूचित जातियों के बीच आदि द्रविड़ और आदि कर्नाटक को लेकर भ्रम की स्थिति है। सबसे पहले इसे ठीक किया जाना चाहिए। सर्वेक्षण के बाद से जनसंख्या में एक करोड़ की वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि यह ज्ञात नहीं है कि इसे शामिल किया गया है या नहीं। विशेष सत्र बुलाना इसका एक हिस्सा है, और कोई बड़ा निर्णय लेते समय व्यापक चर्चा होनी चाहिए। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा भाजपा विधायक मुनिरत्न पर कई आरोप हैं। उन्हें विधान सभा से निलंबित कर दिया गया है। वे किसी समिति में नहीं जा सकते, यहां तक कि विधानमंडल में भी कदम नहीं रख सकते। लेकिन वे विधान सौधा से आते-जाते रहते हैं। उनसे उनके विरुद्ध लगे बलात्कार के आरोपों के बारे में पूछताछ की गई। मैंने मुनिरत्न को यह कहते सुना कि वह प्रतिदिन एक गोली निगल कर जीवित रहते हैं। आप सोने के लिए एक गोली निगल सकते हैं।

आरोप है कि उसने विधानसभा की तीसरी मंजिल पर लड़की के साथ पांच बार बलात्कार किया। बीबीएमपी की फाइलों को जलाने, मतदाता पहचान पत्र घोटाले तथा हर जगह दी जाने वाली रिश्वत के बारे में बात करने में बहुत समय लगेगा। आने वाले दिनों में हम मुनिरत्न बलात्कार मामले के दस्तावेज हर घर तक पहुंचाएंगे।

उडुपी छात्रा आलिया असदी ने सरकार के दोहरे मानकों पर उठाए सवाल

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। सीईटी परीक्षा के दौरान ब्राह्मण छात्रों से उनके पवित्र धागे ('जनिवारा') को हटाने के लिए कहे जाने के विवाद से राज्य अभी भी उबर नहीं पाया है, लेकिन 'हिजाब' का मुद्दा एक बार फिर सोशल मीडिया पर फिर से चर्चा में आ गया है, जिससे नई बहस छिड़ गई है। उडुपी के एक सरकारी पीयू कॉलेज से हिजाब आंदोलन का नेतृत्व करने वाली एक छात्र कार्यकर्ता आलिया असदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर दोनों घटनाओं पर सरकार की अलग-अलग प्रतिक्रियाओं पर सवाल उठाया। उन्होंने पूछा, क्या पवित्र धागा पहनने के कारण परीक्षा देने से वंचित किए गए ब्राह्मण छात्र और हिजाब पहनने के कारण परीक्षा देने से वंचित की गई मुस्लिम छात्रा का दर्द एक जैसा नहीं है?

उन्होंने लिखा तो फिर दोनों मामलों में पक्षपात क्यों है? जैसे पवित्र धागा ब्राह्मणों के लिए महत्वपूर्ण है, वैसे ही हिजाब हमारे लिए समान धार्मिक महत्व रखता है। असदी ने आगे जनिवारा मामले में की गई त्वरित कार्रवाई की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा जिस अधिकारी ने पवित्र धागा हटाया, उसे तुरंत निलंबित कर दिया गया। लेकिन जिस अधिकारी ने हमारे लिए कॉलेज के गेट बंद किए, उसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने पीड़ित ब्राह्मण छात्रा को मुफ्त सीट देने के सरकार के कदम की भी आलोचना की। उन्होंने कहा किसी ने यह पूछने की भी जहमत नहीं उठाई कि हम परीक्षा में बैठ पाए या नहीं। आलिया असदी उडुपी के सरकारी गर्ल्स पीयू कॉलेज में 'हिजाब' पहनने के अधिकार की मांग उठाने वाली पहली महिलाओं में से थीं - यह एक ऐसा आंदोलन था जो राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक बड़े विवाद में बदल गया। उनकी नवीनतम टिप्पणियों ने एक बार फिर समानता, धार्मिक अधिकारों और ऐसे मुद्दों से निपटने में कथित दोहरे मानदंडों के बारे में सार्वजनिक चर्चा को जन्म दिया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने घरेलू इस्पात क्षेत्र के विकास के लिए साहसिक कदम उठाए: कुमारस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय इस्पात एवं भारी उद्योग मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने केन्द्र सरकार द्वारा इस्पात आयात पर 12 प्रतिशत सुरक्षा शुल्क लगाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद दिया है।

कुमारस्वामी ने इस कदम का स्वागत करते हुए कहा कि यह घरेलू इस्पात निर्माताओं को बढ़ते आयात के प्रतिकूल प्रभावों से बचाने और बाजार में निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करने के लिए समय पर उठाया गया आवश्यक कदम है। उन्होंने कहा कि यह पहल घरेलू इस्पात उद्योग के हितों की रक्षा के लिए घरेलू इस्पात उद्योग को और मजबूत एवं प्रोत्साहित करेगी। केंद्र सरकार ने गैर-मिश्र धातु और मिश्र धातु इस्पात से बने कुछ उत्पादों के आयात पर 12 प्रतिशत का सुरक्षा शुल्क लगाने का निर्णय लिया है और इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी गई है। इस कदम से घरेलू उत्पादकों, विशेषकर लघु एवं मध्यम स्तर के इस्पात उद्यमों को लाभ होगा, तथा बढ़ते आयात के कारण भारी दबाव का सामना कर रहे लोगों को महत्वपूर्ण राहत मिलेगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि सुरक्षा शुल्क से बाजार में स्थिरता स्थापित करने और घरेलू उद्योग के विश्वास को मजबूत करने में मदद मिलेगी। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की महत्वाकांक्षी आत्मनिर्भर भारत अवधारणा के तहत घरेलू रणनीतिक क्षेत्रों को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने यह भी कहा कि वह इस संबंध में मोदी के निरंतर सहयोग के लिए उनका हार्दिक आभार व्यक्त करना चाहते हैं। मंत्रालय घरेलू क्षेत्र में प्रभावी ढंग से काम कर रहा है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि भारतीय इस्पात क्षेत्र टिकाऊ, आत्मनिर्भर और वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी हो। मंत्री ने कहा कि भविष्य में भी निर्णायक कदम उठाए जाएंगे।

सीसीबी पूर्व डीजीपी के हत्या के कारणों और विवरणों की जांच कर रही: गृह मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने मंगलवार को कहा कि केंद्रीय अपराध शाखा (सीसीबी) कर्नाटक के पूर्व डीजीपी ओम प्रकाश की हत्या के पीछे के कारणों और अन्य विवरणों की जांच कर रही है। यहां पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि पुलिस ने हत्या के सिलसिले में उनकी पत्नी पल्लवी को पहले ही गिरफ्तार कर लिया है और उसने अपराध करना स्वीकार कर लिया है। एक सवाल के जवाब में परमेश्वर ने कहा जांच चल रही है और इसे सीसीबी को सौंप दिया गया है, क्योंकि वह (ओम प्रकाश) एक वरिष्ठ अधिकारी थे। जब उनसे पूछा गया कि क्या मोबाइल फोन से कोई जानकारी मिली है, तो उन्होंने कहा मुझे नहीं पता। उन्होंने कहा जांच के दौरान उन सभी चीजों की जांच की जाएगी। कर्नाटक के पूर्व पुलिस प्रमुख, बिहार के 1981 बैच के आईपीएस अधिकारी का शव रविवार को शहर के पॉश इलाके एचएसआर लेआउट में उनके तीन मंजिला घर के ग्राउंड फ्लोर पर खून से लथपथ मिला। पुलिस सूत्रों के अनुसार, प्रारंभिक जांच से पता चला है कि ओम प्रकाश का घर पर दोपहर के भोजन के दौरान अपनी पत्नी से झगड़ा हुआ और यह झगड़ा इतना बढ़ गया कि हत्या कर दी गई। उन्होंने बताया कि घटना के समय उनकी बेटी कृति भी घर में मौजूद थी। एचएसआर लेआउट पुलिस ने ओम प्रकाश के बेटे कार्तिकेश की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया है, जिसने अपनी मां और बहन पर संदेह व्यक्त करते हुए दावा किया कि दोनों अवसाद से पीड़ित थीं। पुलिस अभी भी हत्या के संबंध में कृति की भूमिका की जांच कर रही है, और अभी तक उसे गिरफ्तार नहीं किया है। इसी बीच परमेश्वर ने कहा कि बेंगलूरु में एक तकनीकी विशेषज्ञ पर हमला करने वाले विंग कमांडर के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। वह बंगाल भाग गया है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार करने के लिए कार्रवाई की है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि जिस व्यक्ति पर हमला हुआ था, उसने शिकायत दर्ज करा दी है। इसके आधार पर विंग कमांडर शीलादित्य बोस के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। चूंकि आरोपी फरार है, इसलिए उसकी गिरफ्तारी के लिए आवश्यक कदम उठाए गए हैं।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

बजट में हिंदू समुदाय के साथ अन्याय

यह कोई लोकप्रिय सरकार नहीं है, विज्ञापनों की सरकार: विजयेंद्र

गदग/शुभ लाभ ब्यूरो।
भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेन्द्र ने कहा कि आम आदमी, किसान और गरीबों को जीवित रहना मुश्किल हो रहा है क्योंकि राज्य की कांग्रेस सरकार ने 50 से अधिक आवश्यक वस्तुओं की कीमतें बढ़ा दी हैं। जनाक्रोश यात्रा के संबंध में यहां एक विशाल जनसभा में बोलते हुए उन्होंने कहा हम कांग्रेस सरकार द्वारा मूल्य वृद्धि के मुद्दे को उजागर कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि लोगों को यह बताकर जन जागरूकता पैदा की जा रही है कि सिद्धरामैया अल्पसंख्यकों को खुश करने के लिए बजट में हिंदू समुदाय के साथ अन्याय कर रहे हैं।

उन्होंने आपत्ति जताई कि अहिंदा की आड़ में राज्य में सत्ता में आई सिद्धरामैया कांग्रेस सरकार ने अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के विकास के लिए आवंटित 38,500 करोड़ रुपये का दुरुपयोग कर उसे अन्य उद्देश्यों के लिए हस्तांतरित कर दिया है। उन्होंने बताया कि वे ऐसी भ्रष्ट कांग्रेस सरकार के खिलाफ जन आक्रोश मार्च निकाल रहे हैं। एक ओर, वे लगातार गारंटी का विज्ञापन कर रहे हैं। कर्नाटक में कांग्रेस सरकार लोकप्रिय सरकार नहीं है। उन्होंने इस पर विज्ञापन देने वाली सरकार होने का आरोप लगाया। वे सिर्फ अखबारों और टीवी पर विज्ञापन देकर लोगों को बेवकूफ बनाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने शिकायत की कि कोई विकास कार्य नहीं किया जा रहा है। सिद्धरामैया सरकार के पिछले 20 महीनों के दौरान गदग जिले सहित किसी भी जिले में कोई नई परियोजना शुरू नहीं की गई है। अतीत में जब भाजपा के येदियुरप्पा और बसवराज बोम्मई मुख्यमंत्री थे, तब गदग जिले को काफी अनुदान दिये गये। अब सिद्धरामैया के मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्होंने गदग जिले के विकास के लिए कितने सौ करोड़ रुपये दिए हैं? उनके प्रयास पेयजल संकट को हल करने में सफल नहीं हो सके हैं।

उन्होंने कहा कि अब विकास के लिए धन उपलब्ध कराने का सवाल ही नहीं उठेगा। हमें सिद्धरामैया से ईर्ष्या नहीं है। हालाँकि, गारंटी को लेकर काफी चर्चा हो रही है। जब येदियुरप्पा मुख्यमंत्री थे, तो किसानों को अपने खेतों तक बिजली कनेक्शन पाने के लिए केवल 25,000 रुपये का भुगतान करना पड़ता था। उन्होंने आपत्ति जताते हुए कहा कि आज सिद्धरामैया के शासन में 2.5 लाख से 3 लाख रुपये देने पड़ रहे हैं। 20 महीने में दूध के दाम में 10 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि की गई है। ऐसे में गरीबों को क्या करना चाहिए? इस मौके पर पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं सांसद गोविंद करजोल, विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाड़ी नारायणस्वामी, पूर्व मंत्री बी. श्रीरामुलु, विधान परिषद में विपक्ष के मुख्य सचेतक एन. रविकुमार, पूर्व मंत्री एवं विधायक सी.सी. पाटिल, जी. जनार्दन रेड्डी, विधायक डॉ. चंद्रू लमानी, विधान परिषद सदस्य एस.वी. संकनूर, पूर्व विधायक कलकप्पा बांदी, जिला अध्यक्ष थोटप्पा (राजू) कुराडगी, राज्य पदाधिकारी, जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष और पार्टी नेता मौजूद थे।

यदि खजाने के रक्षक चोरी करने लगें तो क्या होगा?

स्मार्ट मीटर घोटाले के खिलाफ जन जागरूकता ऑनलाइन हस्ताक्षर अभियान: डॉ. अश्वथ नारायण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं विधायक डॉ. सी.एन. अश्वथनारायण ने कहा कि भाजपा ने स्मार्ट मीटर घोटाले के खिलाफ जन जागरूकता और ऑनलाइन हस्ताक्षर अभियान शुरू किया है। उन्होंने शहर के भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि हम लोगों को सरकार की दिनदहाड़े हो रही लूट के बारे में बताने जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि लघु एवं मध्यम उद्योगों के लिए बिजली बिल का भुगतान करना कठिन है। हमने सीएजी और प्रधान महालेखा परीक्षक से भी शिकायत की है। हमने यथाशीघ्र जांच का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि वे सभी दिशाओं से ईमानदारी से प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दिन-रात भ्रष्टाचार में लिप्त लोगों को स्पष्ट संदेश देने का प्रयास किया जा रहा है। सभी लोग इस बारे में शिकायत कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि उन्होंने एक काली सूची में डाली गई कंपनी के साथ समझौता किया था। ऊर्जा विभाग में भारी भ्रष्टाचार है। यदि यही नियम पुराने ग्राहकों पर भी लागू किया गया तो सभी को 1.5 लाख रुपये देने होंगे। उन्होंने सवाल किया कि यदि इसे 2.5 करोड़ ग्राहकों तक बढ़ाया जाए तो कितना भ्रष्टाचार होगा। हमने प्रदेश में स्मार्ट मीटर घोटाले का मुद्दा कई बार उठाया है। हमने इसे तार्किक निष्कर्ष पर पहुंचाने के लिए कल ही लोकायुक्त के समक्ष शिकायत दर्ज करा दी है। उन्होंने बताया कि हमने समाज और सरकार का ध्यान आकर्षित किया है। केबल और बिजली की खरीद में भी भ्रष्टाचार हो सकता है। उन्होंने पूछा कि क्या इस विभाग में कानून प्रवर्तन अप्रासंगिक है। उन्होंने पूछा कि जब ऐसे भ्रष्ट लोग बाड़ के पीछे भी खेतों में चराई कर रहे हैं तो लोगों को न्याय कैसे मिल सकता है। उन्होंने पूछा कि यदि खजाने के रक्षक चोरी करना शुरू कर दें तो उन्हें कहां जाना चाहिए। यह कांड इस बात का सबूत है कि अगर भाजपा किसी मामले को उठाती है तो उसे अंत तक पहुंचाती है। दण्ड देना इसका एक भाग है। उन्होंने कहा कि मुद्दे को समझाना और जागरूकता पैदा करना एक और कार्य है।

रिक्की राय गोलीबारी मामले में बंदूकधारी से पूछताछ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मुथप्पा राय के बेटे रिक्की राय की हत्या के प्रयास के मामले में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है और उससे पूछताछ की गई है, जो पहले बंदूकधारी के रूप में काम करता था। पता चला है कि घटनास्थल पर मिला मोबाइल फोन घटना के बाद लाकर रखा गया था। तीन दिन पहले रिक्की राय को गोली मारकर हत्या का प्रयास किया गया था। विट्ठलराव, जो पहले बंदूकधारी के रूप में काम करता था, से गहन पूछताछ की जा रही है। बिदादी पुलिस ने सभी संदिग्ध लोगों को पूछताछ के लिए उपस्थित होने का नोटिस जारी किया है। गोलीबारी स्थल पर एक मोबाइल

फोन पाया गया। जब इसकी जांच की गई तो पुलिस को पता चला कि गोलीबारी के बाद पुलिस का ध्यान भटकाने के लिए मोबाइल फोन वहां लाया गया था और छोड़ दिया गया था।

मामले के मुख्य आरोपी राकेश मल्ली को मंगलवार को बिदादी पुलिस ने पूछताछ के लिए थाने में बुलाया। अपने वकील के साथ मौजूद राकेश ने पुलिस के सवालों के जवाब दिए। रामनगर के एसपी श्रीनिवास गौड़ा ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि तीन दिनों से जांच चल रही है। शिकायत में नामित सभी लोगों को नोटिस जारी कर पूछताछ के लिए उपस्थित होने को कहा गया है। सभी ने जांच में सहयोग करने पर सहमति जताई है। उन्होंने कहा कि आगे और जांच की जरूरत है। प्रारंभिक जांच के अनुसार, यह संभव है कि यह जानकारी किसी परिचित द्वारा दी गई हो। हत्या के प्रयास के पीछे का मकसद अभी भी स्पष्ट नहीं है। उन्होंने कहा कि घटना के समय मौजूद अंगरक्षकों से भी जानकारी ली गई है।

शादी से पहले पूर्व प्रेमी के ब्लैकमेल के बाद कबड्डी स्टार ने आत्महत्या कर ली

गदग/शुभ लाभ ब्यूरो।
जिले से एक दुखद घटना सामने आई है, जिसमें 29 वर्षीय राष्ट्रीय स्तर की कबड्डी खिलाड़ी और शारीरिक शिक्षा शिक्षिका ने अपने पूर्व प्रेमी द्वारा कथित उत्पीड़न और ब्लैकमेल के बाद अपनी जान दे दी।

मृतक की पहचान सायरा बानू नदाफ के रूप में हुई है, जो गदग शहर के पास असुंदी गांव की निवासी थी। यह घटना सोमवार को सामने आई और पूरे क्षेत्र में सदमे और आक्रोश की स्थिति पैदा हो गई। कबड्डी में कर्नाटक का नाम रोशन करने वाली सायरा बानू की 8 मई को शादी होने वाली थी।

हालांकि, उसने अपने घर पर यह कदम उठाया, जबकि उसका परिवार शादी की खरीदारी के लिए बाहर गया हुआ था। सूत्रों के अनुसार, सायरा ने एक विस्तृत मृत्यु नोट लिखा था, जिसमें उसने अपने पूर्व प्रेमी मैलारी को अपनी मौत के लिए जिम्मेदार ठहराया था। उसने खुलासा किया कि हालांकि रिश्ता पांच साल पहले खत्म हो गया था, लेकिन वे एक महीने पहले इंस्टाग्राम के जरिए फिर से जुड़े। सायरा ने उल्लेख किया कि मैलारी ने उसका जन्मदिन मनाया और उसकी देखभाल करने का वादा किया। हालांकि, बाद में उसे लगातार उत्पीड़न और ब्लैकमेल का सामना करना पड़ा, जिसमें व्यक्तिगत तस्वीरें और वीडियो लीक करने की धमकियाँ भी शामिल थीं।

अपने नोट में उन्होंने लिखा मैंने जो गलती की, जिसके कारण मेरी मृत्यु हुई, वह यह है कि मैं मैलारी नाम के एक लड़के से प्यार करती थी। वह मेरी तस्वीरों और वीडियो का इस्तेमाल करके मुझे परेशान कर रहा है।

इसलिए मैंने अपनी जान देने का फैसला किया है। मेरी एकमात्र विनती है कि मेरे पिता और माता को किसी भी तरह से परेशान न किया जाए। कृपया मुझे माफ कर दें।

सायरा बानो न केवल अपनी खेल उपलब्धियों के लिए बल्कि एक शिक्षिका के रूप में अपने समर्पण के लिए भी जानी जाती थीं। उनके अचानक निधन से उनके परिवार, छात्रों और स्थानीय समुदाय में गहरा शोक है। महिला अधिकार संगठनों ने इस घटना की निंदा की है और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है, जिसमें प्यार के नाम पर महिलाओं को ब्लैकमेल किए जाने की बार-बार होने वाली समस्या को संबोधित करने की तत्काल आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया है। इस बीच, गदग ग्रामीण पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और फरार आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। सायरा बानो के शोकाकुल परिवार ने आरोपी के लिए मौत की सजा की मांग की है। जांच जारी है।

व्यक्ति ने महिला की हत्या कर शव को आग के हवाले कर दिया

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो।
पुलिस ने 27 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जिसने कथित तौर पर अपनी प्रेमिका की हत्या कर दी और उसके शव को कलबुर्गी जिले के कमलापुर तालुक के किन्नी सड़क गांव के पास एक खेत में जला दिया। 6 अप्रैल को किन्नी सड़क में खेत में जली हुई लाश मिलने के बाद, खेत के मालिक नीलकांत पंचाल ने कमलापुर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस अधीक्षक अड्डुरु श्रीनिवासुलु ने सोमवार को मीडियाकर्मियों से कहा शुरू में पुलिस को कुछ पता नहीं था, क्योंकि पूरे शरीर पर जलने के निशान होने के कारण शव की पहचान करना मुश्किल हो रहा था। आरोपियों ने सबूत मिटाने के लिए उसके शव को जला दिया।

श्रीनिवासुलु ने कहा कि पीड़िता आरती की शादी 13 साल पहले गुजरात के जूनागढ़ जिले के अनिल जोशी से हुई थी। वह कुछ महीने पहले ही कलबुर्गी आई थी। वह देवी नगर में रह रही थी और कलबुर्गी में बसने की योजना बना रही थी। जब पुलिस को पता चला कि पीड़िता कलबुर्गी के शिवानंद राजापुर नामक एक व्यक्ति के साथ लंबे समय से रिलेशनशिप में थी, तो उन्होंने संदिग्ध की जानकारी और कॉल रिकॉर्ड जुटाए। पूछताछ करने पर शिवानंद ने आरती की हत्या करने की बात कबूल की, क्योंकि उसने उसे शादी के लिए मजबूर किया था। 5 अप्रैल को शिवानंद आरती को अफजलपुर के देवल गणगपुर मंदिर ले गया।

नाबालिग से बलात्कार और हत्या के मामले में व्यक्ति को मृत्युदंड

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो।
कलबुर्गी में जिला एवं सत्र न्यायालय (पॉक्सो विशेष) ने कर्नाटक के कलबुर्गी जिले के अलंद तालुक के जवाली (डी) गांव निवासी 28 वर्षीय गुंडेराव चोपड़े को नाबालिग लड़की का यौन उत्पीड़न करने और उसकी बेरहमी से हत्या करने के मामले में मृत्युदंड की सजा सुनाई है। अदालत ने 1 लाख का जुर्माना लगाया और पीड़ित परिवार को 4 लाख का मुआवजा देने का आदेश दिया। मामले की व्याख्या करते हुए लोक अभियोजक शांतावीर बी. तुप्पड़ ने कहा कि 15 जुलाई 2023 को 10 वर्षीय लड़की जवाली (डी) गांव में अपनी मौसी के घर जा रही थी। वह देवंती गांव से चली और जवाली (डी) गांव पहुंचने के लिए खेतों से होते हुए सबसे छोटा रास्ता अपनाया। खेत में काम कर रहे गुंडेराव ने देखा कि लड़की अकेली थी।

वह उसे खेत में घसीटकर ले गया और बार-बार उसका यौन शोषण किया। बाद में, उसने उसके सिर को पत्थर पर पटक दिया और उसके शव को पास के खेत में खुले कुएं में फेंक दिया। शिकायत के बाद, अलंद तालुक के निंबरगा पुलिस स्टेशन में एक प्राथमिकी दर्ज की गई। शिकायत में लगाए गए आरोपों की पुष्टि करते हुए, एक आरोप पत्र दायर किया गया।

न्यायाधीश (पॉक्सो विशेष) यमुनाप्पा बामनगी ने दोनों पक्षों को सुना, गवाहों की जांच की और आरोप पत्र में उल्लिखित अपराधों के लिए आरोपी को दोषी पाया। गुंडेराव को भारतीय दंड संहिता की धारा 363, 376 (एबी), 376 (2) (एन), 302 और 201 के तहत एक नाबालिग लड़की का अपहरण और बलात्कार करने और उसकी हत्या करने के लिए दोषी ठहराया गया। हाल ही में सुनाए गए अपने फैसले में न्यायाधीश ने आरोपी को यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम, 2012 की धारा 4 और 6 के तहत मृत्युदंड की सजा सुनाई और उस पर 1 लाख रुपये का जुर्माना लगाया।

निखिल कुमारस्वामी ने ऐतिहासिक स्थलों पर अनैतिक गतिविधियों को रोकने की मांग की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जेडीएस युवा विंग के प्रदेश अध्यक्ष निखिल कुमारस्वामी ने मांग की है कि राज्य भर में ऐतिहासिक स्थानों पर हो रही अनैतिक गतिविधियों को तुरंत रोका जाए और उनका उचित प्रबंधन किया जाए।

अपने एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि विजयनगर साम्राज्य की विरासत वाली इमारतें, जो कभी इतनी समृद्ध थीं कि सड़कों पर मोती और रत्न बेचे जाते थे, कर्नाटक में पर्यटन का मुख्य आकर्षण हैं। यह हमारे देश का अपमान है कि

हमारे देश के गौरव श्री कृष्णदेवराय की समाधि को सचमुच मांस बाजार में बदल दिया गया है। आज मीडिया में प्रसारित खबरों से न केवल इतिहासकार, बल्कि देश की जनता भी दुखी है। उन्होंने दुख व्यक्त करते हुए कहा कि यह वास्तव में खेदजनक है कि अनेगुंडी, हम्पी और अन्य पर्यटन स्थल उचित रखरखाव के बिना बदहाल हो रहे हैं। सरकार, जो मुफ्त बसों और मुफ्त बिजली के लिए धनराशि का समायोजन कर रही है, राज्य के पर्यटक आकर्षणों की उपेक्षा कर रही है, जो पर्यटन विभाग की अक्षमता को प्रदर्शित करता है। उन्होंने मांग की है कि संबंधित विभाग और अधिकारी राज्य के ऐतिहासिक स्थलों पर हो रही अनैतिक गतिविधियों को तुरंत रोकें।

कर्नाटक में भंडारण की समस्या के कारण प्याज किसान बेचने को मजबूर

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।
देश का दूसरा सबसे बड़ा प्याज उत्पादक होने के बावजूद, कर्नाटक लगातार भंडारण संकट का सामना कर रहा है जो किसानों और उपभोक्ताओं दोनों के लिए महंगा साबित हो रहा है। बंपर फसल के कारण इस सीजन में प्याज की कीमतों में भारी गिरावट आई है, लेकिन पर्याप्त भंडारण सुविधाओं की कमी के कारण किसान मजबूरी में प्याज बेच रहे हैं, जबकि कम उत्पादन वाले महीनों में खुदरा कीमतें बढ़ रही हैं। बेंगलूरु में थोक प्याज की कीमतें 14 से 21 रुपये प्रति किलोग्राम के बीच गिर गई हैं, जबकि खुदरा कीमतें 25-28 रुपये के आसपास हैं। आमतौर पर, प्याज औसतन 40 रुपये प्रति किलोग्राम पर बेचा जाता है, और कम उत्पादन वाले अक्टूबर-नवंबर की अवधि के दौरान कीमतें 100

रुपये तक बढ़ जाती हैं। 38.91 लाख टन के वार्षिक उत्पादन के साथ, कर्नाटक प्याज उत्पादन में महाराष्ट्र के बाद दूसरे स्थान पर है। फिर भी राज्य का भंडारण बुनियादी ढांचा निराशाजनक है - मौजूदा केंद्रीय सुविधाओं में केवल 3.75 लाख टन ही रखा जा सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि इससे छोटे और सीमांत किसान रबी और ग्रीष्मकालीन प्याज की फसल उगाने से हतोत्साहित हो रहे हैं, जो उच्च उपज वाली और रोग से कम प्रभावित होती हैं, और मानसून की फसल की तुलना में लंबे समय तक संग्रहीत की जा सकती हैं। बेंगलूरु के आलू-प्याज व्यापारी संघ के सचिव बी रविशंकर के अनुसार, हर जिले में 10,000 टन की क्षमता वाली कम से कम एक केंद्रीय भंडारण सुविधा होने से किसानों को रबी प्याज उगाने और कम उत्पादन वाले मौसम के दौरान कीमतों को स्थिर करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा खेती के लिए अनुकूल परिस्थितियों के बावजूद, कर्नाटक आंतरिक मांग को पूरा करने में विफल रहता है। महाराष्ट्र उस कमी को पूरा करने के लिए आगे आ रहा है। विजयपुरा, गदग, बल्लारी, कोप्पल, धारवाड़, बेलगावी, चित्रदुर्ग और कोलार जैसे शुष्क भूमि वाले जिले प्रमुख प्याज उत्पादक हैं। हालांकि, उनमें से कोई भी बड़े पैमाने पर भंडारण सुविधाओं से सुसज्जित नहीं है। विजयपुरा बागवानी उपनिदेशक राहुल कुमार बी ने कहा कि जिले के 55,000 प्याज किसानों में से केवल 2,500 के पास राष्ट्रीय बागवानी मिशन (एनएचएम) के तहत निर्मित निजी भंडारण शेड (25 टन क्षमता) हैं। उन्होंने कहा बेहतर भंडारण सुविधा के साथ, उत्पादन निश्चित रूप से बढ़ सकता है।

चुनाव आयोग ने खारिज किए राहुल गांधी के आरोप

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी भले ही महाराष्ट्र चुनाव को लेकर निर्वाचन आयोग पर सवाल उठा रहे हों पर हकीकत यह है कि राज्य में मतदाता सूची पुनरीक्षण के बाद संशोधन के बहुत कम आवेदन मिले थे। यही कारण है कि चुनाव आयोग ने मतदाता सूची पर नेता प्रतिपक्ष की ओर से उठाए गए सवालों को खारिज करते हुए कहा कि महाराष्ट्र में मतदाता सूची में पुनरीक्षण के बाद संशोधन के लिए सिर्फ 89 अपीलें दाखिल की गई हैं। यदि सूची में गड़बड़ होती, तो बड़ी संख्या में संशोधन के आवेदन मिलते लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

आयोग के अधिकारियों ने सोमवार को मीडिया को मतदाता सूची से जुड़े आंकड़े जारी किए। इसमें आयोग ने कांग्रेस की शिकायतों और अपने बिंदुवार जवाब को भी शामिल किया है। आयोग ने कांग्रेस को भेजे जवाब में कहा है, 6-7 जनवरी 2025 को प्रकाशित विशेष पुनरीक्षण सूची में जनप्रतिनिधित्व कानून (आरपी अधिनियम) के तहत कोई पहली या दूसरी अपील नहीं की गई। न ही मतदाता सूची या समावेशन की किसी प्रविष्टि में सुधार किया गया। विशेष पुनरीक्षण में मतदाता सूची की समीक्षा और उसका मसौदा जारी करना शामिल होता है। इसका मकसद नए मतदाता जोड़कर पारदर्शी मतदान प्रक्रिया बनाए रखना है। इसमें 18 साल के हो चुके लोग या अपना निर्वाचन क्षेत्र बदलने वाले शामिल हैं। विशेष पुनरीक्षण के दौरान डुप्लिकेट और मृत मतदाताओं को हटाया भी जाता है। आयोग ने कहा, देश भर में मतदाता सूची का काम देखने वाले 13,857,359 बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) थे और महाराष्ट्र में इनकी संख्या 97,325 थी। इसके बावजूद मतदाता सूची में बदलाव के लिए महाराष्ट से सिर्फ 89 अपील आई। ऐसे में जनवरी, 2025 में विशेष पुनरीक्षण पूरा होने के बाद जो मतदाता सूची प्रकाशित की गई वहीं अंतिम मानी जाएगी। इसे मानने के सिवा राजनीतिक दलों के पास कोई विकल्प नहीं है।

चुनाव आयोग ने कहा, आरपी अधिनियम 1950 की धारा 24 को 20 सितंबर, 1961 को जोड़ा गया था, जो वर्तमान मुख्य चुनाव आयुक्त के जन्म से बहुत पहले की बात है। अगर कोई कहता है कि जिस मतदाता सूची के आधार पर मतदान हुआ है वह सही नहीं है, तो इसका अर्थ है कि उन्हें 1961 में सरकार की ओर से प्रस्तावित और 1961 में संसद से पारित कानून की कोई परवाह नहीं है।

राजनीतिक विशेषज्ञों का कहना है कि कुछ महीनों में बिहार और अन्य राज्यों में चुनाव होने वाले हैं, इसलिए विपक्षी दल इस मुद्दे को हवा दे रहे हैं। राहुल गांधी ने जानबूझकर अमेरिका में यह मुद्दा उछाला ताकि इसे मीडिया में जगह मिल सके। आने वाले दिनों में यह मुद्दा चर्चा में बना रहेगा। आयोग ने पिछले दिनों कई बार कहा है कि ईपीआईसी नंबरों के दोहराव का मतलब डुप्लीकेट या फर्जी मतदाता नहीं है। वह अपने तर्क पर कायम है और अपनी बात को साबित करने के लिए लगातार डेटा जारी कर रहा है।

फर्जी कंपनियों ने फ्रॉड से पास कराए 61545 करोड़ के आईटीसी

25,009 फर्जी फर्म उजागर, 168 जालसाज गिरफ्तार

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय-राज्य जीएसटी अधिकारियों ने वित्त वर्ष 2024-25 में 61,545 करोड़ रुपए के इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) को धोखाधड़ी से पास करने में शामिल 25,009 फर्जी फर्मों का पता लगाया है। इस अवधि में आईटीसी को रोक कर कुल 1,924 करोड़ वसूले गए और 168 लोगों को गिरफ्तार किया गया।

केंद्रीय एवं राज्य जीएसटी अधिकारियों ने आईटीसी धोखाधड़ी के जो मामले पकड़े, उनमें दो वित्त वर्षों 2023-24 और 2024-25 के दौरान 42,140 फर्जी कंपनियों का पता चला।इन कंपनियों ने 1.01 लाख करोड़ रुपए से अधिक की आईटीसी धोखाधड़ी की। इन दो वित्त वर्षों में आईटीसी को रोक कर कुल 3,107 करोड़ रुपए की वसूली की गई और 316 लोगों को गिरफ्तार भी किया गया। एक अधिकारी ने बताया, केंद्र और राज्य सरकारों व जीएसटीएन

(माल एवं सेवा कर नेटवर्क) ने फर्जी आईटीसी दावे रोकने के लिए कई कदम उठाए हैं।इसमें खुफिया जानकारी मुहैया कराना, फर्जी पंजीकरण का पता लगाना और संदिग्ध ई-वे बिल गतिविधियों को रोकना शामिल है। जीएसटी के तहत आईटीसी का मतलब आपूर्तिकर्ताओं से खरीद पर व्यवसायों की ओर से चुकाए गए करों से है। इसका दावा अंतिम रूप से टैक्स का भुगतान करते समय क्रेडिट या कटौती के रूप में किया जा सकता है।

कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय ने सोमवार को कहा, वह जेनसोल इंजीनियरिंग घोटाला मामले में कंपनी के खिलाफ सेबी के आदेश की समीक्षा करने के बाद आवश्यक कार्रवाई करेगा। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने पिछले सप्ताह कंपनी के प्रवर्तक बंधुओं अनमोल सिंह जग्गी और पुनीत सिंह जग्गी को विभिन्न मामलों के उल्लंघन के लिए प्रतिभूति बाजार से प्रतिबंधित कर दिया था। यह आदेश सूचीबद्ध कंपनी जेनसोल इंजीनियरिंग से कर्ज राशि को निजी उपयोग के लिए निकालने के आरोपों के बीच आया है। इसमें कॉरपोरेट प्रशासन व वित्तीय गड़बड़ियों पर चिंताएं जताई गई थी। मंत्रालय ने कहा, वह कंपनी अधिनियम-2013 के प्रावधानों को देखते हुए बाजार नियामक सेबी के आदेश की समीक्षा कर रहा है।इसके बाद आवश्यक कार्रवाईकी जाएगी।जेनसोल इंजीनियरिंग ने इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने के लिए इरेडा व पीएफसी जैसी संस्थाओं से 975 करोड़ का कर्ज लिया था। हालांकि, इसका सिर्फ एक हिस्सा ही इस उद्देश्य के लिए इस्तेमाल किया गया। बाकी पैसे प्रवर्तकों ने व्यक्तिगत इस्तेमाल पर खर्च किए, जिसमें लग्जरी अपार्टमेंट खरीदना भी शामिल है।

विकसित राष्ट्र के लिए खेती और पशुपालन को बढ़ाना होगा: शिवराज

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को कहा कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए खेती और पशुपालन की भूमिका को बढ़ाना होगा।

श्री चौहान ने हरियाणा के करनाल में आईसीएआर- राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान के 21वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि शोध और विकास में गांवों को जोड़ने की आवश्यकता है।

उन्होंने लखपति दीदी योजना का जिक्र करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तीन करोड़ लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य दिया है जिसके लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। श्री चौहान ने मंत्रालय की कई योजनाओं का जिक्र भी किया।

इस अवसर पर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी, स्थानीय विधायक एवं नेता, वरिष्ठ अधिकारी, वैज्ञानिक शिक्षक, छात्र और किसानों सहित कई लोग भी कार्यक्रम में शामिल हुए। श्री चौहान ने इस अवसर पर छात्रों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किये।

कार्यालय केवल एक भवन नहीं, कार्य का आलय होना चाहिए: डॉ. भागवत

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरकार्यवाह मोहन भागवत ने कहा है कि कार्यालय केवल एक भवन नहीं, कार्य का आलय होना चाहिए, क्योंकि जैसा कार्य होगा, वैसी ही परिषद बनेगी।

श्री भागवत ने यह बात मंगलवार को यहां अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) के राष्ट्रीय कार्यालय के उद्घाटन के मौके पर कही। यह अभाविप के 'अंतर राज्य छात्र जीवन दर्शन (एसईआईएल) का राष्ट्रीय कार्यालय होगा और विद्यार्थी के जीवन को प्रभावित करने वाले यशवंतराव केलकर के नाम पर 'यशवंत' रखा गया है।

कर्नाटक में 30 साल में 94% बढ़ी मुस्लिम आबादी

हिंदू लिंगायत बढ़े सिर्फ 8 प्रतिशत

बेंगलुरु, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। 1984 से 2015 के बीच कर्नाटक में मुस्लिम आबादी लगभग दोगुनी हो चुकी है। 30 वर्षों में राज्य में मुस्लिम आबादी 94 प्रतिशत बढ़ी है। मुस्लिमों की आबादी दोगुनी होने के चलते वह अब ओबीसी के भीतर सबसे बड़ा समूह बन गई है। इस अवधि में कर्नाटक के लिंगायत हिंदुओं की जनसंख्या में लगभग 8 प्रतिशत ही बढ़ोतरी हुई। यह सारे आंकड़े कर्नाटक में करवाए गए जातिगत जनगणना के सर्वे से सामने आए हैं। मुस्लिम कर्नाटक में दलितों के बाद सबसे बड़ा समूह हैं।

1984 में कर्नाटक के भीतर जातियों की संख्या पता लगाने के लिए किए गए वेंकटस्वामी कमीशन के सर्वे ने मुस्लिमों की आबादी 39.63 लाख थी और यह प्रदेश की जनसंख्या में 10.97 प्रतिशत का हिस्सा रखते थे। इसी सर्वे में सामने आया था कि कर्नाटक में वीराशैव-लिंगायत 61.14 लाख हैं और उनका राज्य की आबादी में 16.92 प्रतिशत है।

इसके अलावा वोक्कालिगा समुदाय की आबादी 42.19 लाख बताई गई थी और उनका राज्य की जनसंख्या में हिस्सा तब 11.68 प्रतिशत था। 1984 के सर्वे में राज्य की दलित आबादी 57.31 लाख बताई गई थी। दलितों का राज्य की आबादी में हिस्सा लगभग 16 प्रतिशत था।

2015 के सर्वे में यह स्थितियाँ पूरी तरह से बदल चुकी हैं। इस सर्वे से सामने आया है कि 1984 से 2015 के बीच कर्नाटक में मुस्लिम आबादी लगभग दोगुनी हो चुकी है। इस सर्वे के अनुसार, 2015 में मुस्लिम आबादी 76.9 लाख थी। यानि इन 30 वर्षों में राज्य में मुस्लिम आबादी 94 प्रतिशत बढ़ी है। इसी बीच लिंगायतों की आबादी मात्र 8.50 प्रतिशत बढ़ी जबकि वोक्कालिगा इस दौरान 46 प्रतिशत बढ़ पाए। मुस्लिमों की आबादी दोगुनी होने के चलते वह अब ओबीसी के भीतर सबसे बड़ा समूह हैं। उनका आरक्षण भी इस सर्वे में 4 प्रतिशत से बढ़ा कर 8 प्रतिशत करने की सिफारिश की गई है।

इसी सर्वे के अनुसार, राज्य की कुल आबादी में मुसलमानों की हिस्सेदारी 18.08 प्रतिशत है, जो 2011 की जनगणना में 12.92 प्रतिशत बताई गई थी। सर्वे का यह आंकड़ा 2015 का है। ऐसे में 4 साल में मुस्लिम आबादी की हिस्सेदारी कर्नाटक में 5.16 प्रतिशत बढ़ गई। रिपोर्ट में उनका आरक्षण बढ़ाने की सिफारिश के पीछे राज्य में ओबीसी की हिस्सेदारी सबसे अधिक होना कारण बताया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि राज्य में कुल आबादी में ओबीसी की हिस्सेदारी 69.60 प्रतिशत है, ऐसे में उन्हें जनसंख्या के आधार पर आरक्षण मिलना चाहिए।

इस सर्वे ओबीसी आरक्षण 32 प्रतिशत से बढ़ाकर 51 प्रतिशत करने की सिफारिश की गई है। यह सिफारिश अगर मानी जाती हैं, तो राज्य में कुल आरक्षण 85 प्रतिशत हो जाएगा। इस 85 प्रतिशत में 51 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण होगा जबकि 24 प्रतिशत आरक्षण अनुसूचित जातियों और जनजातियों के लिए रहेगा। इसके अलावा 10 प्रतिशत आरक्षण आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग यानि ईडब्लूएस को पहले की तरह मिलता रहेगा। ध्यान देने योग्य बात यह है कि पिछड़ा वर्ग आयोग ने ओबीसी और मुस्लिम आरक्षण को बढ़ाने की सिफारिश तो की है लेकिन एससी-एसटी तथा ईडब्लूएस आरक्षण को पहले की तरह ही रखने की बात कही है।

कांग्रेस के अंदर ही अब 2015 के सर्वे का विरोध हो रहा है। कर्नाटक के उद्योग मंत्री एमबी पाटिल का कहना है कि कैबिनेट में सात लिंगायत मंत्री हैं और हम सभी एक साथ हैं। वहीं, वोक्कालिगा समुदाय के कई नेता और संत भी इस रिपोर्ट का खुलकर विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि उनकी जनसंख्या को कम आँककर उनके साथ अन्याय किया गया है। मंड्या से कांग्रेस विधायक रविकुमार गौड़ा (गनीगा) का कहना है कि रिपोर्ट में वोक्कालिगा समुदाय की संख्या कम बताई गई है। ये रिपोर्ट सार्वजनिक की जानी चाहिए।

भारत-अमेरिका के बीच व्यापारिक समझौते को जल्द दिया जायेगा अंतिम रूम : वेंस

जयपुर, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेम्स डेविड वेंस ने कहा है कि अमेरिका भारत के साथ टेक्नलॉजी, ऊर्जा, स्वास्थ्य, रक्षा और इनोवेशन जैसे क्षेत्रों में सहयोग को और विस्तार देना चाहते है और जल्द ही दोनों देशों के बीच व्यापारिक समझौते को अंतिम रूप दे दिया जाएगा।

श्री वेंस मंगलवार को यहां बिजनेस समिट को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने पर ज़ोर देते हुए कहा कि यह अमरीका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सोच का परिणाम है कि दोनों देश आज एक मजबूत रोडमैप की दिशा में बढ़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि गत फरवरी में दोनों नेताओं की मुलाकात में कई द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा हुई और जल्द ही दोनों देशों के बीच व्यापारिक समझौते को अंतिम रूप दे दिया जाएगा।

उन्होंने श्री मोदी को बेहद टफ नेगोशिएटर बताते हुए कहा हैं कि वह भारतीय इंडस्ट्री के लिए मजबूती से खड़े रहते हैं और देशहित को प्राथमिकता देते हैं।

उन्होंने कहा कि अमेरिका भारत के साथ सैन्य अभ्यास करता है और अत्याधुनिक तकनीकों का आविष्कार करने के लिए हम मिलकर काम कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि भारत इस साल क्वाड शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है और स्वतंत्र, खुले, शांतिपूर्ण और समृद्ध हिंद-प्रशांत क्षेत्र में हमारे हित पूरी तरह से सरंखित हैं। उन्होंने भारत की सांस्कृतिक धरोहर की सराहना करते हुए भारत-अमेरिका के मजबूत रिश्तों को और आगे ले जाने की प्रतिबद्धता जाहिर की। उन्होंने कहा कि भारत की वास्तुकला, इतिहास और परंपराएं अद्भुत हैं लेकिन उससे भी अधिक भारत का भविष्य को लेकर जो नजरिया है, वह उन्हें बहुत प्रेरित करता है। उन्होंने भारत की प्रशंसा करते हुए कहा कि यहां एक अनूठी जीवंतता एवं अनंत संभावनाओं का अहसास है। भारतीय होने का गर्व और भविष्य के प्रति उत्साह यहां हर कदम पर नजर आ रहा है।

वेंस ने पहलगाम हमले के पीड़ितों के प्रति संवेदना व्यक्त की

जयपुर, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका के उप राष्ट्रपति जेडी वेंस ने जम्मू कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को पर्यटकों पर आतंकवादी हमले की निंदा करते हुए पीड़ितों के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

श्री वेंस ने आतंकवादी हमले के बारे में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सोशल मीडिया पर पोस्ट के जवाब में एक्स पर अपनी पोस्ट में कहा , उषा और मैं भारत के पहलगाम में हुए विनाशकारी आतंकवादी हमले के पीड़ितों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं। पिछले कुछ दिनों में, हम इस देश और इसके लोगों की खूबसूरती से अभिभूत हो गए हैं। इस भयानक हमले में हमारे विचार और प्रार्थनाएँ उनके साथ हैं। अमेरिकी उप राष्ट्रपति इन दिनों भारत की यात्रा पर आये हुए है।

राहुल गांधी की रोहित वेमुला नीति की सियासत फर्जी

क्लोजर रिपोर्ट में खुलासा: दलित नहीं था रोहित वेमुला

हैदराबाद, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को पत्र लिखा है। इस पत्र में राहुल ने कर्नाटक में रोहित वेमुला एक्ट नाम से एक कानून बनाने की अपील की है। राहुल का कहना है कि इस कानून का उद्देश्य शिक्षा प्रणाली में जातिगत भेदभाव को खत्म करना है। अपने पत्र में राहुल ने डॉ. भीमराव अंबेडकर के साथ हुए भेदभाव के बारे में भी लिखा है। इस पत्र को राहुल ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है। राहुल ने लिखा, मैं कर्नाटक सरकार से रोहित वेमुला अधिनियम लागू करने की अपील करता हूं।

जबकि बीते साल तीन मई को तेलंगाना पुलिस ने तेलंगाना हाइकोर्ट को एक क्लोजर रिपोर्ट सौंपी थी जिसमें यह साफ तौर पर लिखा था कि रोहित दलित नहीं था बल्कि उसने अपनी असली जाति के उजागर होने के डर से आत्महत्या की थी। कई लोगों का मानना है कि हैदराबाद यूनिवर्सिटी में 17 जनवरी 2016 को जातिगत भेदभाव के कारण पीएचडी छात्र रोहित वेमुला ने आत्महत्या कर ली थी। 19 अप्रैल 2025 को कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने राहुल गांधी को बताया कि उन्होंने रोहित वेमुला एक्ट के लिए ड्राफ्ट बनाने के निर्देश दे दिए हैं।

रोहित की मौत के बाद राहुल गांधी समेत विपक्ष के कई नेताओं ने उसे दलित विद्यार्थी का चेहरा देकर उसकी आत्महत्या को हत्या का रूप देने की कोशिश की। सच्चाई को उजागर करने में किसी की दिलचस्पी नहीं थी। इसके बजाय इसे एक सियासी अवसर के रूप में देखा। रोहित वेमुला की मौत को वोटों की ख़ातिर दलितों और गैर-दलितों को बांटने वाले राजनीतिक मुद्दे में बदल दिया गया। प्रशासन की रिपोर्ट ने विपक्ष का झूठ उजागर कर दिया।

आयुष्मान भारत में सूचीबद्ध अस्पतालों में उपचार करा सकेंगे ईएसआइ के लाभार्थी

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) के लाभार्थी केंद्र सरकार की स्वास्थ्य बीमा योजना आयुष्मान भारत- प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में सूचीबद्ध अस्पतालों में भी उपचार करा सकेंगे और इसके लिए खर्च की कोई सीमा नहीं होगी।

मंत्रालय ने मंगलवार को यहां बताया कि ईएसआईसी का आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के साथ एकीकृत किया जा रहा है। इससे ईएसआईसी के 14.4 करोड़ से अधिक लाभार्थियों को समग्र और नकदी रहित चिकित्सा सुविधा प्राप्त हो सकेगी। ईएसआईसी के लाभार्थी अब आयुषमान भारत योजना में सूचीबद्ध अस्पतालों में अपना उपचार करवा सकेंगे। लाभार्थियों के लिए खर्च की कोई सीमा नहीं होगी और इसे पूरी तरह से केंद्र सरकार वहन करेगी। उन्होंने बताया कि वर्ष 2014 में ईएसआईसी योजना देश के 393 जिलों में लागू थी, जो अब बढ़कर 691 जिलों में लागू हो गई है।

माफिया अनुपम और परिजनों की 9.83 करोड़ की 13 सम्पत्तियां कुर्क

फर्रुखाबाद, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। माफिया अनुपम दुबे और उसके परिजनों की तीन जिलों में 9.83 करोड़ रुपए की 13 सम्पत्तियां कुर्क कर ली गई। सदर तहसीलदार श्रद्धा पांडेय की अगुवाई में ढुइया, फतेहगढ़ में कार्रवाई की गई। मैनपुरी के भोगांव और हरदोई के सवायजपुर में भी कुर्की की कार्रवाई हुई।

सदर तहसीलदार श्रद्धा पांडेय सोमवार को दोपहर राजस्व कर्मियों और थाना मऊदरवाजा थाना थानाध्यक्ष बलराज भाटी, सदर कोतवाल राजीव पांडेय के साथ मोहल्ला ढुइया पहुंचीं। वहां डुगडुगी पिटवाई गई। इसके बाद कुर्की की कार्रवाई पूरी की गई। यहां बने करीब 12 मकानों को कुर्क किया। इस जमीन की कीमत 1.64 करोड़ रुपए आंकी गई है। इसके बाद राजस्व कर्मी फतेहगढ़ के मोहल्ला दालमंडी पहुंचे। वहां 550 वर्गमीटर भूभाग को कुर्क किया। इसकी कीमत 1.34 करोड़ बताई गई। मोहल्ला मछली टोला में भी कुर्की कार्रवाई की गई। कोतवाली मोहम्मदाबाद क्षेत्र में भी कुर्की हुई। अनुपम सहित परिवारी जनों की छह सम्पत्तियों को यहां से कुर्क की गईं हैं।

थानाध्यक्ष बलराज भाटी ने बताया कि हरदोई प्रशासन ने सवायजपुर में 1.94 करोड़, मैनपुरी प्रशासन ने भोगांव थाने के नवीगंज में दो स्थानों पर 2.30 करोड़ की सम्पत्ति कुर्क की है। इसकी कीमत 9.83 करोड़, 12 लाख 166 रुपए है। ढुइया में बने मकानों में रह रहे लोगों को आठ दिन में खाली करने का नोटिस दिया है। फर्रुखाबाद के ढुइया में बने करीब 12 मकानों के मालिकों को नोटिस मिलने के बाद परेशान हो गए। उन्होंने 10 साल पहले पक्कापुल निवासी महिला और पुरुष से बैनामे कराए थे। दोपहर बाद तहसीलदार के साथ मऊदरवाजा थाना पुलिस पहुंची, तो लोग दहशत में आ गए।

पुलिस ने डुगडुगी पिटवाई। इसमें कहा कि यह सम्पत्ति माफिया अनुपम दुबे की है। इस पर जो भी मकान बने हैं, उन्हें आठ दिन में खाली कर दिया जाए। अन्यथा पुलिस कार्रवाई करेगी। यह सुनकर लोग परेशान हो गए। बड़ी संख्या में महिला-पुरुष व बच्चे घरों से निकल आए। उन्होंने कार्रवाई को अन्यायपूर्ण बताया। संजीव चौरसिया ने बताया कि यह जमीन पहले किसकी थी, इसकी उन्हें कोई जानकारी नहीं थी। 10 साल पहले खरीदकर मकान बनवा लिए। अब वह लोग बच्चों को लेकर कहां जाएंगे।

मजदूर का बेटा शकील अहमद बना आईपीएस

शाहजहांपुर, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। हौसले बुलंद हों तो सपने भी सच हो जाते हैं। ऐसी ही कहानी शाहजहांपुर के तिलहर कस्बा के इमली मोहल्ले निवासी शकील अहमद की है, जिनके पिता कभी अपने बच्चों को पालने के लिए मजदूरी करते थे। आज बेटे ने आईपीएस बनकर बुलंदी के शिखर को छुआ है। शकील ने यूपीएससी में 506 रैंक हासिल की है। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने मंगलवार को सिविल सेवा परीक्षा 2024 का अंतिम परिणाम घोषित किया तो शकील के परिवार में जश्न का माहौल हो गया।

हाजी तसब्बर हुसैन के छह बेटे और तीन बेटियां हैं। बड़ा परिवार होने के चलते तसब्बर कभी पोटरगंज मंडी में पल्लेदारी किया करते थे। धीरे-धीरे बेटे बड़े हुए और परिवार की जिम्मेदारी अपने ऊपर ले ली। परिवार बैटरी का कारोबार करता है। शकील के भाई सगीर ने बताया कि पूरे परिवार का सपना था कि उन लोगों में से कोई एक पढ़-लिखकर बड़ा मुकाम हासिल करे। सभी भाई-बहन ने पढ़ाई तो की लेकिन सबसे होशियार शकील ही था। इसी वजह से उसकी पढ़ाई कराने में सभी ने ताकत लगा दी। कक्षा आठ तक की पढ़ाई शकील ने तिलहर के कैंब्रिज स्कूल से की। इसके बाद नौंवी और दसवीं की पढ़ाई शाहजहांपुर के तक्षशिला पब्लिक स्कूल से की। अलीगढ़ में रहकर 12वीं की परीक्षा पास की। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी से बीटेक की पढ़ाई करने के बाद शकील दिल्ली चले गए।

शकील जामिया कैंपस में रहकर यूपीएससी की तैयारी करने लगे। शकील को चौथे प्रयास में सफलता मिली है। दो बार मेंस और एक बार इंटरव्यू में फेल होने के बावजूद शकील ने हार नहीं मानी। चौथे प्रयास में उन्हें आईपीएस बनने में सफलता मिली है। शकील ने दिल्ली से जब फोन पर परिवार को बताया कि वह आईपीएस बन गए हैं तो परिजनों की आंखों में आंसू छलक आए। जैसे ही जानकारी लोगों को हुई तो परिवार को बधाई देने वालों को तांता लग गया। सगीर ने बताया कि शकील हमेशा से देश की सेवा करना चाहता था। आज उसका सपना सच हुआ है।

सिविल सेवा परीक्षा का अंतिम परिणाम जारी

प्रयागराज की शक्ति दुबे ने किया टॉप

प्रयागराज, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने 22 अप्रैल 2025 को सिविल सेवा परीक्षा 2024 का अंतिम परिणाम घोषित कर दिया है। इस प्रतिष्ठित परीक्षा में प्रयागराज की शक्ति दुबे ने प्रथम रैंक हासिल कर शहर और देश का नाम रौशन किया है। इस साल कुल 1,009 उम्मीदवारों को भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस), भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस), भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) और अन्य केंद्रीय सेवाओं (ग्रुप-ए और ग्रुप-बी) के लिए चुना गया है।

शक्ति दुबे ने पहला स्थान हासिल किया, जबकि हर्षिता गोयल ने दूसरा और डोंगरे अर्चित पराग ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। शाह मार्गी चिराग (4), आकाश गर्ग (5), कोमल पुनिया (6), आयुषी बंसल (7), राज कृष्ण झा (8), आदित्य विक्रम अग्रवाल (9) और मयंक त्रिपाठी (10) शीर्ष 10 में शामिल हैं। 1,132 रिक्तियों के मुकाबले 1,009 उम्मीदवारों को चुना गया है। इसमें 335 सामान्य वर्ग, 109 ईडब्लूएस, 318 ओबीसी, 160 एससी, 87 एसटी और 45 दिव्यांग उम्मीदवार शामिल हैं। 241 उम्मीदवारों का परिणाम अस्थायी रखा गया है।

प्रयागराज की शक्ति दुबे ने अपनी कड़ी मेहनत और समर्पण से यूपीएससी 2024 में टॉप कर इतिहास रचा है। शक्ति दुबे ने इलाहाबाद यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएशन करने के बाद बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी से बायोकैमेस्ट्री में एमएससी की है। 2018 में पोस्ट ग्रेजुएट होने के बाद शक्ति दुबे ने सिविल सेवा परीक्षाओं की तैयारी शुरू कर दी। उनकी इस उपलब्धि ने न केवल उनके परिवार और शहर को गौरवान्वित किया है, बल्कि लाखों यूपीएससी अभ्यर्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत भी बनी हैं। शक्ति की सफलता पर सोशल मीडिया पर बधाइयों का तांता लगा हुआ है।

पिता इंस्पेक्टर, चाचा कांस्टेबल, बेटा बना आईपीएस

अभिनव शर्मा ने हासिल की 130वीं रैंक

बरेली, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने मंगलवार को सिविल सेवा परीक्षा 2024 का अंतिम परिणाम घोषित कर दिया। इसमें अभिनव शर्मा ने 130वीं रैंक प्राप्त की है। मूल रूप से बदायूं के निवासी अभिनव शर्मा बरेली के बदायूं रोड स्थित साउथ सिटी में रहते हैं। उनके पिता यूपी पुलिस में इंस्पेक्टर हैं।

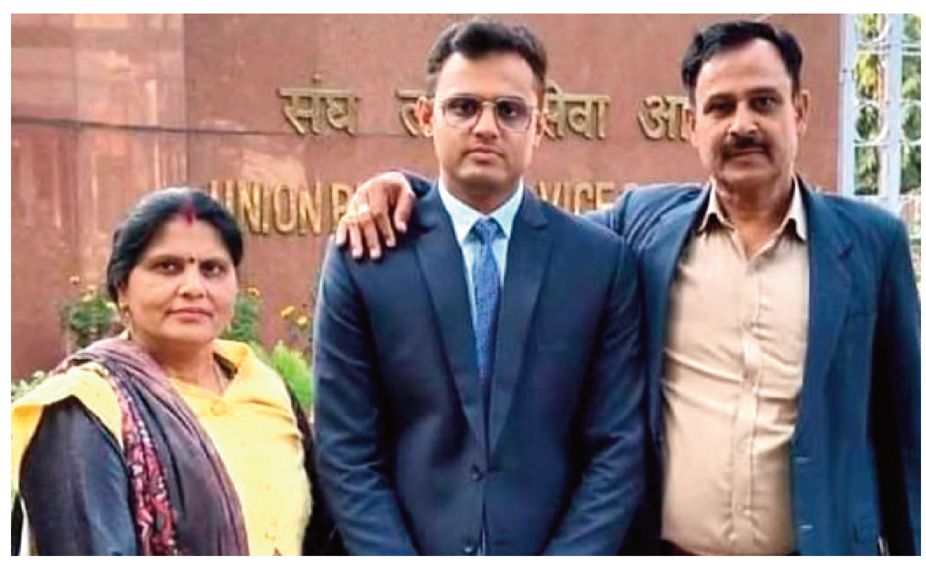

मूलरूप से बदायूं के दातागंज के गांव पढ़ेली के रहने वाले अभिनव शर्मा ने चौथे प्रयास में 130वीं रैंक प्राप्त कर आईपीएस बनने के अपने सपने को साकार किया है। वह बरेली के बदायूं रोड स्थित साउथ सिटी में माता शालिनी शर्मा के साथ रहकर तैयारी कर रहे थे। अभिनव ने बिना कोचिंग में यह सफलता हासिल की है। मंगलवार को रिजल्ट घोषित होने के बाद सोशल मीडिया के साथ ही उनके घर पहुंचकर उनको बधाई देने वालों का तांता लग गया।

अभिनव शर्मा के पिता रमेश चंद्र शर्मा देहली गेट मेरठ में प्रभारी निरीक्षक के पद पर तैनात हैं। चाचा अवधेश कांस्टेबल हैं। हार न मानने व अपने सपने को सच करने के जज्बे के कारण ही अभिनव ने इस मुकाम को हासिल किया है। अभिनव ने बताया कि पिता की पोस्टिंग के कारण उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा मुरादाबाद से पूरी की। इसके बाद उन्होंने आईआईटी पटना से सिविल इंजीनियरिंग से बीटेक किया। उन्होंने बताया कि बचपन से ही पिता को पुलिस की वर्दी में देखने के कारण खुद को भी एक दिन इसी वर्दी में देखने का सपना देखा था। उन्होंने साल 2020 में इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी की। इसके बाद अपना सपना पूरा करने में जुट गए। उन्होंने सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी शुरू की। पहले प्रयास में वह प्री क्लियर नहीं कर सके। हार न मानते हुए उन्होंने दोबारा प्रयास शुरू किया और 2022 में साक्षात्कार तक पहुंचे।

अभिनव ने साल 2023 में अपने तीसरे प्रयास में परीक्षा पास कर इंडियन पोस्टल सर्विस में जगह बनाई, लेकिन इससे भी उनका मन नहीं माना। उन्होंने आईपीएस बनने के अपने सपने को सच करने के लिए दोबारा प्रयास किया। सिविल सेवा परीक्षा 2024 में उन्होंने 130वीं रैंक प्राप्त की। अभिनव ने बिना कोचिंग के परीक्षा की तैयारी की। उन्होंने बताया कि दो बार असफल होने के बाद आईपीएस बनने के सपने को छोड़ने का भी मन किया, लेकिन फिर प्रयास कर खुद को साबित करने की जिद ने आखिरकार जीत दिला दी।

मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना ने रचा इतिहास

यूपीएससी में 13 होनहारों ने लहराया परचम

सीएम योगी ने सभी सफल अभ्यर्थियों को दी बधाई

लखनऊ, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दूरदर्शी पहल मुख्यमंत्री अभ्युदय कोचिंग योजना ने एक बार फिर अपने प्रभावशाली परिणामों से सबका ध्यान खींचा है। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की सिविल सेवा परीक्षा 2024 के फाइनल रिजल्ट में इस योजना से पढ़ाई करने वाले 13 मेधावी छात्र-छात्राओं ने सफलता प्राप्त कर उत्तर प्रदेश का मान बढ़ाया है।

मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना उत्तर प्रदेश के गरीब और वंचित वर्ग के छात्रों के लिए एक मील का पत्थर साबित हो रही है। यह योजना छात्रों को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा और कोचिंग प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनने की दिशा में सशक्त कर रही है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की इस दूरदर्शी पहल से राज्य के हजारों छात्र-छात्राओं के सपने साकार हो रहे हैं और वे अपने उज्ज्वल भविष्य की दिशा में अग्रसर हो रहे हैं। प्रदेश के समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित इस योजना से जुड़कर छात्र-छात्राएं प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए अभ्युदय कोचिंग के सेंटर्स में पढ़ाई की और अब यूपीएससी के सिविल सेवा परीक्षा 2024 में 13 होनहारों की कामयाबी सीएम योगी के उद्देश्य की सशक्त मिसाल बनकर सामने आई है।

प्रदेश के सभी 75 जिलों में अभ्युदय कोचिंग के 166 सेंटर्स संचालित हैं। इन सेंटर्स में पढ़ाई कर शगुन कुमार ने सिविल सेवा परीक्षा 2024 में 100वीं रैंक हासिल किया है इन्होंने हापुड़ सेंटर से पढ़ाई की, जबकि मयंक बाजपेई (सीतापुर) को 149वीं रैंक मिली। आयुष जायसवाल (बरेली) ने 178वीं और अदिति दुबे (लखनऊ) ने 180वीं रैंक के साथ सफलता अर्जित की। सौम्या शर्मा (प्रतापगढ़) ने 218वीं रैंक, प्रतीक मिश्रा (प्रयागराज) ने 234वीं और आंचल आनंद (गौतमबुद्ध नगर) ने 399वीं रैंक प्राप्त कर प्रदेश का नाम रौशन किया। इसके अलावा अश्वनी शुक्ला (जालौन) ने 423वीं, उदित कुमार सिंह(प्रयागराज) ने 668वीं, दिशा द्विवेदी (लखनऊ) ने 672वीं, मनीष कुमार (लखनऊ) ने 748वीं, हिमांशु मोहन (अयोध्या) ने 821वीं तथा नैन्सी सिंह (लखनऊ) ने 970वीं रैंक हासिल कर मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना की सफलता को नई ऊंचाई दी।

इन अभ्यर्थियों की सफलता मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उस सोच का प्रमाण है, जिसमें प्रतिभा को संसाधनों की कमी के आगे झुकने नहीं दिया जाता। मुख्यमंत्री अभ्युदय कोचिंग योजना न सिर्फ एक शैक्षणिक मंच है, बल्कि यह प्रदेश के युवाओं के सपनों को पंख देने वाली क्रांतिकारी पहल बन चुकी है। समाज कल्याण मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण से बताया कि योगी सरकार गरीब व वंचित वर्ग के प्रतिभाशाली बच्चों को आगे बढ़ाने के लिए प्रयासरत है। मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना उसी प्रयास प्रयास का परिणाम है। उन्होंने यूपीएससी सिविल सर्विसेज में सफल सभी अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं देते हुए बताया कि अभ्युदय योजना के तहत संचालित कोचिंग सेंटर्स में 280 अभ्यर्थी पीसीएस मेंस की परीक्षा देने की तैयारी कर रहे हैं। आगे इस कोचिंग में सुविधाओं और व्यवस्थाओं का विस्तार किया जाएगा।

समाज कल्याण विभाग के निदेशक कुमार प्रशांत ने योजना की सफलता पर खुशी जाहिर की है। सिविल सेवा में चयनित अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अभ्युदय कोचिंग योजना का उद्देश्य है कि प्रदेश के दूर-दराज़ और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के प्रतिभाशाली युवाओं को भी वही अवसर मिले जो बड़े शहरों में उपलब्ध होते हैं। आज हमारे 13 बच्चों का यूपीएससी जैसी प्रतिष्ठित परीक्षा में चयन होना इस बात का प्रमाण है कि यदि सही मार्गदर्शन और संसाधन दिए जाएं तो कोई भी मंज़िल दूर नहीं। यह हम सभी के लिए गर्व का क्षण है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा-2024 में सफल सभी अभ्यर्थियों और उनके अभिभावकों को बधाई दी। सोशल मीडिया पर पोस्ट के जरिए सीएम योगी ने कहा कि प्रतियोगिता में शीर्ष स्थान प्राप्त कर हम सभी का मानवर्धन करने वाली प्रदेश की बेटी शक्ति दुबे को बहुत-बहुत बधाई। सीएम योगी ने कहा कि पूर्ण विश्वास है कि आप सभी राष्ट्र प्रथम के संकल्प, प्रखर लोकनिष्ठा एवं अटूट सेवा भावना के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर विकसित भारत के निर्माण में सहायक सिद्ध होंगे। उन्होंने सभी सफल अभ्यर्थियों के स्वर्णिम भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण का अखिलेश यादव पर तीखा वार

सत्ता में थे तो दलितों का अपमान करते थे अखिलेश

लखनऊ, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार में समाज कल्याण मंत्री और पूर्व आईपीएस अधिकारी असीम अरुण ने समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोलते हुए उन्हें बांटने वाली राजनीति का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव ने सत्ता रहते दलितों का अपमान करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। ऐसी राजनीति की वजह से ही जनता ने उन्हें पूरी तरह नकार दिया और वे आज राजनीतिक हाशिए पर पहुंच गए हैं। उन्होंने अखिलेश यादव के बयान पर पलटवार करते हुए इसे सोची-समझी रणनीति बताया। उन्होंने कहा कि सपा के ज्यादातर लोगों को निर्देश दिए गए हैं कि दूध में नींबू डालने का काम करो, यानी समाज को बांटो और जहर घोलो। लेकिन अब उत्तर प्रदेश की जनता जागरूक है। योगी जी का स्पष्ट संदेश है कि बंटोगे तो कटोगे, एक रहोगे तो सेफ रहोगे। सरकार सबको साथ लेकर चल रही है।असीम अरुण ने कहा कि समाजवादी पार्टी का दलित प्रेम सत्ता से बाहर होने के बाद ही जागा है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब अखिलेश यादव मुख्यमंत्री थे, तब उन्होंने दलित महापुरुषों के नाम पर बने जिलों और संस्थानों के नाम बदल दिए। भीम नगर, महामाया नगर, ज्योतिबा फुले, संत रविदास, यहां तक कि भगवान बुद्ध की माता महामाया जी के नाम पर कलम चला दी। क्या यह सम्मान है? नहीं, यह सामाजिक चेतना का अपमान है। पूर्व आईपीएस अधिकारी होने के नाते असीम अरुण ने पुलिस पोस्टिंग को लेकर भी बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि सपा शासन में अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग के अधिकारियों को नियम के बावजूद थानों और तहसीलों में पोस्टिंग नहीं दी जाती थी। उन्होंने कहा कि जब उनके हाथ में पावर थी, तब दलितों के हक मारे गए। लेकिन आज पोस्टिंग काबिलियत के आधार पर हो रही है। जो निकम्मे हैं उन पर कार्रवाई हो रही है, और जो मेहनती हैं उन्हें प्रशिक्षण और संसाधन मिल रहा है। मंत्री असीम अरुण ने कहा कि उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में छात्रवृत्ति वितरण के क्षेत्र में ऐतिहासिक काम हुआ है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष राज्य सरकार ने 4,000 करोड़ रुपए से अधिक की छात्रवृत्ति वितरित की, जिससे कुल 56 लाख विद्यार्थियों को लाभ हुआ है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के कार्यकाल में यह संख्या केवल 34 लाख थी और उस समय छात्रवृत्ति में भारी घोटाले भी सामने आए थे। असीम अरुण ने आरोप लगाया कि 2017 में जब अखिलेश यादव को लगा कि उनकी सरकार जा रही है, तो उन्होंने उसी साल बच्चों की छात्रवृत्ति रोक दी थी। लेकिन योगी जी ने मुख्यमंत्री की शपथ लेने के बाद एक साल में दो वित्तीय वर्षों का बजट देकर सुनिश्चित किया कि किसी बच्चे की स्कॉलरशिप न रुके।

कानपुर मेट्रो के उद्घाटन को लेकर मंत्री ने कहा कि अखिलेश यादव को भ्रम है कि हर परियोजना उनकी ही शुरू की हुई है। सच यह है कि योगी सरकार ने वित्तीय संसाधनों को पारदर्शी तरीके से बढ़ाया है। जीएसटी कलेक्शन हो या माइनिंग, सब पारदर्शिता से हो रहा है। आज जनता ईमानदारी से टैक्स दे रही है, और मेट्रो जैसे विकास कार्य उसी से संभव हो पा रहे हैं। असीम अरुण ने कहा कि 2017 और 2022 में जनता ने भारतीय जनता पार्टी को ऐतिहासिक जनादेश दिया और आगामी चुनावों में भी इसी तरह समर्थन मिलेगा। क्योंकि आज प्रदेश में कानून का राज है, हर घर तक पानी पहुंच रहा है, सरकारी स्कूलों की स्थिति बेहतर हुई है, और जो कमियां बची हैं उन्हें दूर किया जा रहा है।

संपादकीय

वक्फ की 'सुप्रीम' समीक्षा

सर्वोच्च अदालत वक्फ संशोधन अधिनियम, 2025 पर 'अंतरिम आदेश' जारी करने के मूड में है, लेकिन कानून पर फिलहाल रोक लगाने के पक्ष में नहीं है। नए कानून की संवैधानिकता को चुनौती देती 73 याचिकाएं प्रधान न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ के सामने हैं। कुछ सवाल न्यायिक पीठ ने भी उठाए हैं, लेकिन वे वक्फ से जुड़े विवादों पर चिंतित भी हैं। प्रधान न्यायाधीश ने वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ भडक़ती-सुलगती हिंसा पर परेशानी और हैरानी जताई। अंततः उन्होंने अपील के स्वर में कहा-'मामला सर्वोच्च अदालत के सामने है, लिहाजा हिंसा बेमानी है। हिंसा नहीं की जानी चाहिए।' बहरहाल सर्वोच्च पीठ की सुनवाई मंगलवार को भी जारी रही। पीठ ने 'वक्फ बाय यूजर' के मुद्दे पर केंद्र सरकार को नोटिस भेजा है और दो सप्ताह में उसका जवाब मांगा है। नए कानून में जो प्रावधान तय किए गए हैं, न्यायिक पीठ उनसे सहमत नहीं लगती। जस्टिस खन्ना ने कहा है कि अंग्रेजों से पहले वक्फ रजिस्ट्रेशन नहीं होता था। कई मस्जिदें 13वीं-14वीं सदी की हैं। आप ऐसे 'वक्फ बाय यूजर' को कैसे रजिस्टर करेंगे? वे दस्तावेज कहां से दिखाएंगे? यह असंभव है। यदि वक्फ बाय यूजर की संपत्ति को 'डी-नोटिफाई' किया जाता है, तो उसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं। न्यायिक पीठ का तीन मुद्दों पर मूड स्पष्ट दिखाई दिया। एक, अदालत से वक्फ घोषित संपत्ति 'डी-नोटिफाई' नहीं होगी। वह वक्फ बाय यूजर हो अथवा वक्फ बाय डीड हो। दूसरा, कलेक्टर वक्फ संपत्ति का सर्वे कर सकते हैं, लेकिन वक्फ की संपत्ति वक्फ बोर्ड के पास ही रहेगी। उसकी प्रकृति नहीं बदल सकते। अदालत को सूचित करेंगे। तीसरा, वक्फ बोर्ड और केंद्रीय वक्फ परिषद के सभी सदस्य मुस्लिम होने चाहिए, सिवाय पदेन सदस्यों के। वक्फ बोर्ड में गैर-मुस्लिम सदस्यों को लेकर प्रधान न्यायाधीश जस्टिस खन्ना और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के बीच तीखी बहस भी हुई। न्यायमूर्ति ने पूछा कि क्या सरकार हिंदू धार्मिक बोर्ड या मंदिरों के प्रबंधन में किसी मुसलमान को शामिल करेगी? यहां तक कि सॉलिसिटर जनरल ने न्यायिक पीठ के तीनों न्यायाधीशों के धर्म (हिंदू) पर सवाल उठाया। प्रधान न्यायाधीश ने जवाब दिया-'जब हम इस सीट पर बैठते हैं, तो हमारी व्यक्तिगत पहचान मायने नहीं रखती। कानून के सामने सभी पक्ष एकसमान हैं।' अब यदि सर्वोच्च अदालत कोई अंतरिम आदेश जारी करती है, तो उसमें कुछ निर्देश सरकारी कानून के खिलाफ भी हो सकते हैं। मुस्लिम पक्ष के वकील कपिल सिब्बल बार-बार अनुच्छेद 26 और 20 करोड़ लोगों की आस्था और उनके धार्मिक प्रबंधन के अधिकार का मुद्दा उठा रहे थे, तो प्रधान न्यायाधीश ने साफ कहा कि अनुच्छेद 26 सार्वभौमिक और धर्मनिरपेक्ष है। यह विधायिका को कानून बनाने से नहीं रोकता। यह सभी समुदायों पर लागू होता है। संसद ने हिंदुओं के संदर्भ में भी कानून बनाए हैं। न्यायमूर्ति ने सिब्बल को धार्मिक बातें कहने से रोका। सिब्बल ने ही 'अंतरिम आदेश' की मांग की थी। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कानून पर रोक लगाने की मांग की थी। प्रधान न्यायाधीश ने उसे भी खारिज कर दिया। प्रधान न्यायाधीश ने यह भी स्पष्ट किया कि जामा मस्जिद सरीखी स्मारक इमारतें यथावत रहेंगी। उनसे कोई छेड़छाड़ नहीं की जाएगी। जस्टिस खन्ना ने वक्फ संशोधन कानून की धारा 2-ए के प्रावधान पर चिंता जताई। इतना तो स्पष्ट लगता है कि न्यायिक पीठ वक्फ कानून को खारिज नहीं करेगी और रोक लगाने के भी आसार नगण्य हैं, लेकिन ऐसे कुछ सुधार करवा सकती है, जो संविधान के मद्देनजर न्यायोचित नहीं हैं।

> नए कानून की संवैधानिकता को चुनौती देती 73 याचिकाएं प्रधान न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ के सामने हैं। कुछ सवाल न्यायिक पीठ ने भी उठाए हैं, लेकिन वे वक्फ से जुड़े विवादों पर चिंतित भी हैं। प्रधान न्यायाधीश ने वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ भडक़ती-सुलगती हिंसा पर परेशानी और हैरानी जताई। अंतत: उन्होंने अपील के स्वर में कहा-'मामला सर्वोच्च अदालत के सामने है, लिहाजा हिंसा बेमानी है। हिंसा नहीं की जानी चाहिए।' बहरहाल सर्वोच्च पीठ की सुनवाई मंगलवार को भी जारी रही। पीठ ने 'वक्फ बाय यूजर' के मुद्दे पर केंद्र सरकार को नोटिस भेजा है और दो सप्ताह में उसका जवाब मांगा है। नए कानून में जो प्रावधान तय किए गए हैं, न्यायिक पीठ उनसे सहमत नहीं लगती। जस्टिस खन्ना ने कहा है कि अंग्रेजों से पहले वक्फ रजिस्ट्रेशन नहीं होता था।

आप का नजरीया

देश को कमजोर करने वाली नीतियां

सत्ता में काबिज रहने के लिए आम लोगों की जान-माल से किस हद तक खिलवाड़ किया जा सकता है, इसका मौजूदा उदाहरण पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस की सरकार है। पश्चिम बंगाल देश का ऐसा अकेला राज्य है जहां वक्फ बोर्ड के विरोध में हिंसा हुई है। वैसे देश के ज्यादातर राज्यों में इस मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन तक नहीं हुए। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में वक्फ कानून के मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन के दौरान हिंसा में तीन लोगों की मौत हो गई। मुख्यमंत्री ममता ने हिंसा के बाद कहा है कि पश्चिम बंगाल में वक्फ संशोधन कानून लागू नहीं होगा। ममता बनर्जी का कहना है कि यह कानून केंद्र सरकार ने बनाया है और उन्हीं से इसका जवाब मांगा जाना चाहिए। यह पहला मौका नहीं है जब ममता ने वोट बैंक की खातिर मुस्लिम प्रेम दर्शाया है। इससे पहले भी मुख्यमंत्री ममता सरेआम मुस्लिमों की हिमायत कर चुकी हैं। रोहिंग्या मुसलमानों के मामले में भी ममता ने इसी तरह के प्रेम का इजहार किया था। ममता ने कहा था कि सभी रोहिंग्या आतंकवादी नहीं हैं, जबकि केंद्र सरकार ने संकटग्रस्त समुदाय को निर्वासित करने के अपने रुख पर कायम रहते हुए कहा था कि उनमें से कुछ पाकिस्तानी आतंकवादी समूहों से जुड़े हुए हैं। तब भी ममता ने इनकी पैरवी करते हुए कहा था कि आतंकवादियों और आम लोगों के बीच अंतर होता है। हर समुदाय में अच्छे और बुरे लोग हो सकते हैं, लेकिन एक समुदाय, एक समुदाय होता है। ममता की पार्टी तृणमूल कांग्रेस ने प्रदेश में कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तरह सख्त कार्रवाई करके जवाब नहीं दिया। यही वजह है कि ऐसे अराजक तत्वों के हौसले पश्चिम बंगाल में बुलंद हैं। पिछले वर्ष रामनवमी पर जुलूस के दौरान हिंसा भडक़ने से करीब दो दर्जन लोग घायल हो गए। इस मामले में भी पश्चिम बंगाल ही सबसे आगे रहा। लखनऊ में मामूली झड़प के अलावा हिंसा की ऐसी वारदातें देश के अन्य हिस्सों में नहीं हुईं। पश्चिम बंगाल में सरकार चाहे वामपंथियों की रही हो या अब ममता बनर्जी की हो, यह राज्य हिंसा के लिए अभिशप्त हो गया है। कारण भी स्पष्ट है, सारा संघर्ष सत्ता प्राप्ति का है। देश के ज्यादातर राज्यों में जहां चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न होते हैं, वहीं पश्चिम बंगाल का रिकार्ड हिंसा के कारण दागदार बन गया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व में पश्चिम बंगाल देश का इकलौता ऐसा राज्य है जहां पंचायत से लेकर विधानसभा और लोकसभा चुनावों तक जम कर हिंसा होती रही है। पश्चिम बंगाल में वर्ष 2021 के विधानसभा चुनावों के बाद व्यापक पैमाने पर हिंसा हुई, जब तृणमूल ने भाजपा को हराया था। पश्चिम बंगाल में विधानसभा के चुनावी नतीजों के बाद हिंसा में 12 लोगों की मौत हुई। वर्ष 2024 में लोकसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के एक दिन बाद 5 जून को चुनाव बाद हिंसा की घटनाओं में भाजपा और माकपा समर्थकों को निशाना बनाया गया। दक्षिण में उत्तर 24 परगना जिले और दक्षिण 24 परगना तथा राज्य के जंगलमहल क्षेत्र के झारग्राम सहित कई जिलों में चुनाव बाद हिंसा की घटनाएं सामने आईं। पुलिस और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के जवान मौके पर पहुंचे, लेकिन सुरक्षा बलों के जाने के बाद उपद्रवी वापस लौट आए और इलाके में तोडफोड़ की। इसी तरह 8 जून 2023 को बंगाल में जिस दिन से पंचायत चुनाव की तारीखों का ऐलान हुआ, उसके बाद 15 लोगों की हत्या कर दी गई। वर्ष 2003 में जब यहां पंचायत चुनाव हुए थे, तब 76 लोगों की मौत हुई थी। इनमें से 40 से ज्यादा लोग तो वोटिंग वाले दिन मारे गए थे। वर्ष 2013 और 2018 के चुनाव के समय यहां केंद्रीय बलों की तैनाती भी हुई थी, बावजूद उसके हिंसा नहीं थमी थी। बीते पांच दशकों में पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा में करीब 30 हजार से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। पिछले दो दशकों में सबसे ज्यादा मौतें सिंगुर और नंदीग्राम आंदोलन में हुईं। पश्चिम बंगाल में हिंसा का दौर 1960 के बाद शुरू हुआ। साल 1967 में राज्य में कम्युनिस्ट पार्टी की सरकार आई जिसने 2011 तक करीब 34 साल तक शासन किया। कम्युनिस्ट शासन के दौरान राज्य में राजनीतिक हिंसा में 28 हजार लोग मारे गए।

भाजपा के प्रयास दक्षिण में बेअसर ही रहे हो, ऐसी बात भी नहीं है, समय-समय पर उसके प्रयास रंग लाते रहे हैं। दक्षिण के चार में से तीन राज्यों में भाजपा अपना प्रभाव और प्रभुत्व दिखा चुकी है

तमिलनाडु में भाजपा परचम फहराने को तत्पर

ललित गर्ग

> तमिलनाडु में अगले वर्ष अप्रैल-2026 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। भाजपा और ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एआईएडीएमके) ने 2026 के विधानसभा चुनाव मिलकर लड़ने की घोषणा कर दी है। शुक्रवार को अपनी महत्वपूर्ण चैन्नई यात्रा के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस अहम राजनीतिक गठबंधन का ऐलान करते हुए स्पष्ट किया कि राज्य में एनडीए एडप्पादी के. पलानीस्वामी के नेतृत्व में चुनाव लड़ेगा, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही गठबंधन का चेहरा होंगे। तमिलनाडु की भाजपा में भी एक बड़ा बदलाव सामने आया है और भाजपा की तमिलनाडु इकाई की कमान नैनार नागेंद्रन को मिल गई है।

आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु में परंपरागत रूप से भारतीय जनता पार्टी कमज़ोर रही है, लेकिन अब भाजपा दक्षिण में अपनी जड़ों को न केवल मजबूत करना चाहती है बल्कि दक्षिण के राज्यों में सत्ता पर काबिज भी होना चाहती है। तमिलनाडु में अगले वर्ष अप्रैल-2026 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। भाजपा और ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एआईएडीएमके) ने 2026 के विधानसभा चुनाव मिलकर लड़ने की घोषणा कर दी है। शुक्रवार को अपनी महत्वपूर्ण चैन्नई यात्रा के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस अहम राजनीतिक गठबंधन का ऐलान करते हुए स्पष्ट किया कि राज्य में एनडीए एडप्पादी के. पलानीस्वामी के नेतृत्व में चुनाव लड़ेगा, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही गठबंधन का चेहरा होंगे। तमिलनाडु की भाजपा में भी एक बड़ा बदलाव सामने आया है और भाजपा की तमिलनाडु इकाई की कमान नैनार नागेंद्रन को मिल गई है। भाजपा की राजनीतिक यात्रा में 2026 का तमिलनाडु चुनाव मील का पत्थर साबित होगा, वर्षों की प्यास को बुझायेगा, कमल खिलायेगा। यह बात तो जगजाहिर है कि दक्षिण में हिन्दू मन्दिरों एवं संस्कृति का वर्चस्व होते हुए भी भाजपा अब तक अपनी जमीन मजबूत नहीं कर पाई है, जबकि केरल हो, कर्नाटक हो, आंध्र प्रदेश या तमिलनाडु हो, भाजपा अपनी जड़ों को सुदृढ़ करने की जद्दोजहद करती रही है। भाजपा के प्रयास दक्षिण में बेअसर ही रहे हो, ऐसी बात भी नहीं है, समय-समय पर उसके प्रयास रंग लाते रहे हैं। दक्षिण के चार में से तीन राज्यों में भाजपा अपना प्रभाव और प्रभुत्व दिखा चुकी है। कर्नाटक में कई बार भाजपा सत्ता आसीन हो चुकी है, आंध्र प्रदेश में इस समय सत्ता की भागीदार है, तेलंगाना में भी भाजपा मजबूत पकड़ बना चुकी है, केवल तमिलनाडु ही है जहां भाजपा कई दशकों से उपस्थिति दर्ज कराने के बावजूद सत्ता तक नहीं पहुंच पायी है। मोदी के प्रभाव और भाजपा के विशाल संसाधनों के बावजूद तमिलनाडू जीतना उसके लिए मुश्किल रहा है। पिछले 78 सालों में यहां कभी भी भाजपा-संघ की राष्ट्रवादी विचारधारा या हिंदुत्व के उनके संस्करण को स्वीकार नहीं किया है। यह सिर्फ भाजपा के लिए ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति के लिए भी एक बड़ी वैचारिक लड़ाई है। लेकिन इस बार भाजपा की रणनीति एवं तैयारियों एवं मोदी-शाह के संकल्पों एवं इरादों में दम है, तमिलनाडु में आमूल-

चूल परिवर्तन होता हुआ दिख रहा है। तमिलनाडु में भाजपा की राजनीतिक रणनीति में किये गये बदलाव एवं रणनीतियां एक बड़ा मोड़ है, एक नया उजाला है। राजनीति के चाणक्य अमित शाह का यह भरोसा कि आने वाले विधानसभा चुनाव में एनडीए भारी बहुमत से जीत दर्ज करेगा और राज्य में सरकार बनाएगा, कोरी हवा में उछाली गयी बात नहीं है। एआईडीएमके और भाजपा के बीच गठबंधन 1998 से बनते-बिगड़ते रहे हैं। 1998 की अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार बनाने और फिर 13 महीने बाद उसे गिराने का श्रेय भी एआईडीएमके को जाता है। जे. जयललिता का जब तक जीवनकाल रहा तब तक भाजपा नेतृत्व के साथ एआईडीएमके की नजदीकियां बनी रही। जब 1999 में जयललिता ने कांग्रेस के साथ गठबंधन कर लिया तो करुणानिधि ने डीएमके को भाजपा के साथ जोड़ लिया और 2004 तक सत्ता का सुख लेते रहे। 2004 के आम चुनाव में फिर से एआईडीएमके भाजपा के साथ आई लेकिन तमिलनाडु में लोकसभा की सीटें नहीं जीत सकी। लेकिन मोदी-शाह की नजरें हमेशा इस राज्य पर लगी रही। क्योंकि सामरिक रूप से तमिलनाडु एक संवेदनशील राज्य है, श्रीलंका के साथ उसका सीधा जुड़ाव है। चीन श्रीलंका के माध्यम से भारत में पैठ बनाना चाहता है, ऐसे में तमिलनाडु में केंद्र की आंख बंद कर विरोध करने वाली पार्टी का सत्तासीन रहना देश हित के लिए गंभीर सवाल पैदा करता है, अनेक संकटों का कारण बन सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समक्ष अपने तीसरे कार्यकाल की बड़ी चुनौतियों में बंगाल, तमिलनाडु, केरल को जीतना है। वैसे इन राज्यों में भाजपा की जीत एक करिश्मा ही होगा, लेकिन मोदी-शाह ऐसे आश्चर्यकारी करिश्में घटित करते रहे हैं। सर्वविदित है कि भाजपा के लिए तमिलनाडु केवल राजनीतिक संघर्ष का मैदान नहीं है, वैचारिक लड़ाई भी लड़ी जानी है। स्टालिन सरकार द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति को विवादित करने और त्रिभाषा सिद्धांत को हिंदी थोपने की कोशिश के रूप में प्रचारित करने से केंद्र आहत है, इसीलिये भाजपा अपने राजनीतिक सिद्धांतों, योजनाओं, कार्यक्रमों एवं नीतियों को गंभीर चुनौती दे रहे इन नेताओं और दलों को वैचारिक धरातल पर परास्त करने का रास्ता भी खोज रही है। प्रधानमंत्री मोदी अपनी यात्राओं एवं अन्य चर्चाओं में यह बताते रहे हैं कि पूरे तमिलनाडु की जनता एवं राज्य उनके दिल में हैं, वे उसके कल्याण एवं विकास के लिये तत्पर है। तमिल लोगों के दिलों को जीतने का काम अकेले भाजपा के द्वारा संभव नहीं है, इसीलिये एआईडीएमके की बैशाखियां उसके लिये जरूरी है। भाजपा के राजनीतिक समीकरणों की सार्थक निष्पत्ति का एक हिस्सा है एआईडीएमके और भाजपा के ताजा गठबंधन की घोषणा। इस गठबंधन को सहज बनाने और पार्टी के अनुरूप इसका स्वरूप देने का श्रेय गृहमंत्री अमित शाह को जाता है, क्योंकि इस बार यह काम उतना आसान नहीं था। शाह एक कद्दावर नेता होने के साथ राजनीतिक गणित को समझने में माहिर है। अमित शाह जमीनी हकीकत से हमेशा वाकिफ रहते हैं। उनके पास तमिलनाडु को लेकर साफ तस्वीरें हैं, सुस्पष्ट एजेंडा है। वह एआईडीएमके के साथ अभी से उदार एवं लचीली सोच से चलना चाहते हैं लेकिन उन्हें अपना लक्ष्य पता है। डीएमके एवं स्टालिन का अहंकार ही उनका मुख्य हथियार होगा। विकास के लिये सत्ता परिवर्तन जनता के लिए यदि जरूरी है तो उसे हासिल करने का तरीका भला अमित शाह से ज्यादा कौन जानता होगा। तमिल में भाजपा के पांव जमते हुए दिख रहे हैं। इसका सबसे बड़ा कारण है भाजपा की सोच में बदलाव आना, तमिलों की बारीकियों एवं भावनाओं को समझते हुए राजनीतिक दांव चलना। भाजपा के पास द्रविड़ समाज को आकार देने का भले ही संस्थागत इतिहास नहीं है, लेकिन राज्य के विकास में उसने गहरे.संसाधन लगाये हैं। वह एक नया वोट-आधार तैयार कर रही है। लोकसभा चुनाव से पहले मोदी ने काशी और तमिलनाडु के बीच विभेद को खत्म करने की कोशिश की। धार्मिक राजत्व का तमिल प्रतीक सेंगोल संसद में स्थापित किया गया। ऐसे अनेक सकारात्मक प्रयास भाजपा के द्वारा लगातार किये जा रहे हैं। त्रिभाषा फार्मूला भी तमिल लोगों को भाषा के नाम पर जोड़े रखने का एक उपक्रम है। मोदी और शाह दोनों ने तमिल भाषा के प्रति पार्टी के सम्मान को परिभाषित किया। पिछले दशक का एक बड़ा राष्ट्रीय घटनाक्रम यह रहा है कि भाजपा ने चुपचाप अपने नारे हिंदी, हिंदू और हिंदुस्तान में सुधार किया है।

कुछ अलग

अवकाश की तफरीह में

छुट्टी में शरीक गलबहियों का असर यह कि सार्वजनिक आयोजन भी कहीं तफरीह करने निकल गए। हिमाचल दिवस की रौनक का जज्बा इस बार किलाड़ में देखा गया, लेकिन जिला के उदास मंचों से सार्वजनिक हाजिरी नदारद रही। हमारी भीड़ अब गुलदस्ते में फूल नहीं, स्वार्थ की भूल भुलैया में खुश है। यूं तो वर्ष भर हिमाचल दिवस का आंगन शिमला के सचिवालय में सजता है और मंत्रियों के आगे सजदा करती भीड़ में कार्यसंस्कृति खाली कनस्तर बन जाती है, मगर राष्ट्रीय-प्रादेशिक पर्व के अवकाश अब घर की तिजोरी में गुम हो रहे हैं। जिलों के सार्वजनिक अवकाश के फैशन में इस बार हिमाचल दिवस की पलकें इंतजार करती रहीं, लेकिन राज्य का उत्सव व उत्साह वहां नहीं आया। क्यों न हम इन्हें हिमाचल उत्सव की तरह जिलों में मनाएं। क्यों न हिमाचल के विभिन्न वर्गों व विशेषज्ञों से इस अवसर पर चर्चा कराएं। हिमाचल दिवस क्यों चंद सरकारी घोषणाओं का मंच बनकर एक राज्य स्तरीय समारोह के अलावा अन्य स्थानों पर औपचारिक रस्म बन गया। हिमाचल दिवस के संदर्भ अगर सार्वजनिक करने हैं, तो हर विभाग को अपनी योजनाओं और राज्य के भविष्य के पक्ष में चर्चाएं-परिचर्चाएं और नए मजमून तैयार करने होंगे। मसलन अगर स्वास्थ्य मंत्री कांगड़ा में हिमाचल दिवस के मुख्यातिथि हैं, तो वहां एक हफ्ते की सरगर्मियों चिकित्सा से जुड़े विषयों पर बहस के मसौदों पर खुल कर बात करें। क्यों न पुलिस मैदान पर हिमाचल दिवस के मुख्यातिथि से पूछा जाए कि वहां से चंद कदम दूर जोनल अस्पताल में महीनों से एमडी (मेडिसन) का कोई विशेषज्ञ डाक्टर नहीं भेज पा रहा। अगर काबिना रैंक पर्यटन विभाग की अस्मिता ढोने वाले आरएस बाली हमीरपुर के समारोह में शिरकत करते हुए यह खाका पेश नहीं करते कि जिले में पर्यटन के मायने कैसे मजबूत होंगे, तो हम अवसर गंवा रहे हैं।

देश दुनिया से

मणिपुर के अंदर का खेल

मणिपुर में मैतेयी और कुकी का विवाद पिछले एक साल से चल रहा है। इस विवाद ने सौ से ज्यादा लोगों की जान ले ली। सरकार को बर्खास्त करना पड़ा। देश भर में मणिपुर को लेकर हंगामा होता रहा। मैं कल मणिपुर की राजधानी इंफाल पहुंचा था। श्री एम इराबन्ता सिंह की संस्था ने कला संकाय के छात्रों के लिए एक कालेज शुरू करने की योजना बनाई थी। कालेज के शिलान्यास के लिए मुझे बुलाया हुआ था। इराबन्ता सिंह मणिपुर में शिक्षा के प्रचार-प्रसार के लिए सराहनीय कार्य कर रहे हैं। इंफाल में घूमते हुए मुझे कहीं नहीं लगा कि इस राज्य में कहीं विवाद है। सारा काम सामान्य तरीके से हो रहा था। कालेज का सांस्कृतिक कार्यक्रम ही देर रात तक चलता रहा। मैंने मणिपुर विश्वविद्यालय के एक प्राध्यापक से पूछा कि यहां किसी प्रकार का विवाद दिखाई तो नहीं देता। उसने सहज उत्तर दिया कि यहां इंफाल घाटी में कोई विवाद नहीं है। दो दिन पहले ही अखबार में खबर छपी थी कि सरकार ने आदेश दिया है कि पहाड़ की ओर जाने वाली सब सडक़ें खोली जाएं। इस पर उसने कहा कि सडक़ें कभी बंद हुई ही नहीं थीं। पहले भी खुली थीं और अब भी खुली हैं। बस एक ही पेंच है। इंफाल घाटी से कोई मैतेयी इन सडक़ों से पहाड़ में जा नहीं सकता और पहाड़ से कोई कुकी इन सडक़ों से इंफाल घाटी में दाखिल नहीं हो सकता। मणिपुर में इंफाल घाटी चारों ओर से पहाड़ों से घिरी है। घाटी में मैतेयी रहते हैं और पहाड़ों पर कुकी और नागा जनजातियों के लोग रहते हैं। असल में यहीं पर सबसे बड़ा झोल है। आजादी से पहले बंगाल के लोग पहाड़ पर रहने वाले सभी लोगों को, चाहे वे किसी भी जनजाति के क्यों न हों, कुकी

कहते थे। यह कुछ-कुछ इसी प्रकार था जैसे पंजाब के लोग हिमाचल के पहाड़ों पर रहने वाले सभी लोगों को पहाडिया कहते थे। मणिपुर में पहाड़ की जनजातियां इसका विरोध करती थीं और इसको अपमानजनक मानती थीं। वे स्वयं को कुकी कहना पसंद नहीं करती थीं। ब्रिटिश राज के दिनों में मणिपुर के इन समुदायों को सरकारी अधिकारियों ने सामूहिक रूप से कुकी या नागा कहना और लिखना शुरू कर दिया था। इसका क्या कारण था? ब्रिटिश साम्राज्यवादियों को मणिपुर की इन अनेक जनजातियों को उनके मूल नाम से काट कर नया नाम देने की जरूरत क्या थी? इसको समझने के लिए गहरे उतरने की जरुरत है। मणिपुर की इन सभी जनजातियों का अपना-अपना गौरवशाली इतिहास है। उनकी अपनी अपनी भाषा है, अपनी-अपनी संस्कृति है। परम सत्ता को लेकर दार्शनिक विचार हैं। ब्रिटिश सरकार जान गई थी कि जब तक ये जनजातियां अपने ऐतिहासिक नामों से जुड़ी हुई हैं, तब तक इनकी संस्कृति को नष्ट करना संभव नहीं होगा। वैसे भी थादौ समुदाय के लोगों ने 1917-1919 तक ब्रिटिश आधिपत्य के खिलाफ सशस्त्र संघर्ष छेड़ रखा था। संघर्ष की प्रेरणा और ऊर्जा थादौ समुदाय को अपने इतिहास, संस्कृति और पूर्वजों की कथाओं से ही मिलती थी। इसलिए ब्रिटिश उपनिवेशवादियों ने कुछ समुदायों को एक वर्ग बना कर उनका नया नामकरण करके उनके इतिहास को समाप्त कर नया इतिहास लिखने की कोशिश की। जनजाति समुदायों के निवास स्थानों के विकसित होने की एक विशेष पद्धति देखी जा सकती है। किसी एक जनजाति के गांव में दूसरी जनजाति के समुदाय के बसने-रहने की संभावना नगण्य कही जा सकती है। इसका एक कारण यह भी है कि पुराने समय में विभिन्न समुदाय प्रायः आपस में लड़ते रहते थे। इसलिए एक स्थान पर एकजुट होकर रहने की जरूरत रहती थी। यही कारण है कि मणिपुर में विभिन्न समुदायों के मिश्रित गांव प्रायः देखने में नहीं आते। उन्नीसवीं शताब्दी में इस दिशा में थोड़ा परिवर्तन होना शुरू हुआ था। सरकारी कर्मचारियों के स्थानांतरणों से, संचार व सडक़ों की सुलभता के कारण किसी गांव में इक्का-दुक्का अन्य जनजाति समुदायों के लोग भी रहने लगे, लेकिन पिछले दो-तीन साल के संघर्ष ने इस पर फिर से प्रश्नचिन्ह लगा दिया है। मणिपुर की विभिन्न जनजातियों की बसाहतों को देखने से यह प्रवृत्ति साफ देखी जा सकती है। मणिपुर के जनजाति समुदायों की अलग-अलग संस्कृति को समाप्त कर एक नई सामूहिक पहचान स्थापित करने के लिए ईसाई मिशनरियों का खेल भी ब्रिटिश सरकार के समय से ही चालू है। 1824 में मणिपुर के राजा ने अन्य रियासती राजाओं की तरह एक समझौता किया जिसके अंतर्गत रियासत की सरहदी सुरक्षा ईस्ट इंडिया कंपनी को हस्तांतरित कर दी गई। लेकिन इस समझौते के बाद ईसाई मिशनरियों के प्रवेश का रास्ता भी खुल गया।

भारत की विरासत

ओडिशा

सूर्य देव को समर्पित मंदिर

गंग वंश के महान राजा नरसिम्हादेव 1 ने ओडिशा के पुरी शहर से 35 किलोमीटर दूर स्थित कोणार्क मंदिर का निर्माण करवाया था। बंगाल की खाड़ी के तट पर स्थित यह मंदिर भारत के प्रसिद्ध ऐतिहासिक स्थलों में से एक है जो अपनी प्राचीन वास्तुकला के लिए दुनिया भर में मशहूर है। इस मंदिर की खास बात यह है कि यह सूर्य देव को समर्पित है।

दृष्टि कोण

उत्कृष्ट खिलाड़ी को कम से कम वजीफा तो दो

आज जब विज्ञान ने बहुत उन्नति कर स्वास्थ्य में जहां काफी सुधार किया है, वहीं पर खिलाडियों के उपकरणों व प्ले फील्ड में भी काफी सुधार हुआ है। यही कारण है कि पिछले बनाए गए कीर्तिमान आसानी से हर वर्ष टूटते रहते हैं। पहले जब खेल प्रतियोगिता होती थी तो आयोजक प्रतिभागियों को खाना व रहना देते थे। यात्रा किराया व दैनिक भत्ता राज्य खेल संघ दे देते थे, मगर अब यह सब खिलाड़ी को वहन करना पड़ता है। रेल में सीट आरक्षित करवाना भी बड़ी जंग जीतने से कम नहीं है। खिलाड़ी कम थके, इसलिए हवाई यात्रा भी करना जरूरी हो जाता है। खिलाडियों के प्रयोग में होने वाले जूते व किट बहुत महंगी आती है। एक प्रतियोगिता का खर्चा पचास हजार रुपए तक पहुंच जाता है। सामान्य परिवार का बच्चा कैसे राष्ट्रीय स्तर खेल कर पाएगा, कभी सोचा है। खेलों को राज्य सूची का विषय बना रखा है। केन्द्र व राज्य अपनी अपनी सुविधा अनुसार जब चाहे पला झाड़ लेता है। खिलाड़ी प्रदेश व देश के लिए गौरव लाता है तो फिर सरकारें प्रतिभाशाली खिलाडियों को सीधा वजीफा क्यों नहीं देती हैं। एथलेटिक्स, कुश्ती, मुक्केबाजी व अन्य कई खेल हैं जिनमें हिमाचल के स्टार राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में बहुत बढिया प्रदर्शन कर रहे हैं, मगर खेल जारी रखने के लिए उन्हें काफी धन की जरूरत होती है। इसलिए अधिकतर खिलाडियों को आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ रहा है। मानव शरीर ईश्वर द्वारा बनाई गई बहुत ही अद्भुत मशीन है। इसे चलाने के लिए भी ईंधन की जरूरत होती है। मानव शरीर के ऊर्जा चक्र को समझने के लिए हमें एटीपी से लेकर सीपी, लैक्टिक एसिड, शरीर से ऑक्सीजन की उधारी व सांस द्वारा ऑक्सीजन का फेफड़ों में पहुंच कर खून के साथ मिलकर फिर सैल का

पहुंच कर शरीर को गतिशील बनाए रखने का गहन अध्ययन जरूरी है। सौ से लेकर चार सौ मीटर की दौड़ों को तेज गति में गिना जाता है। गति ही सभी स्पर्धाओं व खेलों की जीत का मूल मंत्र है। यह खिलाड़ी में जन्मजात होती है। प्रशिक्षण द्वारा भी इसमें बहुत ही कम एक उम्र तक विकास होता है। ओलंपिक खेलों में विभिन्न खेलों की कई स्पर्धाएं आयोजित होती हैं, मगर एथलेटिक्स का आकर्षण सबसे अधिक होता है। ओलंपिक में जो धावक सौ मीटर की दौड़ में विजेता बनता है, वह पृथ्वी का तीव्रतम इनसान बनता है। सौ मीटर की दौड़ का अद्भुत रोमांच होता है। हिमाचल प्रदेश में तेज गति के बहुत कम धावक व धाविकाएं आज तक सामने आए हैं। सौ मीटर से लेकर चार सौ मीटर की स्पर्धाओं को स्परिंट यानी तेज गति की दौड़ों में रखा है। इन स्पर्धाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए जहां जन्मजात स्पीड चाहिए होती है, वहीं पर बहुत अधिक स्पीड इंडोरैंस व स्ट्रैंथ ट्रेनिंग की जरूरत होती है। जहां उच्च कोटि का प्रोटीन आम आदमी को आसानी से उपलब्ध होता है, वहीं के लोगों में अच्छी स्पीड जन्म से ही होती है। स्पीड को बहुत छोटी उम्र से ही विकसित करना पड़ता है। इसलिए स्पीड पर प्रशिक्षण दस वर्ष से भी कम आयु में शुरू करना पड़ता है। अगले पांच सालों में स्पीड अपने उच्च स्तर तक विकसित हो जाती है। यह भी कहा जाता है कि स्परिंटर पैदा होते हैं, बनाए नहीं जाते। भारत के अधिकतर स्परिंटर समुद्र तट से संबंध रखते हैं। मछली इन लोगों का मुख्य आहार है। मछली में अच्छी गुणवत्ता का प्रोटीन मिलता है। उत्तर भारत में शाकाहारी अधिक हैं, मगर गेहूं, दूध उससे बने पदार्थों में भी अच्छी क्वालिटी का प्रोटीन मिलता है। यह भी कारण है कि पंजाब, हरियाणा व पश्चिमी उत्तर प्रदेश से भी समय-समय पर अच्छे स्परिंटर मिलते रहते हैं और जिस किशोर खिलाड़ी में स्परिंट जितनी अधिक होगी, वह उतना ही अच्छा किसी भी खेल का खिलाड़ी बनेगा। प्रदेश से वरिष्ठ राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पुष्पा ठाकुर ही एकमात्र धाविका है जो हिमाचल प्रदेश के लिए राष्ट्रीय स्तर पर 400 मीटर में पदक विजेता है। एशिया व ओलंपिक खेलों के राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविरों तक पहुंचने वाली इस धाविका के बाद अभी तक कोई भी पुरुष या महिला हिमाचल प्रदेश के लिए वरिष्ठ राष्ट्रीय स्तर का पदक नहीं जीत पाई है। आज फिर राज्य में विभिन्न खेलों सहित तेज गति के उभरते हुए खिलाड़ी व एथलीट हैं जिनको वजीफे की बहुत अधिक 2026 में जरूरत है। इनके पास नौकरी नहीं है।

ट्रंप प्रशासन को 133 अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों की कानूनी स्थिति बहाल करने का अदालती आदेश

वाशिंगटन,22 अप्रैल (एजेंसियां)।

संघीय न्यायाधीश विक्टोरिया एम. कैल्वर्ट ने ट्रंप प्रशासन को 133 अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों की कानूनी स्थिति बहाल करने का आदेश दिया है। इस संबंध में वादियों ने 18 अप्रैल को जॉर्जिया में यू.एस. डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में गुहार लगाते हुए अस्थायी निरोधक आदेश जारी करने का अनुरोध किया था।

अगली सुनवाई गुरुवार को होगी। इस मुकदमे की सुनवाई कर रहे संघीय न्यायाधीश विक्टोरिया एम. कैल्वर्ट ने विद्यार्थियों के अनुरोध पर टीआरओ (अस्थायी निरोधक आदेश) जारी किया है।

वादियों ने दावा किया है कि उनकी वैधानिकता को अवैध रूप से रद्द कर दिया गया है। यह मुकदमा जॉर्जिया के उत्तरी जिले में एसीएलयू और अन्य समूहों ने दायर किया है। इन समूहों का दावा किया कि आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन ने अचानक और अवैध रूप से छात्र और विनिमय आगंतुक सूचना प्रणाली पर रिकॉर्ड समाप्त कर दिए हैं। यह डेटाबेस रिकॉर्ड है। इसका उपयोग होमलैंड सुरक्षा विभाग गैर-आप्रवासी छात्रों की निगरानी के लिए करता है।

मुकदमे में दावा किया गया कि इन अभिलेखों को समाप्त करके आईसीई (आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन) विद्यार्थियों को निर्वासित कर रहा है। यह कदम छात्रों को अपनी पढ़ाई छोड़ने और स्व-निर्वासन करने के लिए मजबूर करने के लिए उठाया गया है। कई वादियों पर यातायात उल्लंघन का मामूली आरोप भी लगाया गया।

हालांकि बाद में यह आरोप हटा दिए गए। इस मुकदमे की सुनवाई के दौरान सरकारी वकीलों ने तर्क दिया कि छात्रों को कोई भी राहत देने से कार्यकारी शाखा का आव्रजन पर नियंत्रण प्रभावित होगा। इस तर्क से असहमत न्यायाधीश ने प्रशासन को आदेश दिया कि वह अनुपालन के बारे में अदालत को सूचित करे। कैल्वर्ट ने सरकार को यह भी आदेश दिया कि वह मुकदमे के अलावा किसी भी कारण से वादी की पहचान का उपयोग न करे।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान के सिंध प्रांत में बस खाई में गिरी, 16 की मौत, 24 घायल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में एक बस के खाई में गिर जाने से कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई। हादसे में लगभग 24 लोग घायल हो गए। सिंध प्रांत के पुलिस अधिकारियों के अनुसार यह हादसा जमशोरो जिले में बोला खान पुलिस स्टेशन के पास हुआ। जारी खबर में उपायुक्त गजनफर कादरी के हवाले से कहा गया है कि यह बस भील समुदाय के श्रमिकों को ले जा रही थी। यह लोग बलूचिस्तान में गेहूं की कटाई का काम पूरा करने के बाद घर लौट रहे थे। इस हादसे में 16 लोगों की जान चली गई और दो दर्जन से अधिक यात्री घायल हो गए। पुलिस ने पुष्टि की है कि दुर्घटना स्थल से कम से कम 12 शव बरामद किए गए हैं। अस्पताल के सूत्रों ने बताया कि चार घायलों ने जामशोरो के लियाकत यूनिवर्सिटी अस्पताल में दम तोड़ दिया, जिससे मरने वालों की संख्या 16 हो गई। बचाव दल ने बताया कि घायलों में से पांच को हैदराबाद के सिविल अस्पताल ले जाया गया। मृतकों में चार बच्चे भी शामिल हैं। बचाव अधिकारी ने बताया कि घायलों में से एक की हालत गंभीर है। उपायुक्त कादरी ने बताया कि घायलों में से पांच को बोला खान के तालुका अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया है।

अमेरिका में फिलिस्तीन समर्थक खलील की पत्नी ने पहले बच्चे को जन्म दिया, नहीं मिली मिलने की इजाजत

वाशिंगटन। फिलिस्तीन समर्थक प्रदर्शनकारी महमूद खलील की पत्नी डॉ. नूर अब्दुल्ला ने अपने पहले बच्चे को जन्म दिया है।

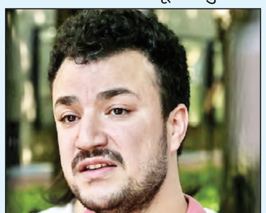

खलील इस समय आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन की हिरासत में है। महमूद खलील ने अपने बेटे से मिलने के लिए न्यू ऑरलियन्स आईसीई ईआरओ फील्ड ऑफिस डायरेक्टर मेलिसा बी हार्पर से अस्थायी रिहाई का अनुरोध किया। उसके अनुरोध को अस्वीकार कर दिया गया। महमूद खलील इस समय लुइसियाना के जेना में एक हिरासत केंद्र में बंद है। खलील के वकीलों ने ई-मेल के माध्यम से दो सप्ताह की रिहाई का अनुरोध किया था। वकीलों ने यह भी कहा था कि खलील को रिहाई अवधि में निगरानी में रखा जा सकता है। हार्पर ने अनुरोध को अस्वीकार करते हुए ई-मेल में लिखा, अनुरोध पर विचार करने और मुवक्किल के मामले की समीक्षा के बाद रिहाई के अनुरोध को अस्वीकार किया जाता है। डॉ. नूर अब्दुल्ला ने बेटे को जन्म के बाद एक बयान जारी किया। इसमें कहा गया, मेरे बेटे और मुझे महमूद के बिना धरती पर अपने पहले दिन नहीं गुजारने चाहिए। आईसीई (अमेरिकी आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन) और ट्रंप प्रशासन ने फिलिस्तीनी स्वतंत्रता के लिए महमूद के समर्थन को चुप कराने के प्रयास में हमारे परिवार से ये अनमोल पल चुरा लिए हैं। उल्लेखनीय है कि कोलंबिया विश्वविद्यालय में छात्र के रूप में महमूद खलील ने गाजा में युद्ध का विरोध करने वाले एक समूह का हिस्सा रहे हैं। खलील ने दिसंबर में कोलंबिया में अपनी स्नातक की पढ़ाई पूरी की है। उन्हें मार्च में कोलंबिया में उनके आवास से आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन ने गिरफ्तार किया था।

वेटिकन सिटी में पोप फ्रांसिस का निधन कैसै होती है अंतिम संस्कार की रस्में

वेटिकन सिटी। वेटिकन सिटी के पोप फ्रांसिस का निधन हो गया है। उनके निध्न के बाद उनकी मृत्यु के बाद उनका अंतिम संस्कार कैसे होता है। इसमें कैसे कैसे क्या किया जाता है।

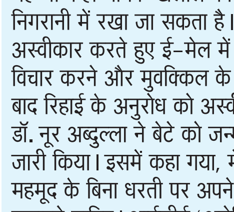

जैसे ही वेटिकन सिटी प्रशासक यानि कैमरलेंगो उनकी मृत्यु की घोषणा करता है, तुरंत उनकी दो चीजें नष्ट कर दी जाती हैं। पोप की मृत्यु के बाद, पहला कदम होता है उनके शव की जांच का, जिसकी देखरेख स्वास्थ्य सेवा के प्रमुख द्वारा की जाती है। जांच के बाद, प्रमाण पत्र तैयार किया जाता है और अंतिम रसमें शुरू होती हैं। पोप की उनकी अंगूठी और सील तुरंत नष्ट की जाती हैं ताकि उनके अधिकार का दुरूपयोग नहीं हो सके पोप की औपचारिक घोषणा के लिए उनका शव पोप के निजी चैपल में रखा जाता है, जहां लोग उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। इस घोषणा का मसौदा कैमरलेंगो द्वारा तैयार किया जाता है। उनकी अंगूठी और सील तुरंत नष्ट की जाती हैं ताकि उनके अधिकार का दुरूपयोग नहीं हो सके। अंतिम संस्कार में पोप के शव को सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित करते हुए श्रद्धालुओं को अंतिम प्रणाम दिया जाता है। फिर उनका दफ़न किया जाता है, जिसमें लोग उनकी आत्मा की शांति की कामना करते हैं। ये रसमें वेटिकन की सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और एक गहरे दु:ख के साथ संपन्न होती हैं।

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी ने ट्रंप प्रशासन के खिलाफ मुकदमा दायर किया

वॉशिंगटन,22 अप्रैल (एजेंसियां)।

दुनिया के प्रमुख प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में से एक हार्वर्ड यूनिवर्सिटी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के खिलाफ सोमवार को संघीय न्यायालय में मुकदमा दायर किया है। हार्वर्ड की गिनती दुनिया के सबसे धनी विश्वविद्यालयों में होती है। यह मुकदमा उच्च शिक्षा और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच चल रही लड़ाई के एक बड़े विस्तार का संकेत देता है।

संयुक्त राज्य अमेरिका के सभी प्रमुख अखबारों में आज इस मुकदमे की चर्चा है। न्यूयॉर्क टाइम्स व अन्य समाचार पत्रों के अलावा हार्वर्ड विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के अखबार द हार्वर्ड क्रिमसन ने इस मुकदमे की विस्तार से जानकारी दी है। द हार्वर्ड क्रिमसन के अनुसार, हार्वर्ड ने 2.2 बिलियन डॉलर के फंडिंग फ्रीज को लेकर ट्रंप प्रशासन पर मुकदमा दायर किया है। साथ ही व्हाइट हाउस पर हार्वर्ड को उसके संवैधानिक अधिकारों की रक्षा करने के लिए दंडित करने के लिए मनमाना और असंवैधानिक अभियान चलाने का आरोप लगाया गया है। उल्लेखनीय है कि ट्रंप प्रशासन ने मुकदमा दायर करने से एक दिन पहले हार्वर्ड से संघीय अनुदान और अनुबंधों में एक और एक बिलियन डॉलर की कटौती करने की घोषणा की। यह पिछले सप्ताह घोषित 2.2 बिलियन डॉलर की मौजूदा कटौती के अतिरिक्त है।

संयुक्त राज्य अमेरिका की जिला अदालत में दायर की गई 51 पृष्ठ की शिकायत में 2.2 बिलियन डॉलर की रकम को फ्रीज करने से रोकने और फैसले को गैरकानूनी घोषित करने की मांग की गई है। शिकायत में कहा गया है, हम इस सच्चाई के लिए खड़े हैं कि देश भर के कॉलेज और विश्वविद्यालय अपने कानूनी दायित्वों को स्वीकार कर सकते हैं और उनका सम्मान कर सकते हैं और अनुचित सरकारी हस्तक्षेप के बिना समाज में अपनी आवश्यक भूमिका को सर्वोत्तम तरीके से पूरा कर सकते हैं। हार्वर्ड विश्वविद्यालय के अध्यक्ष एलन एम. गार्बर 76 ने सोमवार दोपहर अपने सहयोगियों को एक संदेश में इस मुकदमे की जानकारी दी।

विश्वविद्यालय ने संघीय एजेंसियों पर नागरिक अधिकार अधिनियम के शीर्षक छह के तहत कानूनी रूप से आवश्यक प्रक्रियाओं को दरकिनार करने का भी आरोप लगाया है। गार्बर का आरोप है कि ट्रंप प्रशासन ने कैंपस में यहूदी विरोधी भावना की चिंताओं को बहाने यह सब किया है। किसी भी तरह की दंडात्मक कार्रवाई करने से पहले कानून का पालन जरूरी है। गार्बर ने अपने संदेश में यहूदी विरोधी भावना और इस्लामोफोबिया से निपटने पर दो राष्ट्रपति कार्य बलों की लंबे समय से प्रतीक्षित अंतिम रिपोर्ट जल्द जारी करने का भी वादा किया है। अदालत में हार्वर्ड का प्रतिनिधित्व रॉबर्ट के. हूर 95 और विलियम ए. बर्क करेंगे। दोनों ही वकील राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से गहरे संबंध रखते हैं। हूर को ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल में यूनाइटेड स्टेट्स डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस में नियुक्त किया था। बर्क ने ट्रंप ऑर्गनाइजेशन के लिए वकील के रूप में काम किया है। मुकदमे के अनुसार, रोप्स एंड ग्रे और लेहटोस्की केलर कोहन लॉ फर्म से जुड़े वकील भी हार्वर्ड का प्रतिनिधित्व करेंगे।

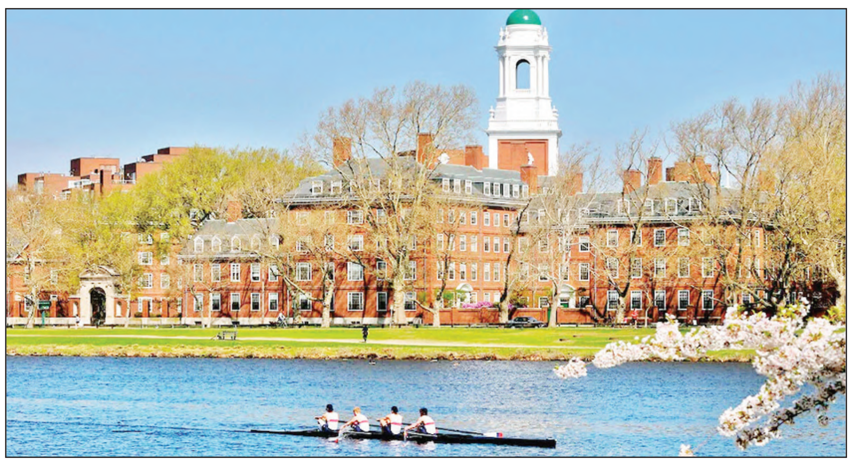

महिला को ओरल एलर्जी सिंड्रोम, हरी सब्जी खाते ही हो जाएगी मौत

लंदन। आपको जानकार हैरानी होगी कि इस महिला ने 20 सालों से हरी सब्जी नहीं खाई है और न ही कोई ताजा फल का स्वाद चखा है। क्योंकि महिला ने अगर ऐसा किया, तब वहां उसके लिए जानलेवा साबित होगा। वेस्ट मिडलैंड्स की 27 साल की क्लोई रईसबेक को ओरल एलर्जी सिंड्रोम है। क्लोई का कहना है कि फल और सब्जी का एक निवाला भी उसकी जान ले सकता है। जनवरी 2005 में जब उसकी उम्र सात साल की थी, तब क्लोई को ओरल एलर्जी सिंड्रोम (ओएएस) का पता चला। रिपोर्ट के मुताबिक, महिला को पहली बार तब अहसास हुआ कि कुछ गड़बड़ है, जब स्कूल में आडू खाने से उसके होंठ सूज गए और गले में खुजली होने लगी। तब महिला ने स्कूल की नर्सों से मदद मांगी। यह महसूस करने के बाद भी इस बात को गंभीरता से नहीं लिया गया। सेब खाया और उसमें वहीं दर्दनाक लक्षण दिखे। यह एक एनाफाइलैक्टिक शॉक था। इसके बाद महिला को डॉक्टर के पास ले जाया गया, जहां रक्त परीक्षण से पुष्टि हुई कि एलर्जी है। फिर एलर्जी विशेषज्ञ के पास भेजा गया। इसके बाद डॉक्टर ने त्वचा परीक्षण के बाद खाद्य पदार्थों से होने वाली प्रतिक्रियाओं की पूरी सूची सामने आने के बाद ओएएस से पीड़ित बताया। क्लोई को अब 15 विभिन्न फलों, सब्जियों और मेवों से एलर्जी है, जिसमें केला, कीवी, गाजर, बादाम और शिमला मिर्च शामिल हैं। महिला ने 20 वर्षों से इन सब चीजों को नहीं खाया है।

पूर्व सीनेटर बॉब मेनेंडेज की पत्नी नादिन मेनेंडेज भी संघीय रिश्वतखोरी की दोषी

वाशिंगटन,22 अप्रैल (एजेंसियां)।

न्यू जर्सी के पूर्व सीनेटर बॉब मेनेंडेज की पत्नी नादिन मेनेंडेज भी संघीय रिश्वतखोरी की दोषी पाई गई हैं। जूरी ने उनके पति की तरह उन्हें भी इसी तरह के अपराधों में दोषी ठहराया है। संघीय वकीलों ने तर्क दिया कि दोनों अपराध में भागीदार रहे हैं। दोनों पर आरोप है कि उन्होंने राजनीतिक उपकार करने के बदले नकदी, सोने की छड़ें और एक लक्जरी कार स्वीकार की। सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष ने तर्क दिया कि इस बात का कोई सबूत नहीं है कि नादिन मेनेंडेज अपने पति की योजना में शामिल थीं। जूरी ने शुक्रवार दोपहर को विचार-विमर्श शुरू किया और सोमवार दोपहर अपना फैसला सुनाया। नादिन मेनेंडेज को जून में सजा सुनाई जाएगी। जून में ही उनके पति बॉब को 11 साल की सजा काटने के लिए जेल जाना होगा। नादिन मेनेंडेज ने रिश्वतखोरी की साजिश, ईमानदार सेवाओं के लिए धोखाधड़ी की साजिश और आधिकारिक अधिकार के नाम पर जबरन वसूली की साजिश समेत 15 आरोपों में खुद को निर्दोष बताया। इनमें से कई आरोपों में अधिकतम 20 साल की जेल की सजा हो सकती है। बॉब मेनेंडेज को पिछले साल संघीय भ्रष्टाचार के मुकदमे में सभी 16 मामलों में दोषी पाए जाने के बाद जनवरी में 11 साल की जेल की सजा सुनाई गई थी। इसी के साथ वह विदेशी एजेंट के रूप में काम करने के लिए दोषी पाए जाने वाले कांग्रेस के पहले मौजूदा सदस्य बन गए। जूरी ने उन्हें न्यू जर्सी के तीन व्यवसायियों से सैकड़ों हजार डॉलर की रिश्वत लेने का दोषी पाया। इसमें सोना, नकदी, मर्सिडीज-बेंज कन्वर्टिबल कार, नादिन मेनेंडेज के घर के लिए भुगतान और अन्य आरोपों में दोषी ठहराया गया है। इस फैसले के बाद कार्यवाहक अमेरिकी अटॉर्नी मैथ्यू पोडोल्स्की ने बयान में कहा कि नादिन मेनेंडेज और सीनेटर मेनेंडेज अपराध में बराबर के भागीदार थे। पांच वर्षों की अवधि में नादिन मेनेंडेज ने सभी प्रकार की रिश्वत स्वीकार की। संघीय अभियोजकों के अनुसार, 2018 में नादिन मेनेंडेज ने मिस्र के खुफिया और सैन्य अधिकारियों को तत्कालीन सीनेटर बॉब मेनेंडेज से मिलवाया था। उन्होंने मिस्र को लाभ पहुंचाने के लिए अपने पति के कार्यों के बदले में रिश्वत स्वीकार की।

इजरायली हमले के बाद लगी आग को बुझाते दमकलकर्मी

गाजा में इजरायली हमले के बाद लगी आग को बुझाने पानी डालते हुए दमकलकर्मी।

दक्षिण कोरिया में चीन के दो नागरिक अमेरिकी सैन्य सुविधा के पास फिल्म बनाते गिरफ्तार

सियोल,22 अप्रैल (एजेंसियां)।

दक्षिण कोरिया के ग्योंगगी प्रांत के प्योंगटेक में सोमवार को चीन के दो नागरिकों को एक अमेरिकी सैन्य सुविधा के पास फिल्म बनाते हुए पकड़ा गया। एक महीने पहले भी चीन के दो नागरिकों को ग्योंगगी प्रांत के सुवन में एक एयर बेस के पास विमान की तस्वीरें लेते हुए पाया गया था।

प्योंगटेक राजधानी सियोल से लगभग 70 किलोमीटर दक्षिण में है। ग्योंगगी नंबू प्रांतीय पुलिस एजेंसी के सुरक्षा जांच प्रभाग ने कहा कि सैन्य सुविधा संरक्षण अधिनियम का उल्लंघन करने के संदेह में दोनों को हिरासत में लेने के बाद गिरफ्तार कर लिया गया।

इन संदिग्धों ने सोमवार सुबह करीब 9 बजे ओसान एयर बेस (इसे के-55 के नाम से भी जाना जाता है) के पास अनधिकृत तस्वीरें लीं। इस्तेमाल किए गए उपकरणों या कैप्चर की गई विशिष्ट सुविधाओं के बारे में विवरण का खुलासा नहीं किया गया। पुलिस ने कहा कि इसके बाद राष्ट्रीय खुफिया सेवा और रक्षा प्रति-खुफिया कमान के सहयोग से जांच की गई।

उल्लेखनीय है कि पिछले महीने भी चीन के किशोरों को डीएसएलआर कैमरों और स्मार्टफ़ोन का उपयोग करके सुवन एयर बेस के पास उड़ान भरने और उतरने वाले विमानों की तस्वीरें लेते हुए पकड़ा गया था। उन्होंने चार सैन्य सुविधाओं पर हजारों तस्वीरें ली थीं। इनमें प्योंगटेक में अमेरिकी बेस और उत्तरी चुंगचियोंग प्रांत के चेओंगजू में एक एयर बेस शामिल है। इनमें से एक किशोर का पिता चीन के सार्वजनिक सुरक्षा ब्यूरो में अधिकारी है। इस किशोर के खिलाफ मामला भी दर्ज किया गया था।

रूस-यूक्रेन तनावः अमेरिका की कोशिश सुलझाने की, पुतिन ने किए खुलासे

लंदन में मीटिंग करने वाले थे जेलेंस्की, पुतिन ने पहले ही पलट दिया सारा खेल

मॉस्को,21 अप्रैल (एजेंसियां)।

रूस और यूक्रेन के बीच बढ़ते जंगी तनाव को सुलझाने की दिशा में अमेरिकी सरकार ने कदम बढ़ाया है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन के साथ द्विपक्षीय वार्ता का प्रस्ताव रखा है, जो तनाव कम करने की संकेत देता है। इसके साथ ही, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने लंदन वार्ता की घोषणा की है, जो पश्चिमी देशों के साथ मुलाकात के लिए होगी। पुतिन ने बताया कि रूस शांति की पहल के लिए तैयार है, जबकि ज़ेलेंस्की ने जताया कि उनकी सेना तैयार है हर संभव उत्तर के लिए। इस नए दौर में, क्या होगा दोनों देशों के बीच पुतिन ने एक रूसी सरकारी टीवी रिपोर्टर से बात करते हुए कहा कि उनके आश्चर्यजनक 30 घंटे के ईस्टर सीजफायर के बाद लड़ाई फिर से शुरू हो गई है, जिसे उन्होंने शनिवार को एकतरफा घोषित किया था! दोनों देशों ने एक-दूसरे पर पुतिन के सीजफायर का उल्लंघन करने का आरोप लगाया, जिसे कीव ने शुरू से ही एक दिखावा मानकर खारिज कर दिया था!

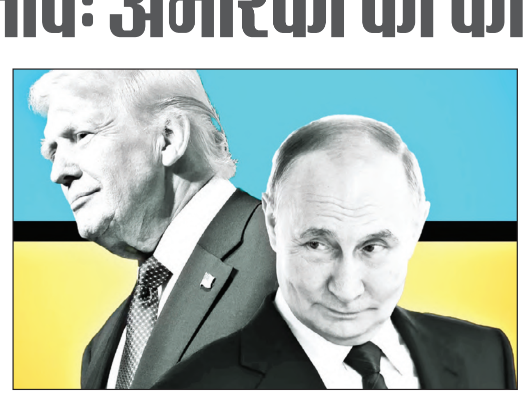

वॉशिंगटन ने कहा कि वह सीजफायर के आगे बढ़ने का स्वागत करेगा! ज़ेलेंस्की, जिन्होंने इसे सिविलियन टारगेट्स पर 30-दिन के सीजफायर तक बढ़ाने की मांग की है, ने कहा कि रविवार के युद्धविराम के दौरान जारी रूसी हमले दिखाते हैं कि मॉस्को युद्ध को लंबा खींचने का इरादा रखता है! वहीं अपने बयानों में पुतिन ने कहा कि मॉस्को किसी भी शांति पहल के लिए तैयार है और वह कीव से भी यही उम्मीद करता है! क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने एक समाचार एजेंसी के अनुसार पत्रकारों से कहा कि जब राष्ट्रपति ने कहा कि नागरिक ठिकानों पर हमला न करने के मुद्दे पर चर्चा करना संभव है, जिसमें द्विपक्षीय वार्ता करना भी शामिल है।

भाई, भारत में ही रहो, छोटा सा बिज़नेस करो, ज्यादा पैसा कमाओगे

वाशिंगटन। अमेरिका दुनिया के नज़र में सपनों का देश है। दुनिया के हर कोने से लोग यहां बसना चाहते हैं। फिर चाहे वो नौकरी के जरिए हो या अमेरिका आकर एजुकेशन के लिए हो। अमेरिका ड्रीम हासिल करने के लिए वह कुछ भी करने को तैयार हैं। अमेरिका में एजुकेशन हासिल करने के लिए करोड़ों खर्च करने को तैयार होते हैं, इस उम्मीद लिए कि इसके जरिए उन्हें अमेरिका में रहने का मौका मिल जाएगा, लेकिन सोशल मीडिया पर वायरल पोस्ट में भारतीय को अमेरिका में ना आने की सलाह दे रहा है। एक भारतीय छात्र ने अमेरिका जाकर पढ़ाई करने वालों को चेताया, बताई सच्चाई एक पोस्ट वायरल हो रही है, जिसमें एक भारतीय छात्र ने अमेरिका जाकर पढ़ाई करने वालों को चेता रहा है, जिसमें वह कह रहा है कि अभी अमेरिका मत आओ, यहां इंटरनेशनल स्टूडेंट के लिए नौकरी मिलना मुश्किल हो गया है। पोस्ट में बताया कि वह 2010 के दशक की शुरुआत में अमेरिका आया था, जब टेक इंडस्ट्री बूम पर थी और नौकरियों की भरमार थी, लेकिन आज हालात बदल चुके हैं। महामारी के बाद अमेरिका बहुत महंगा हो गया है। कुछ चीज़ों की कीमतें तो 2019 से दोगुनी हो गई हैं। पोस्ट में साफ कहा गया है कि अमेरिकन यूनिवर्सिटी को 70 लाख रुपए देकर पढ़ाई करने मत आओ। अगर माता-पिता आसानी से 80-100 हजार डॉलर दे सकते हैं तो ठीक है, वरना उनका घर गिरवी रखकर लोन मत लो। भारत में ही रहो, छोटा सा बिज़नेस करो, ज्यादा पैसा कमाओगे। वहीं कुछ यूज़र्स ने पुराने माइग्रेशन वेव पर सवाल उठाए। एक यूज़र ने लिखा कि 2000 डॉलर में जो भारतीय आए थे, वे खुद अनस्किल्ड थे और आज वही सबसे ज्यादा भेदभाव करते हैं। एक और यूज़र ने कहा कि अगर आप भारत में नौकरी नहीं पा सकते, तो अमेरिका में सर्वाइव करना और मुश्किल है।

लॉरियस अवॉर्ड्स 2025 : वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए डुप्लांटिस और सिमोन बाइल्स, राफेल नडाल को मिला खेल आइकन सम्मान

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (एजेंसियां)।

मैड्रिड में सोमवार को आयोजित हुए 2025 लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवॉर्ड्स में खेल जगत की कई बड़ी हस्तियों को सम्मानित किया गया। इस समारोह में स्वीडन के पोल वॉल्ट खिलाड़ी आर्मंड डुप्लांटिस और अमेरिका की दिग्गज जिम्नास्ट सिमोन बाइल्स ने क्रमश: वर्ष के सर्वश्रेष्ठ पुरूष और महिला खिलाड़ी का पुरस्कार जीता। डबल ओलंपिक चैंपियन और विश्व रिकॉर्डधारी आर्मंड डुप्लांटिस को साल के सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी का पुरस्कार प्रदान किया गया। 25 वर्षीय डुप्लांटिस ने टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच, फॉर्मूला वन विश्व चैंपियन मैक्स वेरस्टापेन और फ्रांस के तैराक लियोन मार्चांद को पीछे छोड़ते हुए यह सम्मान हासिल किया। एथलेटिक्स में यह पुरस्कार पाने वाले वह यूसेन बोल्ट के बाद दूसरे खिलाड़ी बने। अमेरिका की प्रसिद्ध जिम्नास्ट सिमोन बाइल्स को साल की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी का पुरस्कार मिला। बाइल्स ने पेरिस ओलंपिक में तीन स्वर्ण और एक रजत पदक जीतकर यह उपलब्धि प्राप्त की। बाइल्स ने यह पुरस्कार चौथी बार जीतकर सेरेना विलियम्स के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। उन्होंने कहा, 2017 में मैंने यह पुरस्कार पहली बार जीता था और तब से लॉरियस मेरी कहानी का हिस्सा रहा है। हो सकता है, कोई छोटी बच्ची मुझे टीवी पर देखकर यह सोच ले कि वह भी यह कर सकती है।

राफेल नडाल को मिला खेल आइकन सम्मान – टेनिस के दिग्गज खिलाड़ी राफेल नडाल को उनके शानदार करियर के लिए खेल आइकन सम्मान से नवाजा गया। नडाल ने पिछले वर्ष नवंबर में 38 वर्ष की उम्र में टेनिस से संन्यास लिया था। मैड्रिड में हुए इस भव्य समारोह ने लॉरियस अवॉर्ड्स की 25वीं वर्षगांठ को बेहद खास बना दिया। दुनिया के दिग्गज खिलाड़ियों को एक मंच पर देखना खेल प्रेमियों के लिए भी अविस्मरणीय अनुभव रहा।

अन्य पुरस्कार विजेता

साल की सर्वश्रेष्ठ टीम : रियल मैड्रिड (15वीं बार चैंपियंस लीग और ला लीगा खिताब जीतने पर)

साल का सर्वश्रेष्ठ उभरता खिलाड़ी : लामिन यमाल (17 वर्ष की उम्र में स्पेन को यूरो 2024 जिताने वाले खिलाड़ी)

साल की शानदार वापसी : रेबेका आंद्राडे (पेरिस ओलंपिक में फ्लोर इवेंट में स्वर्ण पदक जीतने पर)

विकलांग वर्ग के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी : जियांग युयेन

सर्वश्रेष्ठ एक्शन खेल खिलाड़ी : टॉम पिडकॉक

खेल के माध्यम से समाज सेवा सम्मान : किक फॉर लाइफ।

न्यूज ब्रीफ

प्रीति जिंटा को अपने बच्चों की तस्वीर दिखा रहे विराट !

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ओर से खेल रहे अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली

अपने परिवार से हमेशा जुड़े रहते हैं। अब आईपीएल का एक विडियो सामने आया है इसमें विराट पंजाब किंग्स की सहमालिक अभिनेत्री प्रीति जिंटा को अपने बच्चों की तस्वीर दिखाते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो में प्रीति जिंटा के हाथ में फोन हैं और विराट उन्हें कुछ बताते नजर आ रहे हैं। ये वायरल क्लिप्स रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और पंजाब किंग्स के बीच मैच के बाद की है। इसमें प्रीति विराट को बधाई देती दिखती हैं। इसके बाद प्रीति बड़े प्यार से फोन देख रही होती हैं। विराट कुछ बोलते हैं तो प्रीति जोर से हंसने लगती हैं। लोग विराट और प्रीति के बीच इस बातचीत को अच्छे पल बता रहे हैं। वहीं कई लोग अंदाजा लगाने के प्रयास कर रहे थे कि प्रीति और विराट फोन में क्या देख रहे हैं। कुछ लोगों को लग रहा है कि फोन विराट का है और वह इसमें प्रीति को अपने बच्चों की तस्वीर दिखा रहे हैं। वहीं कुछ को लग रहा है कि फोन प्रीति का है जिसमें मैच से जुड़ा कुछ देखकर दोनों हंस रहे हैं। एक ने कमेंट किया है, ऐसा क्यों लग रहा है कि विराट प्रीति को अपने बेटे अकाय की तस्वीर दिखा रहे हैं। एक ने लिखा है, पक्का बच्चों की तस्वीर दिखा रहे हैं।

पूर्व क्रिकेटर अमित मिश्रा पर पत्नी ने लगाये घरेलू हिंसा ओर दहेज उत्पीड़न के आरोप

मुम्बई। भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर अमित मिश्रा पर उनकी पत्नी ने घरेलू हिंसा ओर दहेज उत्पीड़न के

गंभीर आरोप लगाये हैं साथ ही एक करोड़ का मुआवजा मांगा है। इस मामले में अब 26 मई को अदालत में सुनवाई होगी। स्पिनर अमित की पत्नी गरिमा मिश्रा ने आरोप लगा है कि दहेज के रुप में 10 लाख नकद और एक कार की मांग अमित और उनके परिवार ने की थी। उन्होंने यह भी कहा कि मांग पूरी नहीं होने के कारण उनकी विदाई नहीं हो पायी थी। गरिमा ने अपनी शिकायत में कहा है कि अमित उनसे मारपीट करते थे और उन्हें अपशब्द कहते थे। इसके अलावा वह सोशल मीडिया के जरिये अन्य महिलाओं से बातें करते थे और उन्हें तलाक की धमकी देते थे। गरिमा ने कहा कि जो भी पैसे वह मॉडलिंग से कमाती थीं, अमित वह भी जबरदस्ती ले लेते थे। साथ ही कहा कि उनका दूसरी महिलाओं के साथ संबंध था। इस मामले में अमित के अलावा उनके पिता , मां , जेठ , जेठानी और बहन को भी आरोपी बनाया गया है। सभी पर दहेज उत्पीड़न और घरेलू हिंसा के आरोप लगाये हैं। कोर्ट ने सभी आरोपियों को नोटिस जारी किया है और उन्हें अगली सुनवाई पर उपस्थित होने का निर्देश दिया है। अमित ने भारत की ओर से खेलने के साथ ही कई आईपीएल टीमों से भी खेला है।

विजडन ने बुमराह और मंधाना सहित पांच अन्य क्रिकेटरों को सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर अवार्ड से सम्मानित किया

लंदन। विजडन ने भारत के जसप्रीत बुमराह और स्मृति मंधाना के अलावा पांच अन्य क्रिकेटरों को साल 2024 के विश्व के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटरों में शामिल किया है। बुमराह को पुरुष जबकि मंधाना को महिला वर्ग में से सम्मान मिला है, वहीं अन्य पांच क्रिकेटर इंग्लैंड के हैं। विजडन क्रिकेटर्स अलमानैक ने ये घोषणा की है। मंधाना को दूसरी बार यह सम्मान मिला है और वह ये उपलब्धि हासिल करनी वाली पहली भारतीय महिला क्रिकेटर हैं। इससे पहले 2018 में भी उन्हें यह अवॉर्ड मिला था। मंधाना को यह खिताब इसलिए मिला क्योंकि उन्होंने साल 2024 में 1659 रन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बनाये थे। वह महिला क्रिकेट में एक साल में सबसे ज्यादा रन हैं। उन्होंने एकदिवसीय में चार शतक भी लगाए थे। उन्होंने टी20 में 763 रन बनाए और एकदिवसीय में 747 रन बनाए। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उन्होंने तीन एकदिवसीय में 117, 136 और 90 रन बनाए। यह एक द्विपक्षीय सीरीज में 343 रन का रिकॉर्ड है। उन्होंने एक टेस्ट में 149 रन भी बनाए हैं। दूसरी ओर बुमराह को पुरुष वर्ग के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर होने का अवार्ड उनके तीनों प्रारुपों में अच्छे प्रदर्शन के लिए दिया गया है। उन्होंने साल 2024 में 14.92 की औसत से 71 टेस्ट विकेट लिए। यह किसी भी गेंदबाज का एक साल में सबसे कम औसत है। उन्होंने कई मैचों में भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई । विशाखापत्तनम में उन्होंने इंग्लैंड के शीर्ष क्रम को समेट लिया था। वहीं टी20 विश्व कप फाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच विजेता गेंदबाजी की।

दिल्ली कैपिटल्स ने लखनऊ को आठ विकेट से हराया

राहुल और अभिषेक पोरेल ने जड़े अर्धशतक

लखनऊ, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 में ऋषभ पंत के साथ कुछ भी ठीक नहीं हुआ है। पूरे सीजन में ना तो पंत की बल्लेबाजी और ना ही उनकी कप्तानी चल पाई है। जिसके चलते लगातार पंत सवालों के घेरे में हैं। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ एक मौका ऐसा आया जब पंत अपनी ही टीम के खिलाड़ी पर गुस्सा हो गए। यहां तक की पंत ने उस खिलाड़ी को मारने के लिए थप्पड़ भी दिखाया।मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए लखनऊ ने 159 रन बनाए। जवाब में डीसी ने शानदार शुरुआत की, लेकिन पावरप्ले में करुण नायर का विकेट गिर गया, जिससे लखनऊ की उम्मीदें बढ़ गईं। फिर 7वें ओवर की आखिरी गेंद पर दिग्वेश राठी की एक गेंद पर लखनऊ की टीम ने केएल राहुल को एलबीडब्ल्यू आउट करने के लिए जोरदार अपील की। लेकिन अंपायर ने राहुल को नॉट आउट दे दिया। पहले देखने पर ऐसा लग रहा था कि गेंद विकेट के बाहर लग रही है और पंत भी डीआरएस लेने में रुचि नहीं दिखा रहे थे। लेकिन दिग्वेश रिव्यू लेने में रुचि रखते थे और उन्होंने पंत को रिव्यू लेने के लिए मजबूर कर दिया। इस बीच, रीप्ले से पता चला कि गेंद विकेट के बाहर लगी थी और एलएसजी ने रिव्यू खो दिया। इस बीच, गुस्से में पंत ने दिग्वेश को डांटा और दिग्वेश को थप्पड़ मारने की कोशिश भी की।इससे पहले लखनऊ की टीम जब बल्लेबाजी कर रही थी तो ऋषभ पंत बल्ले से भी पूरी तरह फ्लॉप रहे थे। पंत आखिरी ओवर में बल्लेबाजी के लिए आए और सिर्फ 2 गेंद खेलकर बिना खाता खोले आउट हो गए। इसके बाद पंत को जमकर सोशल मीडिया पर ट्रोल किया जा रहा है।मैच में लखनऊ ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट खोकर सिर्फ 159 रन बनाए थे। एडन मार्करम और मिचेल मार्श ने पहले विकेट के लिए 10 ओवर में 87 रन जोड़े। इस साझेदारी के टूटने के बाद लखनऊ का मिडिल ऑर्डर कुछ खास नहीं कर पाया। आखिर में आयुष बदोनी ने 21 गेंदों पर 36 रन बनाकर टीम को जैसे-तैसे 159 के स्कोर तक पहुंचाया।

स्टैंड से अपना नाम हटाये जाने के फैसले से बौखलाये हुए हैं अजरुद्दीन

हैदराबाद, 22 अप्रैल (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रहे मोहम्मद अजरुद्दीन आजकर बेहद नाराज है और इसका कारण हैदराबाद क्रिकेट संघ (एचसीए) का एक फैसला है जिसमे राजीव गांधी स्टेडियम में उनके नाम से बने स्टैंड को हटाने की बात कही गयी है। अजहरुद्दीन ने इसे अपना अपमान बताते हुए अदालत का भी दरवाजा खटखटाने की बात कही है। उन्होंने इस मामले में बीसीसीआई से भी हैदराबाद संघ पर दबाव डालने की अपील भी की है। अजरुद्दीन को अब इस बात का भी अफसोस है कि उन्होंने क्रिकेट क्यों खेला हालांकि वह आज जो कुछ भी हैं क्रिकेट के बल पर ही हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन ने आदेश दिया है कि शहर के राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम के नॉर्थ पवैलियन स्टैंड से मोहम्मद अजरुद्दीन का नाम हटाए। यह आदेश एचसीएक के लोकपाल जस्टिस (रिटायर्ड) वी ईश्वरैया ने दिया है। इसमें लोकपाल ईश्वरैया ने अपने आदेश में एचसीए को न सिर्फ स्टैंड से अजरुद्दीन का नाम हटाने को कहा है बल्कि स्टेडियम के टिकटों से भी उनका नाम हटाने को कहा है। उन्होंने एचसएई को यह सुनिश्चित

बोले, क्रिकेट खेलने का अफसोस हो रहा

करने के लिए कहा है कि आगे से किसी भी टिकट पर अजहरुद्दीन का नाम नहीं होना चाहिए। ऐसे में राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में आईपीएल के होने वाले मैचों में भी टिकट पर अजहर का नाम नहीं रहेगा। अजहरुद्दीन एचसीए के अध्यक्ष रह चुके हैं। उन पर आरोप है कि उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान बिना तय प्रक्रिया का पालन किए अपने पक्ष में फैसले लिए। जस्टिस ईश्वरैया ने अपने आदेश में कहा है कि यह मामला पूरी तरह से हितों के टकराव का है। उन्होंने अजहर के खिलाफ शिकायत को सही पाया है। एचसीए के लोकपाल को लॉर्ड्स क्रिकेट क्लब की तरफ से एक औपचारिक शिकायत मिली थी। शिकायत में गंभीर आरोप लगाया गया था कि एचसीए का अध्यक्ष रहते अजहर ने निष्पक्षता के सिद्धांत को पीछे करते हुए अपने फायदा के फैसले लिए। क्लब ने नॉर्थ पवैलियन से अजहरुद्दीन के नाम को हटाकर उसे वीवीएस लक्ष्मण के सम्मान में उनके नाम पर रखने की भी गुहार लगाई है।

कप्तानी पर फैसला रोहित स्वयं करें : स्टीव वॉ

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान स्टीव वॉ ने कहा है कि भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा को ये स्वयं तया करना होगा कि वह आगे भी कप्तानी संभालेंगे या नहीं। वॉ ने कहा कि अपने भविष्य पर रोहित को खुल ही फैसला लेना होगा। पिछले कुछ समय में रोहित बड़ी पारियां नहीं खेलने के कारण निशाने पर रहे हैं। उनकी उम भी बढ़ती जा रही है। आईपीएल में भी वह अब तक एक ही अर्धशतक लगा सके हैं। वॉ ने कहा कि रोहित शर्मा अगर भारतीय क्रिकेट में बने रहना चाहते हैं तो उन्हें आराम नहीं बैठते हुए कड़ा अभ्यास करते रहना होगा। साथ ही कहा कि उन्हें जून में होने वाले इंग्लैंड दौरे से पहले कप्तानी पर फैसला लेना होगा। भारतीय टीम को इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट खेलने हैं। भारतीय टीम जून में इंग्लैंड के साथ सीरीज के साथ ही 2025-27 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र की शुरुआत करेगी। वॉ ने कहा कि यह पूरी तरह से रोहित पर ही निर्भर है। उन्होंने कहा कि वह अकेले ही इस समस्या का समाधान कर सकते हैं।

केकेआर की बल्लेबाज़ी पर अजिंक्य रहाणे बरसे, ब्रावो बोले- 'खिलाड़ियों ने खो दिया है आत्मविश्वास

कोलकाता, 22 अप्रैल (एजेंसियां)।

इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की मुश्किलें थमने का नाम नहीं ले रहीं। सोमवार को गुजरात टाइटंस (जीटी) के हाथों मिली 39 रन की हार के बाद कप्तान अजिंक्य रहाणे ने टीम की बल्लेबाज़ी पर सवाल उठाए। रहाणे ने कहा कि गेंदबाज़ अच्छा कर रहे हैं, लेकिन लगातार नाकाम हो रही बल्लेबाज़ी हार की वजह है। वहीं टीम के मेंटर ड्वेन ब्रावो ने भी माना कि खिलाड़ी आत्मविश्वास खो चुके हैं।

रहाणे ने बल्लेबाज़ों को ठहराया हार का ज़िम्मेदार

मैच के बाद रहाणे ने कहा, मुझे गेंदबाज़ों से कोई शिकायत नहीं है। उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया। लेकिन हमारी बल्लेबाज़ी इस पूरे टूर्नामेंट में जूझती नज़र आई है। 199 रन का लक्ष्य हासिल किया जा सकता था, लेकिन एक अच्छी शुरुआत की ज़रूरत थी, जो हम नहीं दे सके। उन्होंने आगे कहा, जब आप बड़ा स्कोर का पीछा कर रहे होते हैं, तो सलामी बल्लेबाज़ों की साझेदारी अहम होती है। यही वह क्षेत्र है, जिसमें हम पिछड़ रहे हैं। हमारी शुरुआत लगातार खराब रही है और इसका असर नतीजों पर पड़ा है।

ब्रावो ने कहा- बल्लेबाज़ खो चुके हैं आत्मविश्वास

टीम के मेंटर ड्वेन ब्रावो ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, सच्चाई यही है कि हमारी टीम ठीक से बल्लेबाज़ी नहीं कर रही है। सिर्फ आंद्रे रसेल ही नहीं, कई खिलाड़ी खराब फॉर्म में हैं। आईपीएल ऐसा टूर्नामेंट है, जहां अगर शुरुआत खराब हो जाए, तो खिलाड़ी आत्मविश्वास खो देते हैं। यही इस समय हमारे साथ हो रहा है। ब्रावो ने ये भी कहा कि रसेल को हर बार 14-15 रन प्रति ओवर की दर से बल्लेबाज़ी करनी पड़ रही है। काम सलामी बल्लेबाज़ों और ऊपरी क्रम के बल्लेबाज़ों को करना है ताकि रसेल मैच समाप्त कर सकें। हम दाएं-बाएं हाथ के बल्लेबाज़ों का संयोजन बनाकर खेलना चाहते थे, इसी वजह से अंगकृष रघुवंशी को नीचे भेजा गया। लेकिन जब खिलाड़ी लय में ना हों, तो योजनाएं भी बेअसर हो जाती हैं। लगातार विफल रही सलामी जोड़ी केकेआर के लिए सलामी जोड़ी सबसे बड़ी परेशानी रही है।

बाबा दीप सिंह बास्केटबॉल टूर्नामेंट में लेडी श्री राम कॉलेज ने की विजयी शुरुआत

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (एजेंसियां)।

लेडी श्री राम कॉलेज और रामजस कॉलेज ने मंगलवार को पीएसपीबी बाबा दीप सिंह बास्केटबॉल टूर्नामेंट में अपने अभियान की विजयी शुरुआत की है। महिला वर्ग में लेडी श्री राम कॉलेज ने किरोड़ी मल को 38-28 से हराया और प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड लेडी श्रीराम कॉलेज की अन्वी को मिला। रामजस कॉलेज ने हंसराज कॉलेज को 39-28 से हराया और रामजस कॉलेज की अनीका प्लेयर ऑफ द मैच बनीं।

पुरुष वर्ग में हंसराज कॉलेज ने रामजस कॉलेज को 54-40 से हराया और हंसराज कॉलेज के अनुभव प्लेयर ऑफ द मैच बने। किरोड़ी मल कॉलेज ने दयाल सिंह कॉलेज को 54-51 से हराया और प्लेयर ऑफ द मैच किरोड़ी मल कॉलेज के अनस बने। श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज ने

भारत अकादमी को 69 -63 से हराया और विजई टीम के नितिन हुडा को प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिला। हॉकी प्रतियोगिता के चौथे दिन पुरुष वर्ग में मैच में इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेज ने किरोड़ी मल कॉलेज को 7-0 से हराया ।इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेज की तरफ पुलकित शर्मा ने 4 गोल और गुरमुख सिंह, भूपिंदर एवं चिरंजीव ने एक-एक गोल किए। प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट के पुलकित शर्मा को मिला। महिला वर्ग में के मैच में इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेज ने भारती कॉलेज को 8-0 से हराया। विजेता टीम इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेज की तरफ से पिंकी एवं मीना ने 2-2 गोल और कंचन, अंचल, नेहा रानी और बिंदु ने एक-एक गोल किया और प्लेयर ऑफ द मैच अवार्ड इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट की पिंकी को मिला। बास्केटबॉल टूर्नामेंट का उद्घाटन मुख्य अतिथि इंटरनेशनल बास्केटबॉल कोच एंड एयरफोर्स वेटेरियन प्रदीप तोमर और मेजबान श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज के प्रिंसिपल प्रोफेसर गुरमोहिंदर सिंह ने किया।

धोनी भी मानने लगे हैं सीएसके अब प्लेऑफ में नहीं पहुंच सकती : रायुडू

मुम्बई। पूर्व क्रिकेटर अंबाती रायुडू ने कहा है कि चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) इस बार प्लेऑफ में नहीं पहुंच सकेगी और ये बात उसकी कप्तानी संभाल रहे महेन्द्र सिंह धोनी ने भी अब मान ली है। सीएसके की टीम अब तक 8 में

से 6 मैच हारी है। इससे भी उसके प्लेऑफ में पहुंचने की संभावना तकरीबन खत्म हो गयी है। टीम की मुम्बई इंडियंस से हार के बाद रायुडू ने कहा, मुझे नहीं लगता कि वे इस सत्र में सीएसके वापसी करेगी। यहां तक कि धोनी ने भी मैच के बाद कहा है कि अब वे अगले सत्र के लिए टीम को तैयार करेंगे। हैं। उनका लक्ष्य नये खिलाड़ियों को तैयार करना है जो निडर होकर खेल सकें। इसी कारण बचे हुए मैचों में टीम युवा आयुष म्हात्रे जैसे किसी खिलाड़ी को अवसर देगीहै। लंबे समय तक सीएसके से खेले रायुडू ने कहा कि सीएसके में मुंबई के खिलाफ मुकाबले में जुनून की कमी दिखी। उन्होंने कहा, बीच के ओवरों में लगभग सात ओवरों में केवल 35 रन बने, जिससे टीम को नुकसान हुआ। टी20 क्रिकेट में अब कोई भी इस तरह नहीं खेलता। खेल विकसित हो चुका है और बीच के ओवरों में भी टीमों को अच्छे स्ट्राइक रेट से रन बनाने की जरूरत होती है। सीएसके इच्छा शक्ति की कमी रही। आप मैच हार सकते हैं पर आपको लड़ना होगा। आप किसी चरण में आसानी से जीत नहीं सकते।

शुभ लाभ — खबरें जो सोच बदल दे

फ्लिपकार्ट आईपीओ से पहले अपना मुख्यालय सिंगापुर से भारत में करेगा स्थानांतरित

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (एजेंसियां)। वॉलमार्ट के स्वामित्व वाली ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट भारत में घर वापसी की तैयारी कर रही है। देश की प्रमुख ई-कॉमर्स कंपनियों में से एक फ्लिपकार्ट कई सालों तक सिंगापुर में परिचालन करने के बाद अब अपना मुख्यालय सिंगापुर से वापस भारत ला रही है। क्योंकि वह अगले साल भारतीय शेयर बाजार में आईपीओ लाने की तैयारी कर रही है।

फ्लिपकार्ट ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि वह अपना मुख्यालय सिंगापुर से भारत में स्थापित करेगी। इस कदम को देश में संभावित सार्वजनिक सूचीबद्धता की दिशा में एक कदम के रूप में देखा जा सकता है। इसकी मूल कंपनी वॉलमार्ट 17 साल पुरानी कंपनी को सार्वजनिक करने का लक्ष्य बना रही है। वर्तमान में फ्लिपकार्ट का मुख्यालय सिंगापुर में स्थित है।

कंपनी ने कहा कि भारत में जन्मी और विकास करने वाली कंपनी के रूप में यह बदलाव हमारे ग्राहकों, विक्रेताओं, भागीदारों और समुदायों की सेवा करने में हमारे ध्यान और तत्परता को और बढ़ाएगा, ताकि देश की बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था और उद्यमिता में योगदान जारी रखा जा सके। अब भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है और घरेलू तकनीकी फॉर्म में निवेशकों के दिलचस्पी बढ़ रही है, जिसके कारण फ्लिपकार्ट ने भारत वापस लौटने का फैसला किया है। फ्लिपकार्ट की भारत में हुई थी शुरुआत फ्लिपकार्ट की शुरुआत साल 2007 में बेंगलुरु में हुई थी लेकिन साल 2011 में विदेशी पूंजी को आकर्षित करने, टैक्स लाभों का फायदा लेने जैसे कई महत्वपूर्ण बिंदुओं के कारण कंपनी ने अपना हेड ऑफिस सिंगापुर स्थानांतरित कर दिया था। सचिन बंसल और बिनी बंसल ने मिलकर एक ऑनलाइन बुक स्टोर के रूप में फ्लिपकार्ट की शुरुआत की थी, जो भारत की सबसे बड़ी ई-कॉमर्स कंपनियों में से एक है। ये कंपनी ई-कॉमर्स क्षेत्र के अन्य बड़े खिलाड़ी जैसे अमेजॉन आदि को प्रतिस्पर्धा दे रही हैं।

न्यूज़ब्रीफ

इंडिया स्टील सम्मेलन एवं प्रदर्शनी 24-26 अप्रैल तक मुंबई में, प्रधानमंत्री मोदी 24 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित करेंगे

मुंबई। मुंबई के बॉम्बे प्रदर्शनी केंद्र में 24-26 अप्रैल तक आयोजित हो रहे इस्पात क्षेत्र के अग्रदूत आयोजन इंडिया स्टील का छठा संस्करण आंखों के सामने है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 24 अप्रैल को इस कार्यक्रम को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित करेंगे। इसपात मंत्रालय ने जारी किया एक विज्ञप्ति, जिसमें इंडिया स्टील 2025 के लक्ष्यों पर चर्चा करने की घोषणा की गई है। इसमें वैश्विक हितधारकों की विकास रणनीतियों, इस्पात उत्पादन में स्थिरता, और नए तकनीकी उत्पादों की भूमिका पर विचार किया जाएगा। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री और कई राज्य के मुख्यमंत्री भी शामिल होंगे। पीयूष गोयल, अश्विनी वैष्णव, प्रह्लाद जोशी, जी. किशन रेड्डी, और भूपति राजू श्रीनिवास वर्मा कुछ नाम हैं, जो इस सम्मेलन में सक्रिय भाग लेंगे। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडनवीस, विष्णु देव साय, और मोहन चरण माझी कुछ राज्यों के मुख्यमंत्री भी उपस्थित होंगे। इस संयोजन में नई तकनीकों और संवर्धनशील उत्पादन की दिशा में महत्वपूर्ण चर्चाएं होंगी।

भारत, अमेरिका ने प्रस्तावित व्यापार समझौते के लिए संदर्भ शर्तों को अंतिम रूप दिया : यूएसटीआर

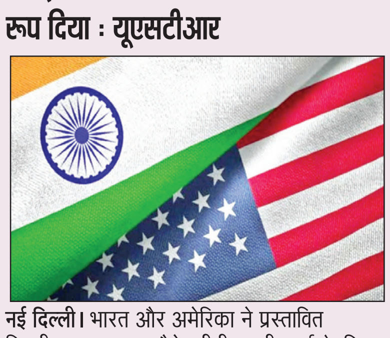

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका ने प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) की वार्ता के लिए खाका तैयार करते हुए संदर्भ की शर्तों को अंतिम रूप दे दिया है। अमेरिका ने बयान जारी कर यह कहा है कि इस वार्ता से नए बाजार खोलने और अनुचित चलन को खत्म करने में मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के बीच हुई वार्ता ने दोनों देशों के लिए व्यापारिक संबंधों में नयी दिशा स्थापित की है।

वित्त मंत्री सीतारमण की सैन फ्रांसिस्को में कारोबारी दिग्गजों से मुलाकात, निवेश व तकनीकी सहयोग पर चर्चा

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (एजेंसियां)।

केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को सैन फ्रांसिस्को में कई वरिष्ठ कारोबारी नेताओं, अधिकारियों और व्यापार जगत के दिग्गजों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजिटल इंडिया, निवेश और शिक्षा में भारत-अमेरिका सहयोग के अवसरों पर चर्चा की। इसके अलावा उन्होंने स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के हूवर इंस्टीट्यूशन में 'विकसित भारत 2047 की नींव' विषय पर मुख्य भाषण दिया। इस दौरान उन्होंने प्रोफेसर स्टीव डेविस के साथ एक फायरसाइड चैट में हिस्सा लिया।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण इन दिनों अमेरिका और पेरू की 11 दिनों की आधिकारिक दौरे पर हैं। दौरे की शुरुआत में उन्होंने कैलिफोर्निया के इस शहर में भारतीय प्रवासी समुदाय के साथ बातचीत की। सोमवार को उन्होंने कई बिजनेस लीडर्स और कॉरपोरेट एक्जीक्यूटिव्स से मुलाकात की। इस दौरान वित्त मंत्री ने सिलिकॉन वैली की वेंचर कैपिटल फर्म 165 के जनरल पार्टनर अंजनेय मिधा और टेक्नोलॉजी कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) रघु रघुराम से मुलाकात की। वित्त मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर दी गई जानकारी में बताया कि बैठक के दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में तकनीक के क्षेत्र में हो रहे अभूतपूर्व परिवर्तन पर चर्चा की। उन्होंने सुझाव दिया कि 165 और एआई के क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य और एआई सेंटर्स ऑफ एक्सीलेंस जैसे क्षेत्रों में सहयोग के अवसर तलाशने चाहिए। इस अवसर पर रघु रघुराम ने कहा कि एआई एक स्ट्रैटेजिक इंफ्रास्ट्रक्चर है और भारत इस क्षेत्र में जो काम कर रहा है, वह साफ नजर आ रहा है। वहीं, मिधा ने बताया कि उनकी कंपनी 16 अलग-अलग क्षेत्रों में इन्फ्रास्ट्रक्चर से जुड़े सेक्टोरल फंड्स के जरिए कई देशों में रियल-वर्ल्ड प्रॉब्लम्स के समाधान पर काम कर रही है। सीतारमण ने भारत की एआई पहलों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। उन्होंने इस क्षेत्र में युवाओं को स्किल्ड और ट्रेन करने की आवश्यकता पर जोर दिया और 165 को इस दिशा में सहयोग के संभावनाओं को तलाशने के लिए प्रोत्साहित किया। सीतारमण ने गूगल क्लाउड के सीईओ थॉमस कुरियन और उनकी टीम से भी मुलाकात की। इस दौरान डिजिटल इंडिया पहल के तहत हाल के वर्षों में भारत के डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर में आए बड़े बदलावों पर चर्चा हुई।

सीतारमण ने गूगल क्लाउड को प्रोत्साहित किया कि वह भारत में स्थानीय स्तर पर साझेदारियों की संभावनाएं तलाशे और मेक इन इंडिया पहल के तहत भारत और वैश्विक बाजारों के लिए तकनीक का निर्माण करे। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सैन फ्रांसिस्को में भारतीय वाणिज्य दूतावास द्वारा आयोजित लंच राउंडटेबल में हिस्सा लिया, जिसमें वित्त सचिव अजय सेठ और अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा के साथ कई पेंशन फंड मैनेजरों और अन्य संस्थागत निवेशकों ने भाग लिया। बैठक में निवेशकों ने अमेरिका और भारत के बीच गहरे और व्यापक निवेश सहयोग में अपनी रुचि और प्रतिबद्धता जाहिर की।

उल्लेखनीय है कि सैन फ्रांसिस्को के बाद वित्त मंत्री 22 से 25 अप्रैल के बीच वॉशिंगटन डीसी जाएंगी, जहां वह इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड (आईएमएफ) और वर्ल्ड बैंक की स्प्रिंग मीटिंग्स, जी-20 वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नरों की दूसरी बैठक (एफएमसीबीजी), डेवलपमेंट कमेटी प्लेनरी, आईएमएफसी प्लेनरी और ग्लोबल सॉवरेन डेट राउंडटेबल (जीएसडीआर) जैसी प्रमुख बैठकों में हिस्सा लेंगी।

डीआईएल 'बिरयानी बाई किलो' में बहुलांश हिस्सेदारी का अधिग्रहण करेगी

नई दिल्ली। देवयानी इंटरनेशनल लिमिटेड ने केएफसी, पिज्जा हट और कोस्टा कॉफी जैसी त्वरित सेवा रेस्तरां श्रृंखला को फ्रैंचाइजी समझौतों के जरिए संचालित करने वाली स्काई गेट हॉस्पिटैलिटी की देवयानी इंटरनेशनल लिमिटेड ने घरेलू श्रृंखला बिरयानी बाई किलो के अधिग्रहण की योजना की घोषणा की है। इस सामाचार के अनुसार, दी सूचनाओं के द्वारा, जयपुरिया परिवार द्वारा प्रवर्तित डीआईएल देवयानी इंटरनेशनल लिमिटेड द्वारा बहुलांश हिस्सेदारी प्राप्त की जाएगी।बिरयानी के अलावा, स्काई गेट हॉस्पिटैलिटी ने क्लाउड किचन और अन्य छोटे ब्रांड की संचालन की भी जिम्मेदारी ली है। बिरयानी बाई किलो के तहत देवयानी इंटरनेशनल लिमिटेड की विस्तृत छापा बढ़ने की उम्मीद है। उनकी पहुंच भारत, नेपाल, और नाइजीरिया के कई शहरों तक है। कंपनी ने अभी तक अधिग्रहण की मूल्य और शेयरों की संख्या का खुलासा नहीं किया है, लेकिन उन्होंने बताया कि निदेशक मंडल की मेंबर्स की बैठक 24 अप्रैल को होगी। यह बैठक मंजूरी देने और सामर्थ्य की मान्यता देने के लिए होगी, जिसमें कंपनी के इक्विटी शेयरों को जारी करने और सबसे अच्छी डील्स पर विचार करने के लिए तरजीही आधार पर निश्चित समझौतों पर चर्चा की जाएगी।

एक्टिव फंड्स ने सभी प्रमुख श्रेणियों में बेहतर प्रदर्शन किया

नई दिल्ली, 22 अप्रैल (एजेंसियां)।

वित्त वर्ष 2024-25 में एक्टिव फंड्स ने सभी प्रमुख श्रेणियों में बेहतर प्रदर्शन किया है और पैसिव फंड्स को पीछे छोड़ दिया है। मोतीलाल ओसवाल प्राइवेट वेल्थ की अप्रैल 2025 की अल्फा स्ट्रैटजिस्ट रिपोर्ट में यह ट्रेंड सामने आया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि एक्टिव स्ट्रैटजी ने न केवल बेहतर रिटर्न दिए, बल्कि उतार-चढ़ाव वाले बाजार में बेहतर रिस्क मैनेजमेंट भी दिखाया।

मोतीलाल ओसवाल का अनुमान है कि आने वाले तिमाहियों में भी एक्टिव फंड्स की यह बढ़त बनी रह सकती है। तीलाल ओसवाल प्राइवेट वेल्थ ने इक्विटी को लेकर न्यूट्रल रुख अपनाने की सलाह दी है। कंपनी का मानना है कि मौजूदा मार्केट वैल्यूएशन और उतार-चढ़ाव को देखते हुए सतर्क रुख जरूरी है। हालांकि, उन्होंने पूंजी निवेश को लेकर एक रणनीतिक अप्रोच अपनाने की सिफारिश की है।

पैसिव फंड्स को पीछे छोड़ दिया

रिपोर्ट के मुताबिक, हाइब्रिड फंड्स में निवेश के लिए एकमुश्त निवेश की स्ट्रैटेजी को प्राथमिकता दी गई है। वहीं लार्ज कैप, फ्लेक्सी कैप, मिड और स्मॉल कैप फंड्स में अगले 2-3 महीनों में धीरे-धीरे निवेश (करने की सलाह दी गई है। भारतीय इक्विटी बाजार में फिलहाल वैल्यूएशन का मिली-जुली तस्वीर देखने को मिल रहा है।

मोतीलाल ओसवाल ने एक नोट में कहा, हालिया करेक्शन को देखते हुए अगर इक्विटी में आपकी निवेश हिस्सेदारी अभी भी लक्ष्य से कम है, तो निवेशक हाइब्रिड फंड्स में लंप-सम और लार्ज कैप, फ्लेक्सी कैप, मिड और स्मॉल कैप फंड्स में अगले 2-3 महीनों के दौरान धीरे-धीरे निवेश बढ़ा सकते हैं। अगर बाजार में कोई बड़ी गिरावट आती है, तो पूंजी निवेश की रफ्तार को और तेज करना फायदेमंद हो सकता है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

एक अफसर...

किसी भी भाग में संशोधन करने का अधिकार है। तब कांग्रेस उस फैसले का साथ दे रही थी। आज कांग्रेस उसके ठीक विपरीत फैसले पर सुप्रीम कोर्ट का समर्थन कर रही है। क्योंकि आज जब वह विपक्ष में है तो उसे सुप्रीम कोर्ट का गैर लोकतांत्रिक और गैर संवैधानिक फैसला पसंद आ रहा है। आज सुप्रीम कोर्ट खुद को राष्ट्रपति और संसद के ऊपर स्थापित करने की अभद्र और अमर्यादित कोशिशें कर रहा, लेकिन कांग्रेस पार्टी को यह अभद्रता रास आ रही है।

उधर, भाजपा सांसद निशिकांत दुबे द्वारा वक्फ बोर्ड मामले में सुप्रीम कोर्ट को लेकर दिए गए बयान पर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा उनके समर्थन में सामने आए हैं। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उसके पिछले बयानों की याद दिलाते हुए नसीहत दी। साथ ही कहा भाजपा ने हमेशा न्यायपालिका और उसकी गरिमा को बनाए रखने का प्रयास किया है। सीएम सरमा ने कहा, यही कांग्रेस तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश दीपक मिश्रा के खिलाफ बिना किसी सबूत के महाभियोग का प्रस्ताव लाई थी। इसके अलावा पूर्व चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ के मंदिर जाने पर और गणेश चतुर्थी पर उनके आवास पर हुई पूजा में प्रधानमंत्री मोदी के शरीक होने पर कांग्रेस और विपक्षी पार्टियों ने अभद्रतापूर्ण टिप्पणियां जारी की थी। तब क्यों नहीं इनके खिलाफ अवमानना का मामला चलाया गया था? भारत की संसद द्वारा पारित किए गए वक्फ संशोधन कानून-2025 के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट द्वारा सुनवाई शुरू किए जाने पर केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने भी सुप्रीम कोर्ट को नसीहत दी है। अठावले ने कहा, न्यायपालिका को यह बात माननी पड़ेगी कि देश की संसद ही सुप्रीम है। कानून बनाने की जिम्मेदारी संसद पर होती है और कानून के अनुसार न्याय देने की जिम्मेदारी न्यायपालिका की होती है। हम सुप्रीम कोर्ट का सम्मान करते हैं, लेकिन, उसे भी संसद का आदर करना चाहिए। संसद के बनाए कानून पर बेजा टिप्पणी सुप्रीम कोर्ट को शोभा नहीं देती है।

निर्वाचित सदस्य...

आदेश जारी करें? वैसे ही, हम पर कार्यपालिका (क्षेत्र) में अतिक्रमण करने का आरोप लग रहा है।उप-राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने एक बार फिर न्यायिक अतिक्रमण के मुद्दे पर अपनी बात दोहराई है। उन्होंने कहा है कि संसद ही सर्वोच्च है और जनता के चुने हुए प्रतिनिधि ही संविधान के असली मालिक हैं। संसद से ऊपर कोई नहीं है। उप-राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि संविधान लोगों के लिए है और संसद ही इसे बनाती है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसलों पर भी टिप्पणी की और कहा कि हर संवैधानिक पद पर बैठा व्यक्ति राष्ट्रीय हित में ही बोलता है। उप-राष्ट्रपति ने कहा कि 1977 में आपातकाल लगाने वाले प्रधानमंत्री को भी जनता ने जवाबदेह बनाया था, इसलिए संसद से ऊपर कोई नहीं है। उन्होंने ये बातें न्यायिक अतिक्रमण के मुद्दे पर दोहराईं।उल्लेखनीय है कि भारत के पूर्व राष्ट्रपति एवं संविधान के गहरे जानकारी प्रणब मुखर्जी भी मानते थे कि न्यायिक एक्टिविज्म पर रोक लगनी चाहिए। उन्होंने चेताया था कि न्यायपालिका को अपनी सीमाएं लांघकर कार्यपालिका और विधायिका का काम नहीं करना चाहिए।विडंबना यह है कि देश के कुछ दोगले मीडिया संस्थान उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के खिलाफ आग उगलने में लगे हैं, यहां तक कि उन्हें गंदी गालियां भी दे रहे हैं। ये वही मीडिया संस्थान हैं जिन्हें राष्ट्रद्रोही उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी पसंद था और देशभक्त धनखड़ नापसंद। इसरो के वैज्ञानिक नंबी नारायणन का करियर बर्बाद किए जाने की साजिश में हामिद अंसारी शामिल थे। विधायक सुशील सिंह ने आरोप लगाया था कि मुख्तार अंसारी के कहने पर हामिद अंसारी ने तत्कालीन कांग्रेस सरकार से उनके पूरे परिवार पर मकोका लगवा दिया था। हामिद अंसारी माफिया मुख्तार अंसारी के रिश्तेदार थे और रिश्तेदारी निभाते थे। पाकिस्तान के पत्रकार नुसरत मिर्जा ने खुद एक इंटरव्यू में खुलासा किया था कि 2005 से 2011 के बीच हामिद अंसारी ने उसे निमंत्रण देकर भारत बुलाया और कई सारी खुफिया जानकारियां उसके साथ साझा की। तब वो जामा मस्जिद के इमाम से भी मिला था। कभी तिरंगे को सलामी नहीं दी, कभी पहले योग दिवस कार्यक्रम से नदारद रहे तो कभी रॉ के नेटवर्क को उजागर करने के आरोप लगे लेकिन, दोगला मीडिया गैंग और उसके पत्रकारों ने हमेशा हामिद अंसारी का बचाव किया। प्रधानमंत्री के विशेष सलाहकार दीपक वोहरा हामिद अंसारी को विश्वासघाती कह चुके हैं।ये वही मीडिया संस्थान हैं जो हाईकोर्ट के जज यशवंत वर्मा के घर पर भारी तादाद में कैश बरामदगी पर चुप्पी साध लेता है और जगदीप धनखड़ या निशिकांत दुबे पर ढोल बजाता है। यशवंत वर्मा के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट कोई कार्रवाई नहीं करता और राष्ट्रपति के शीर्ष आसन पर उंगली उठाता है। इस पर दोगले मीडिया संस्थान चुप्पी साधे रहते हैं। अगर नोटों का जखीरा किसी सामान्य व्यक्ति के घर मिलता तो वही न्यायपालिका क्या करती? इस सवाल का जवाब पूरा देश जानता है। लेकिन भ्रष्ट जज को सुप्रीम कोर्ट ने क्यों बचाया? इस बारे में कोई सवाल पूछे तो भ्रष्ट मीडिया गलियों के कुत्ते की तरह भौंकने लगता है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सिर्फ इतना ही तो पूछा था कि किसी सामान्य व्यक्ति के घर में ऐसा हुआ होता तो सुप्रीम कोर्ट क्या यही करती जो जज यशवंत वर्मा के साथ किया?

देश के सबसे पुराने अखबारों में से एक टाइम्स ऑफ इंडिया ने जगदीप धनखड़ के बयान की आलोचना करते हुए एक संपादकीय छापा। इसमें इस बयान को रेखा लांघने के समान बताया गया। साथ ही ज्ञान दिया कि औपचारिक पदों पर बैठे व्यक्तियों से जिस शिष्टाचार की अपेक्षा की जाती है, ये बयान उससे बहुत आगे निकल गया। इसे बेहद की खेदजनक करार दिया गया। इसमें उप-राष्ट्रपति पद की महत्ता को कम करते हुए बताया गया कि नीति-निर्माण में उनकी कोई भूमिका नहीं होती। साथ ही पाठकों को कहा गया कि उप-राष्ट्रपति के बयानों से कोई असर नहीं पड़ने वाला है, इन्हें नजरअंदाज किया जा सकता है।आप देखिए विदेशी धन से चलने वाला अखबार टाइम्स ऑफ इंडिया किस तरह की मूर्खतापूर्ण बातें छाप रहा है। देश के उपराष्ट्रपति के लिए इस तरह के शब्दों का इस्तेमाल कितना सीमा रेखा के अंदर है, इसे आप समझ सकते हैं। इसी तरह अमेरिका के भारत विरोधी धनपशुओं से विराट पुरुष बने वामपंथी सिद्धार्थ वरदराजन और उनकी मीडिया संस्था द वायर ने उप-राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के लिए गाली में इस्तेमाल किए जाने वाले पशु के नाम का प्रयोग किया। द वायर ने उपराष्ट्रपति को लोकतंत्र को लहूलुहान करने वाला हमलावर कुत्ता बताया। ऐसा लिखने वाले मीडिया संस्थान और उसके मालिक के खिलाफ संगीन अपराध का मामला दर्ज क्यों नहीं हुआ? क्या संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति के लिए इस तरह की शब्दावली का इस्तेमाल किया जाना अपराध नहीं है? जब 2018 में सुप्रीम कोर्ट के 4 बड़े जजों ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सरकार पर खुलेआम हमला बोला था, उस समय क्या द वायर ने उनके लिए इस तरह की शब्दावली का इस्तेमाल किया था?

पहलगाम में...

मरने वालों में इटली, इजराइल और नेपाल के नागरिक शामिल हैं।दोपहर के इस हमले में घुड़सवारी और वसंत के नजारों का आनंद ले रहे परिवारों, महिलाओं और बुजुर्गों सहित पर्यटकों के एक मिश्रित समूह को निशाना बनाया गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि सैन्य वर्दी पहने हुए आतंकियों ने लोगों से उनके नाम और धर्म पूछ-पूछ कर गोलियां मारनी शुरू कर दीं। मृतकों में लेफ्टिनेंट विनय नरवाल और उनकी पत्नी हिमांशी, गुजरात के शालिंदर कल्पिया और कर्नाटक के शिवमोगा जिले के व्यवसायी मंजूनाथ राव शामिल हैं। पर्यटक महाराष्ट्र, गुजरात, ओड़ीशा और कर्नाटक सहित विभिन्न भारतीय राज्यों से आए थे। मृतकों में दो स्थानीय नागरिक भी शामिल हैं। मृतकों में एक महिला और 27 पुरुष हैं। इस हमले में एक उच्च पदस्थ अधिकारी के भी मारे जाने की आशंका है। अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

हमले की जिम्मेदारी द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने ली है। अगस्त 2019 के बाद बनाया गया द रेजिस्टेंस फ्रंट को सुरक्षा एजेंसियों द्वारा व्यापक रूप से लश्कर-ए-तैयबा का एक नया रूप माना जाता है, जिसे कश्मीर आतंकवाद को एक स्वदेशी प्रतिरोध आंदोलन के रूप में चित्रित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। टीआरएफ के संदेश अक्सर एन्क्रिप्टेड प्लेटफार्म का उपयोग करते हैं और इसका उद्देश्य पाकिस्तान समर्थित आतंकी अभियानों के खिलाफ वैश्विक जांच और एफएटीएफ प्रतिबंधों से बचना है।इस बीच, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह क्षेत्र में प्रतिक्रिया और सुरक्षा उपायों की व्यक्तिगत रूप से निगरानी करने के लिए थोड़ी देर में श्रीनगर पहुंचने वाले हैं। शाह स्थिति की समीक्षा करने और यह सुनिश्चित करने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों और सुरक्षा एजेंसियों के साथ उच्च स्तरीय चर्चा करेंगे कि हमले के लिए जिम्मेदार लोगों को न्याय के कटघरे में लाया जाए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमले की निंदा करते हुए इसे निर्दोष नागरिकों पर कायरतापूर्ण हमला बताया। उन्होंने गृह मंत्री को घटना से निपटने के लिए त्वरित और निर्णायक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। मोदी ने न्याय की आवश्यकता और क्षेत्र में सार्वजनिक सुरक्षा की बहाली पर भी जोर दिया।जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने गहरा दुख व्यक्त किया, पीड़ितों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और कहा, निर्दोष पर्यटकों को निशाना बनाना एक अक्षम्य अपराध है। हम सुनिश्चित करेंगे कि जिम्मेदार लोगों को जल्द से जल्द न्याय मिले। इस त्रासदी के जवाब में, सुरक्षा बलों ने आसपास के वन क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया है, जिसमें उच्च-स्तरीय प्रशासनिक अधिकारी पहले से ही मौके पर मौजूद हैं। इस हमले की व्यापक निंदा हुई है और इसने कश्मीर के पर्यटन उद्योग पर भी असर डाला है, जहां हाल ही में पर्यटकों की संख्या में बढ़ोतरी देखी गई थी।एक प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार, अज्ञात हमलावरों ने पर्यटकों पर नजदीक से गोलियां चलाईं, जिससे कई लोग घायल हो गए। हमले के समय घटनास्थल पर रही एक महिला ने एक समाचार एजेंसी को फोन पर बताया था कि उसके पति को सिर में गोली लगी है, जबकि सात अन्य लोग भी हमले में घायल हुए हैं। महिला ने अपनी पहचान नहीं बताई, लेकिन घायलों को अस्पताल पहुंचाने में मदद की गुहार लगाई थी। अधिकारियों ने बताया कि घायलों को निकालने के लिए एक हेलीकॉप्टर को लगाया गया है। उन्होंने बताया कि कुछ घायलों को स्थानीय लोग अपने खच्चरों पर लादकर नीचे लाए। पहलगाम अस्पताल के एक चिकित्सक ने बताया कि 20 घायल पर्यटकों को वहां भर्ती कराया गया है और सभी की हालत स्थिर है।लोगों का कहना है कि दो आतंकी सेना की वर्दी में आए, पहले उन लोगों ने टूरिस्ट से नाम और उनका धर्म पूछा, इसके बाद उसके सिर में गोली मार दी और फायरिंग करते हुए भाग निकले। अधिकारियों के मुताबिक घटना बैसरन घाटी में हुई, इसमें 20 लोग घायल हैं। इनमें कुछ स्थानीय भी हैं। घायलों में गुजरात, ओड़ीशा, कर्नाटक और महाराष्ट्र के पर्यटक भी शामिल हैं। पहलगाम में हुए आतंकी हमले में घायल हुए लोगों में विनो भट्ट निवासी गुजरात, माणिक पाटिल, रिनो पांडे, एस बालचंद्रू निवासी महाराष्ट्र, डॉ परमेश्वर, अभिजवन राव निवासी कर्नाटक, संतरू निवासी तमिलनाडु, साहसी कुमारी निवासी ओड़ीशा शामिल हैं।अनंतनाग जिले के पर्यटन स्थल पहलगाम में हुए आतंकी हमले की जिम्मेदारी पाकिस्तान समर्थित आतंकवादी संगठन कश्मीर रेजिस्टेंस ने ली है। आतंकवादी संगठन कश्मीर रेजिस्टेंस ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट करते हुए कहा है कि गैर-स्थानीय लोगों को 85000 से ज्यादा निवास-पत्र जारी किए गए हैं, जिससे यहां जनसांख्यिकीय परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त हुआ है। ये गैर-स्थानीय लोग पर्यटक बनकर आते हैं, निवास-पत्र प्राप्त करते हैं और फिर ऐसा व्यवहार करने लगते हैं मानो जमीन के मालिक वे ही हैं। नतीजतन, अवैध रूप से बसने की कोशिश करने वालों के खिलाफ हिंसा की जाएगी।

पर्यटकों पर कश्मीर में यह पहला हमला नहीं है। पिछले साल राजस्थान के युगल पर फायरिंग हुई थी। 18 मई 2024 की रात में दो जगह आतंकी हमले हुए थे। पहली घटना अनंतनाग के पहलगाम के पास एक ओपन टूरिस्ट कैंप की थी। यहां आतंकियों ने राजस्थान के जयपुर (राजस्थान) के रहने वाले एक टूरिस्ट कपल को गोली मारी थी। कुछ देर बाद शोपियां के हीरपोरा में रात करीब 10.30 बजे आतंकियों ने लोकल भाजपा नेता ऐजाज अहमद शेख को गोली मारी थी। ऐजाज अहमद को अस्पताल ले जाया गया था और उनकी मौत हो गई थी। जम्मू-कश्मीर में दोनों हमले तब हुए थे, जब यहां आर्टिकल-370 हटने के बाद पहली बार लोकसभा चुनाव हो रहे थे।इस बीच जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने आज दोपहर पहलगाम के बैसरन इलाके में आतंकवादियों के एक समूह पर हुए आतंकी हमले की निंदा की। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भी हमले की निंदा करते हुए कहा कि वे अविश्वसनीय रूप से स्तब्ध हैं। उमर अब्दुल्ला ने कहा, हमारे मेहमानों पर यह हमला एक घृणित कार्य है। इस हमले के अपराधी जानवर, अमानवीय और घृणा के पात्र हैं। निंदा के लिए कोई भी शब्द पर्याप्त नहीं है। मैं मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपनी सहयोगी और मंत्री सकीना इटू से बात की है और वे घायलों के लिए व्यवस्थाओं की देखरेख करने के लिए अस्पताल चली गई हैं। उन्होंने कहा कि मैं तुरंत श्रीनगर वापस जा रहा हूं। जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने पहलगाम में पर्यटकों पर हुए जानलेवा हमले की कड़ी निंदा की है। मुफ्ती ने इसे कायरतापूर्ण हमला बताया और कहा कि इस तरह की हिंसा अस्वीकार्य है और इसकी सार्वभौमिक रूप से निंदा की जानी चाहिए।

21 तोपों की...

यह प्रधानमंत्री मोदी की तीसरे कार्यकाल में सऊदी अरब की पहली यात्रा है। इससे पहले वह 2016 और 2019 में वहां की यात्रा कर चुके हैं। यह यात्रा तब हो रही है, जब क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने सितंबर 2023 में जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान भारत का दौरा किया था। उसी समय रणनीतिक साझेदारी परिषद की पहली बैठक हुई थी। प्रधानमंत्री ने कहा, दोनों देशों के बीच बढ़ता रक्षा-सुरक्षा संबंध और सहयोग गहरे आपसी विश्वास का प्रतिबिंब है। उन्होंने कहा, यह क्षेत्रीय स्थिरता के प्रति हमारी साझा प्रतिबद्धता तथा हमारे विस्तारित पड़ोस में उभरती चुनौतियों से निपटने के हमारे पारस्परिक संकल्प का भी प्रमाण है। मंगलवार शाम को होने वाली वार्ता में मोदी और सऊदी अरब के युवराज मोहम्मद बिन सलमान के बीच रक्षा संबंधों को विस्तारित करने के अलावा कई अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भागीदारी बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किए जाने की उम्मीद है।

पूर्व जजों ...

सभी हितधारक अपनी राय दे सकें। दूसरा- वेबसाइट सभी हितधारको से इनपुट की सुविधा प्रदान करेगी। महासचिव द्वारा इसकी जांच की जा रही है। वेबसाइट क्रैश न हो, इसलिए तकनीकी विकास में समय लग रहा है।अध्यक्ष चौधरी ने जेपीसी के राज्य दौरे के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि समिति का मानना है कि उसे सभी राज्यों का दौरा कर उनकी राय सुननी चाहिए। यही वजह है कि यह दौरा आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जेपीसी सबसे पहले महाराष्ट्र जाएगी। फिर मई में उत्तराखंड का दौरा किया जाएगा। इसके अलावा, जून में जम्मू और कश्मीर, चंडीगढ़ के साथ ही पंजाब और हरियाणा को भी कवर किया जाएगा। जेपीसी अध्यक्ष चौधरी ने एक राष्ट्र एक चुनाव की जरूरत पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि देश में हर 5-6 महीने में कहीं न कहीं चुनाव होते रहते हैं। सांसद-विधायक सालभर चुनावी मोड में रहते हैं। उन्होंने कहा कि देश में जो काम तेजी से होने चाहिए, चुनाव के चलते उनकी गति धीमी हो जाती है। उन्होंने कहा कि अगर एक राष्ट्र एक चुनाव हों, तो 2047 से पहले ही विकसित भारत का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। केंद्र सरकार का मानना है कि पंचायतों, नगर पालिकाओं और स्थानीय स्वशासन के चुनाव लोकसभा और विधानसभा चुनावों के 100 दिनों के भीतर होने चाहिए।जेपीसी की पिछली बैठक 25 मार्च को आयोजित की गई थी, जो पांच घंटे से अधिक समय तक चली। भाजपा सांसद और जेपीसी अध्यक्ष पीपी चौधरी ने कहा कि इस बैठक के दौरान दिल्ली हाईकोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीएन पटेल ने अपने विचार रखे, जिसके बाद सदस्यों के साथ एक संवाद सत्र हुआ। दूसरे सत्र में भारत के अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने समिति के साथ बातचीत की और महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। इस दौरान चौधरी ने कहा था कि एक राष्ट्र, एक चुनाव का विचार राष्ट्र के सर्वोत्तम हित में है।भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा, वन नेशन वन इलेक्शन देश और समय दोनों की मांग है। यह बात पीएम मोदी कई बार कह चुके हैं। यह ऐतिहासिक, दूरदर्शी और परिवर्तनकारी कदम होगा। भाजपा सांसद ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में सरकार परफॉर्म, रिफॉर्म और ट्रांसफॉर्म पर यकीन करती है। आज अगर देश इतनी तेज गति से विकास कर रहा है तो इसका श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जाता है। ये बिल भी उसी दिशा में उठाया गया एक कदम है। अनुराग ठाकुर ने एक देश एक चुनाव से देश को होने वाले फायदे भी गिनाए। उन्होंने कहा कि अगर एक देश और एक चुनाव की प्रक्रिया को अंगीकार किया जाता है तो इससे न केवल समय, पैसे की बचत होगी, बल्कि देश में कम वक्त के लिए ही आचार संहिता को लागू किया जाएगा, जिससे विकास के कार्यों को भी तेजी से किया जा सकेगा। श्रीनगर में पत्रकारों से बात करते हुए ठाकुर ने दावा किया कि इससे देश के लाखों-करोड़ों रुपए की बचत होगी।उन्होंने ये भी कहा कि ये कोई पहली बार नहीं है जब वन नेशन, वन इलेक्शन होगा। इससे पहले देश में 1952 से 1967 तक ये प्रक्रिया लागू थी, लेकिन बाद में कांग्रेस ने अपने फायदे के लिए बार-बार सरकारें गिराईं या अन्य कारणों से गिरीं, जिसके बाद ये चुनाव अलग-थलग हो गए।

कल वरूथिनी एकादशी व्रत रखा जाएगा

वरुथिनी एकादशी व्रत 24 अप्रैल को किया जाएगा। अभी वैशाख मास चल रहा है और इस मास का महत्व काफी अधिक माना जाता है। वैशाख और एकादशी के योग धर्म-कर्म के नजरिए से बहुत शुभ है। इस दिन भगवान विष्णु के लिए व्रत करें और मौसमी फल जैसे आम, तरबूज, खरबूजे का दान भी खासतौर पर करना चाहिए। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि हिंदू धर्म में एकादशी पर्व का विशेष महत्व है। ऐसे में वैशाख माह के कृष्ण पक्ष में वरुथिनी एकादशी मनाई जाती है, जो इस साल 24 अप्रैल को है। पौराणिक मान्यता है कि वरुथिनी एकादशी की धार्मिक महत्व खुद भगवान कृष्ण अर्जुन को बताया था। इस व्रत को यदि विधि-विधान से किया जाता है तो जातक को सुख, शांति और समृद्धि की प्राप्ति होती है। यह भगवान विष्णु को प्रसन्न करने के लिए शुभ अवसर माना जाता है। वैशाख मास भगवान विष्णु और उनके अवतारों की पूजा के लिए बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। इसलिए इस मास में पड़ने वाली एकादशी का महत्व भी बहुत खास होता है। मान्यता है कि धन की कमी को पूरा करने के लिए वरुथिनी एकादशी का व्रत करने से बहुत लाभ होता है। वरुथिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु के वराह स्वरूप की पूजा की जाती है। इस एकादशी के व्रत से भक्तों के सभी पाप और दुख दूर होते हैं। माना जाता है कि सूर्य ग्रहण के समय दान-पुण्य करने से जो पुण्य मिलता है, वही पुण्य वरुथिनी एकादशी के व्रत और इस दिन दान करने से मिलता है। भगवान विष्णु की कृपा से भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं और कार्यों में आ रही बाधाएं दूर होती हैं।

वरुथिनी एकादशी व्रत को करने से भगवान विष्णु के सभी अवतार प्रसन्न होते हैं। इस व्रत को करने से व्रती को जीवन में कभी धन की कमी नहीं होती है। कर्ज से मुक्ति मिलती है और परिवार में संपन्नता आती है। वरुथिनी एकादशी पर श्री हरि की पूजा होती है। इस दिन का भक्तों के बीच बहुत महत्व है। वरूथिनी एकादशी को वैशाख एकादशी के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन लोग देवताओं को प्रसन्न करने और उनका आशीर्वाद पाने के लिए उपवास करते हैं। वरुथिनी का अर्थ है सुरक्षा। ऐसा माना जाता है कि जो भक्त इस उपवास को रखते हैं उन्हें नकारात्मक ऊर्जा से सुरक्षा मिलती है।

एकादशी के दिन मांस मदिरा के अलावा अन्य किसी भी प्रकार की नशीली एवं तामसिक चीजों का सेवन नहीं करना चाहिए। साथ ही एकादशी के दिन चावल का सेवन वर्जित माना गया है, इसलिए इस दिन यदि व्रत नहीं भी रखा तो भी चावल का सेवन न करें। इस दिन क्रोध करने से बचें। साथ ही किसी के लिए भी अपशब्दों का प्रयोग न करें। इसके अलावा एकादशी तिथि पर पूरी तरह से ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए।

वरुथिनी एकादशी

वैशाख कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि का आरंभ 23 अप्रैल को शाम में 4:44 मिनट पर होगा और एकादशी तिथि का समापन 24 अप्रैल को दोपहर में 2:31 मिनट पर होगा। ऐसे में शास्त्रों के अनुसार, उदय काल में तिथि होने पर ही व्रत करना उत्तम रहता है। इसलिए वरुथिनी एकादशी का व्रत 24 अप्रैल को किया जाएगा।

पौराणिक महत्व

धार्मिक मान्यता है कि वरुथिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु के साथ धन की देवी माता लक्ष्मी की भी पूजा करना चाहिए। वरुथिनी एकादशी के महत्व के बारे में खुद भगवान कृष्ण ने अर्जुन को बताया था। इस व्रत को करने से कन्यादान के समान पुण्य मिलता है। पौराणिक मान्यता है कि राजा मान्धाता को वरुथिनी एकादशी व्रत करके ही स्वर्ग की प्राप्ति हुई थी।

एकादशी पर ये शुभ काम

वरुथिनी एकादशी पर सुबह जल्दी उठें और स्नान के बाद सूर्य को जल चढ़ाएं। जल चढ़ाने के लिए तांबे के लोटे का उपयोग करना चाहिए। घर के मंदिर में गणेश पूजा करें। गणेश जी को जल और पंचामृत से स्नान कराएं। वस्त्र-हार-फूल से श्रृंगार करें। चंदन का तिलक लगाएं। दूर्वा अर्पित करें। लड्डू का भोग लगाएं। धूप-दीप जलाएं। श्री गणेशाय नम: मंत्र का जप करें। गणेश पूजा के बाद भगवान विष्णु और महालक्ष्मी की पूजा करें। विष्णु-लक्ष्मी का दक्षिणावर्ती शंख से अभिषेक करना चाहिए। अभिषेक में दूध का इस्तेमाल करेंगे तो बहुत शुभ रहेगा। हार-फूल और वस्त्रों से श्रृंगार करें। इसके बाद मिठाई का भोग तुलसी के साथ लगाएं। ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जप करें। धूप-दीप जलाकर आरती करें। शनिवार को शनिदेव की विशेष पूजा करनी चाहिए। शनि मंदिर जाएं और शनिदेव का तेल से अभिषेक करें। शनि भगवान को नीले फूल और नीले वस्त्रों के साथ काले तिल भी चढ़ाएं। तिल से बने व्यंजन का भोग लगाएं। तेल का दान करें। जरूरतमंद लोगों को जूते-चप्पल का भी दान जरूर करें। शिवलिंग पर जल चढ़ाएं। बिल्व पत्र, धतूरा, आंकड़े फूलों से श्रृंगार करें। शिवलिंग पर चंदन का लेप लगाएं। मिठाई का भोग लगाएं और दीपक जलाएं। शिव जी के सामने राम नाम का जप करना चाहिए।

पूजाविधि

इस दिन शंख, चक्र, कमल, गदा एवं पीताम्बरधारी भगवान विष्णु की रोली, मोली, पीले चन्दन,अक्षत, पीले पुष्प, ऋतुफल, मिष्ठान आदि अर्पित कर धूप-दीप से आरती उतारकर दीप दान करना चाहिए और साथ ही यथाशक्ति श्री विष्णु के मंत्र 'ॐ नमो भगवते वासुदेवाय' का जाप करते रहना चाहिए। इस दिन विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ करना बहुत फलदायी है। भक्तों को परनिंदा, छल-कपट,लालच,द्धेष की भावनाओं से दूर रहकर,श्री नारायण को ध्यान में रखते हुए भक्तिभाव से उनका भजन करना चाहिए। द्वादशी के दिन ब्राह्मणों को भोजन करवाने के बाद स्वयं भोजन करें।

वरुथिनी एकादशी व्रत रखने वाले दशमी तिथि को किन बातों का रखें ध्यान

दशमी तिथि के दिन मांस-मदिरा का सेवन न करें।
भोजन में लहसुन-प्याज का इस्तेमाल न करें।
कोशिश करें कि दशमी तिथि को एक बार ही भोजन करें।
भोजन में मसूर की दाल का परहेज करें।
चने और कोदों का शाक भी खाने से बचें।
शहद का सेवन करने से बचें।
स्त्री प्रसंग से बचें।
सद्आचरण रखें।
दूसरों के बारे में गलत ख्याल मन में न लाएं।

एकादशी व्रत के दिन किन बातों का रखें ध्यान

वरुथिनी एकादशी व्रत के दिन पान न खाएं।
व्रत वाले दिन जुआ नहीं खेलना चाहिए।
नमक, तेल का सेवन नहीं करना चाहिए।
दूसरों की निंदा नहीं करनी चाहिए।
चुगली नहीं करनी चाहिए।
पापियों के साथ नहीं रहना चाहिए।
अधिक से अधिक बार भगवान विष्णु का नाम जपना चाहिए।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

आज लक्ष्मी नारायण योग से वृषभ समेत अन्य राशियों को होगा अप्रत्याशित धन लाभ

चैत्र कृष्ण दशमी तिथि का संयोग बना है। और कल दिन है बुधवार जिसके देवता हैं भगवान गणेश और ग्रह के अधिपति होंगे बुध। इस पर अच्छी बात यह है कि बुध मीन राशि में शुक्र के साथ युति बनाकर लक्ष्मी नारायण योग का निर्माण करेंगे। साथ ही साथ आज चंद्रमा का गोचर कुंभ राशि में होने से गजकेसरी सहित सुनफा योग भी बनेगा। इस पर आज धनिष्ठा उपरांत शतभिषा नक्षत्र का भी संयोग बन रहा है, जिससे आज के दिन भगवान गणेशजी की कृपा से वृषभ, मिथुन, सिंह, तुला, और कुंभ राशि के जातकों के सभी अमंगल दूर होंगे और जीवन में उन्नति का लाभ का संयोग बनेगा। इसके साथ ही यह भी जान लीजिए कि आज बुधवार के उपाय कौन से करें जिससे दिन आपके लिए और लाभदायक होगा।

वृषभ राशि– वृषभ राशि वालों के लिए बुधवार का दिन मां लक्ष्मी और गणेश जी की कृपा से शुभ रहने वाला है। आज आपके सोचे हुए काम आसानी से पूरे हो जाएंगे। नए अवसर आपको तरक्की की राह में तेजी से आगे बढ़ाएंगे। दिन आपकी सोच से भी ज्यादा बेहतर रहने वाला है। कार्य योजना बनाकर कारोबार में आगे बढ़ें, आपकी मेहनत जरूर रंग लाएगी। आपको अचानक धन लाभ हो सकता है। कल का दिन आय और संचित धन में बढ़ोतरी के लिए काफी अच्छा रहने वाला है। सरकारी नौकरी, शासन व्यवस्था, सामाजिक कार्यों से जुड़े लोगों को अतिरिक्त लाभ अर्जित करने का अवसर मिल सकता है। परिवार में मस्तीभरा माहौल रहने वाला है। भाइयों का सहयोग मिलेगा। पड़ोसियों के साथ मधुर संबंध रहेंगे। परिवार के साथ किसी धार्मिक यात्रा पर जाने की योजना बन सकती है। करीबी मित्रों से मन की बात कहेंगे।

मिथुन राशि – मिथुन राशि के जातकों पर किस्मत अतिरिक्त मेहरबान हो सकती है। आज कारोबार में लंबे समय से चली आ रही किसी परेशानी का समाधान मिलेगा। पिता या पिता तुल्य व्यक्तियों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। उनके सहयोग से आपको लाभ के मौके मिल सकते हैं। कल अध्यात्म की ओर आपका झुकाव अधिक होगा। इस वजह से मन में शांति का भाव रहेगा। नौकरी में उच्च अधिकारियों का समर्थन मिल सकता है। उनके सहयोग से आप किसी पुरानी समस्या का हल ढूंढ पाएंगे। लंबी दूरी की यात्रा पर जाने का योग बन रहा है। यात्रा शुभ और सफल साबित होगी। संपत्ति का लाभ मिल सकता है। दांपत्य जीवन अच्छा रहने वाला है। जीवनसाथी की सेहत में पहले से सुधार होगा। लव लाइफ में पार्टनर के साथ खींचतान खत्म होगी। तालमेल बढ़ने से प्रेम संबंधों में मजबूती आएगी।

सिंह राशि – सिंह राशि के जातकों के लिए आज बुधवार का दिन आनंदमय रहने वाला है। आज सफलता आपके कदमों को चूमेगी। पार्टनरशिप में कारोबार करने वालों को अतिरिक्त लाभ हो सकता है। बिजनेस पार्टनर के साथ व्यापारिक संबंध और मजबूत होंगे। विश्वास बढ़ेगा। कल बाजार में फंसा हुआ धन अप्रत्याशित रूप से आपके पास वापस आएगा। विरोधी आपके प्रताप को देखकर सहमे रहेंगे। कल जीवनसाथी के साथ प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी। आप दोनों बाहर घूमने जा सकते हैं। सुख-सुविधाओं के साधनों में इजाफा होगा। घरेलू कार्यों में आ रहीं रुकावटें दूर होंगी। संतान से जुड़ी कोई खुशखबरी आपको रोमांचित कर सकती है। लव लाइफ के लिए समय अच्छा है। परिवार से लव पार्टनर को मिलाने की सोच रहे हैं तो हालात अनुकूल कहे जा सकते हैं।

तुला राशि – तुला राशि के जातकों के लिए आज का दिन खुशियों भरा रहने वाला है। क्रिएटिव काम करने वालों के कार्यों की सराहना अधिक होगी। पूर्व में किए गए कार्य आपको फायदा पहुंचाएंगे। कल कारोबार में आपके अनुमान सही साबित हो सकता है। योजनाएं फलीभूत होंगी। विद्यार्थी वर्ग के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है। कोई शुभ समाचार मिल सकता है। पढ़ाई में आ रहीं बाधाएं दूर होंगी। कला, रचनात्मकता, शिक्षण आदि से जुड़े काम करने वालों को अतिरिक्त लाभ मिल सकता है। संतान की उपलब्धियों पर आपको गर्व होगा। परिवार में सुख-शांति का माहौल रहेगा। जीवनसाथी के साथ बेहतर तालमेल रहेगा। आज आपके कहे बिना ही आपका पार्टनर मन की बात समझ जाएगा। लव लाइफ के लिए दिन रोमांच से भरा रहने वाला है।आज बाहर घूमने की योजना बना सकते हैं।

कुंभ राशि – कुंभ राशि के जातकों के लिए नए अवसर लेकर आएगा। आज आपको कार्यों में प्रसिद्धि मिल सकती है। सामाजिक कार्यों और राजनीति से जुड़े जातकों को पद-प्रतिष्ठा का लाभ होने के आसार हैं। आपके व्यक्तित्व में निखार आएगा। आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी। आप अपने सामने आने वाली चुनौतियों को अपनी बुद्धिमत्ता के दम पर यूं ही निपटा लेंगे। कल लेखन, शोध आदि का काम करने वालों को विशेष सफलता मिलने के आसार हैं। इससे आपको धन लाभ भी होगा। बेवजह के खर्चों पर लगाम लगेगी। नया निवेश करने की योजना बना रहे हैं तो संपत्ति में धन लगाना आपके लिए फायदे का सौदा साबित हो सकता है। जीवनसाथी के साथ आपके संबंधों में सुधार होगा। संतुलन बनाने में कामयाबी मिलेगी। लव लाइफ में पार्टनर आपका अधिक ख्याल रखेगा। तनाव कम होगा।

बुद्धिमत्ता और सूझबूझ में यह चार राशियां हैं सबसे आगे, हर क्षेत्र में होते है सफल

ज्योतिष शास्त्र में प्रत्येक राशि के जातक की मानसिक क्षमता और बौद्धिक गुणों का अलग-अलग उल्लेख किया गया है। कुछ राशियां अपनी त्वरित सोच और बुद्धिमत्ता के लिए जानी जाती हैं। इन राशियों के जातक न केवल अपनी जीवन में समस्याओं का जल्दी समाधान ढूंढ लेते हैं, बल्कि किसी भी परिस्थिति में अपनी बुद्धि का सही उपयोग करके सफलता प्राप्त करते हैं। ऐसे जातकों के लिए जीवन में कोई भी समस्या बड़ी नहीं होती। वे हमेशा अपने दिमाग का सही तरीके से उपयोग करते हुए हर काम में सफलता प्राप्त करते हैं।

ज्योतिष शास्त्र में ऐसी चार राशियां बताई गई हैं जिनके जातक बुद्धिमत्ता में सबसे तेज होते हैं। ये जातक किसी भी मुश्किल स्थिति में अपने दिमाग का सही उपयोग करते हुए रास्ता निकाल लेते हैं। ये जातक न केवल अपनी सोच के बल पर किसी भी समस्या को हल कर सकते हैं, बल्कि अपनी कड़ी मेहनत और संघर्ष से हर क्षेत्र में सफलता भी प्राप्त करते हैं। राशियों के बारे में जिनके जातक बुद्धिमत्ता के मामले में सबसे आगे होते हैं और जिनकी सूझबूझ और सोच उन्हें दूसरों से अलग बनाती है।

मिथुन राशि –मिथुन राशि के जातकों के स्वामी ग्रह बुध हैं और बुध के प्रभाव से ये जातक अत्यधिक बुद्धिमान होते हैं। इन जातकों का दिमाग तेज होता है और ये किसी भी समस्या का हल तुरंत ढूंढ निकालते हैं। मिथुन राशि के लोग पढ़ाई-लिखाई में बहुत तेज होते हैं और किसी भी कार्य में सफलता प्राप्त करते हैं।

इनके पास जबरदस्त सेंस ऑफ ह्यूमर होता है जो इन्हें और भी आकर्षक बनाता है। ये लोग अपनी बुद्धिमत्ता का सही उपयोग करते हुए जीवन में उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त करते हैं। मिथुन राशि के जातक अपनी मेहनत और चतुराई से हर क्षेत्र में अपनी पहचान बनाते हैं। इनके बारे में कहा जाता है कि जो भी इनसे चालाकी करने की कोशिश करता है, वो असफल हो जाता है।

कन्या राशि – कन्या राशि के जातकों के भी स्वामी ग्रह बुध हैं और बुध का प्रभाव इन्हें अत्यधिक बुद्धिमान बनाता है। कन्या राशि के जातक ज्ञान के प्रति बहुत अधिक रुचि रखते हैं और हर कार्य को गंभीरता से करते हैं। इनका दिमाग सटीक और विश्लेषणात्मक होता है, जो उन्हें किसी भी स्थिति में जल्दी और सही निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करता है। ये लोग जो भी काम तय करते हैं उसे पूरी लगन और मेहनत से करते हैं। कन्या राशि के जातक वाद-विवाद में माहिर होते हैं और किसी भी मुद्दे पर तर्क करने में सक्षम होते हैं। यही कारण है कि ये लोग अपने जीवन में सफलता प्राप्त करने में सक्षम होते हैं और हर स्थिति में अपना प्रभाव छोड़ते हैं।

वृश्चिक राशि – वृश्चिक राशि के जातकों के स्वामी ग्रह मंगल हैं और मंगल के प्रभाव से ये जातक अत्यधिक चतुर होते हैं। वृश्चिक जातक न केवल शारीरिक रूप से मजबूत होते हैं, बल्कि मानसिक रूप से भी बहुत तेज होते हैं। इन जातकों का दिमाग इतना तेज होता है कि ये किसी भी कठिनाई का सामना धैर्य और सूझबूझ से करते हैं। वृश्चिक राशि के जातक हमेशा अपनी योजनाओं को गोपनीय रखते हैं ताकि कोई उन्हें धोखा न दे सके। ये अपने दुश्मनों को भी समझने की क्षमता रखते हैं और अपनी रणनीतियों के तहत हमेशा सफल होते हैं। ये अपनी कड़ी मेहनत और मानसिक दृढ़ता से जीवन में ऊंचाई तक पहुंचते हैं।

कुंभ राशि– कुंभ राशि के जातकों की बुद्धि बहुत तेज होती है। ये लोग हमेशा नए विचारों और नवाचार की ओर आकर्षित होते हैं। कुंभ राशि के जातक अपने विरोधियों के हर कदम को समझने में सक्षम होते हैं और उनकी योजनाओं को बिना बताए भंग कर देते हैं।

इनकी बुद्धिमता का स्तर बहुत उच्च होता है और ये किसी भी समस्या का हल अपने अद्वितीय दृष्टिकोण से ढूंढ निकालते हैं। ये लोग समझदार होते हुए भी सरल स्वभाव के होते हैं और किसी भी विषय में गहरी जानकारी रखते हैं। कुंभ राशि के जातक न केवल दिमागी तौर पर तेज होते हैं, बल्कि उनकी सरलता और ईमानदारी उन्हें दूसरों से अलग बनाती है।

सकारात्मक ऊर्जा के लिए तुलसी के पास रख दें यह वस्तुएं, मिलेगा लाभ

ऐसा माना जाता है कि जिस घर में रोजाना विधिवत रूप से तुलसी जी की पूजन किया जाता है, वहां सौभाग्य में वृद्धि होती है और घर-परिवार में खुशहाली का माहौल बना रहता है। आज हम आपको कुछ ऐसी चीजों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्हें आप तुलसी के पास रखकर काफी लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

इन चीजों को रखने से मिलेगा लाभ

तुलसी के पास शालिग्राम जी को जरूर रखना चाहिए और रोजाना इनकी पूजा-अर्चना करनी चाहिए। ऐसा करने से घर में लक्ष्मी जी का आगमन होता है। इसी के साथ रोजाना सुबह-शाम तुलसी पर घी का दीपक लगाने का भी विशेष महत्व माना गया है। ऐसे में आप तुलसी के समक्ष एक मिट्टी का दीपक रख सकते हैं।

रख सकते हैं ये पौधे

वास्तु शास्त्र के अनुसार यदि आप तुलसी के पास मनी प्लांट का पौधा रखते हैं, तो इससे मिलने वाली सकारात्मक ऊर्जा कई गुना बढ़ जाती है। इसी के साथ तुलसी के पास केले का पौधा लगाने के भी साधक को कई लाभ देखने को मिलते हैं। ऐसे में अपनी तुलसी के पास इन पौधों को जरूर लगाएं, ताकि घर में पॉजिटिव एनर्जी का फ्लो बढ़ सके।

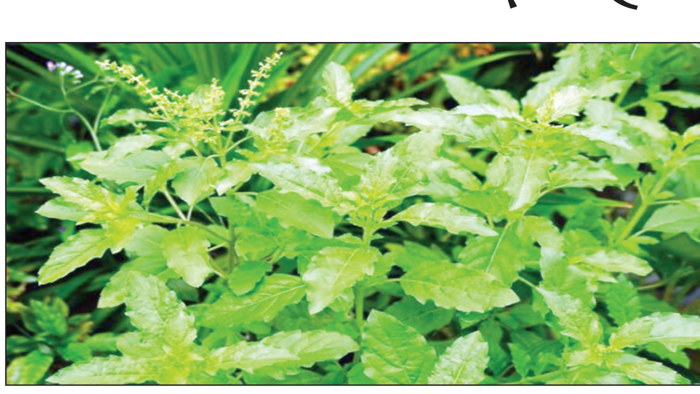

ये चीजें भी हैं शुभ

तुलसी के गमले में पीले या फिर लाल रंग का कलावा बांधना भी काफी शुभ माना जाता है। इसी के साथ आप तुलसी माता को लाल रंग की चुनरी भी अर्पित कर सकते हैं, जिससे आपको मां लक्ष्मी की कृपा मिल सकती है।

क्या नहीं रखना चाहिए

तुलसी के पौधे के पास कभी भी झाड़ू, जूते-चप्पल या फिर कांटेदार पौधे आदि नहीं रखना चाहिए। इससे जातक को नकारात्मक परिणाम मिलने लगते हैं। इसी के साथ तुलसी के आसपास साफ-सफाई का भी पूरा ध्यान रखें, ताकि आप सभी तरह के नकारात्मक परिणामों से दूर रहें और आपके ऊपर लक्ष्मी मां की कृपा बनी रहे।

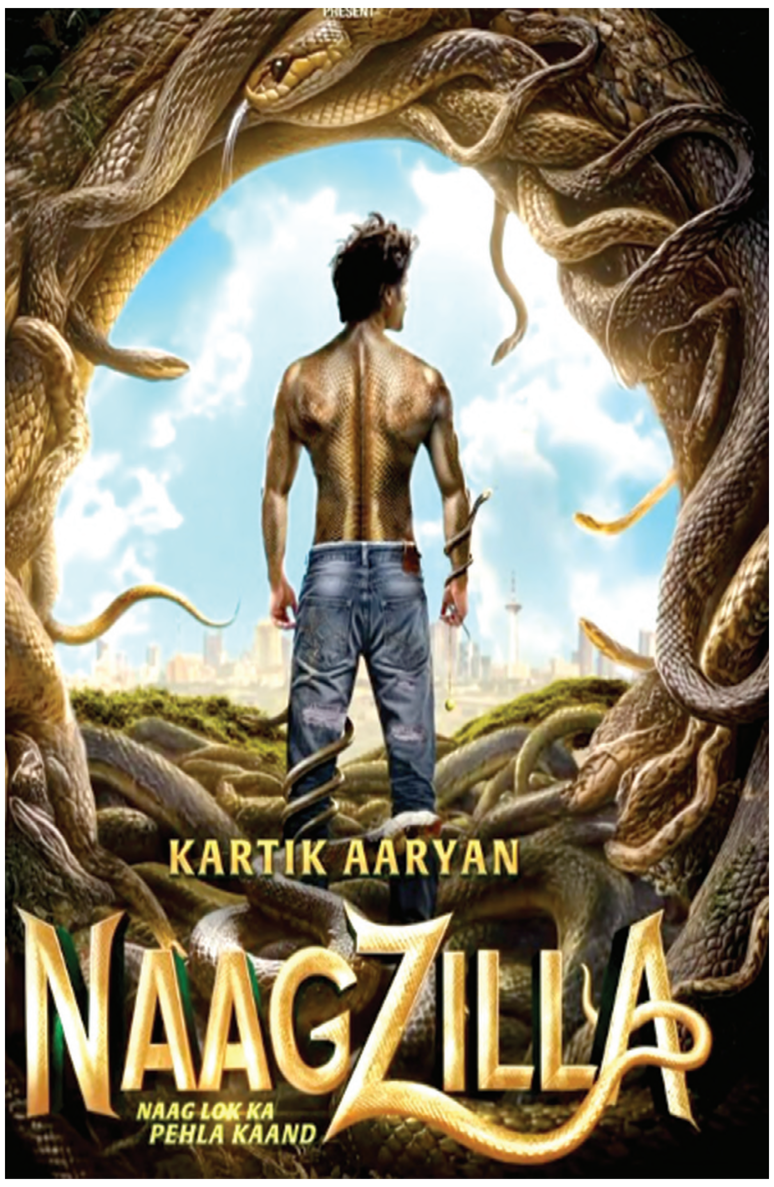

गॉडजिला छोड़िए! अब आ रहा है नागजिला...

कार्तिक आर्यन की फिल्म नागजिला 14 अगस्त 2026 को होगी रिलीज!

कार्तिक आर्यन एक्शन, कॉमेडी, ड्रामा, बायोपिक के बाद अब नागों वाली पिक्चर 'नागजिला' लेकर आ रहे हैं। सोशल मीडिया पर पोस्ट के साथ अभिनेता ने प्रशंसकों को बताया कि वह नागलोक का पहला कांड लेकर आ रहे हैं, जिसमें वह प्रियंवदेश्वर के किरदार में नजर आएंगे।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'इंस्टाग्राम' पर अपकमिंग फिल्म 'नागजिला' के वीडियो के साथ अभिनेता ने कैप्शन में लिखा, इंसानों वाली फिल्में तो बहुत देख ली, अब देखो नागों वाली फिल्म। 'नागजिला: नागलोक का पहला कांड लेकर मैं फन फैलाने आपके नजदीकी सिनेमाघरों में नाग पंचमी पर आ रहा हूं।

इसके साथ ही अभिनेता ने बताया कि फिल्म 14 अगस्त, 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। शेयर किए गए वीडियो में अभिनेता कहते नजर आए, इच्छाधारी नाग यानी रूप बदलने की शक्ति रखने वाले नाग, जैसे कि मैं प्रियंवदेश्वर प्यारे चंद, उम्र 631 साल। अब देखो नागों वाली पिक्चर। फन फैलाने सिनेमाघरों में आ रहा हूं नाग पंचमी पर नागलोक का पहला कांड 'नागजीला' लेकर।

कॉमेडी फिल्म होगी ये

वीडियो में वह नागों से घिरे और धीरे-धीरे इंसान से नाग के रूप में बदलते नजर आए। कॉमेडी-ड्रामा 'नागजीला' में कार्तिक आर्यन के किरदार का नाम प्रियंवदेश्वर प्यारे चंद है, जो नाग पर आधारित है।

कौन है डायरेक्टर

मृगदीप सिंह लांबा के निर्देशन में बन रही इस कॉमेडी-फैंटेसी फिल्म की कहानी गौतम मेहरा ने लिखी है और धर्मा प्रोडक्शंस और महावीर जैन फिल्म्स ने इसके निर्माण के लिए हाथ मिलाया है। यह कार्तिक आर्यन का धर्मा प्रोडक्शंस के साथ दूसरा सहयोग है।

रिलीज डेट

करण जौहर, महावीर जैन, अदार पूनावाला, अपूर्व मेहता, मृगदीप सिंह लांबा और सुजीत जैन की यह फिल्म अगस्त 2026 में नाग पंचमी के दिन सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

कार्तिक आर्यन का कामकाज

वर्कफ्रंट की बात करें तो कार्तिक आर्यन के पास धर्मा प्रोडक्शन की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' है, जो वैलेंटाइन डे पर रिलीज के लिए तैयार है। इसके साथ ही उनके पास निर्देशक अनुराग बसु की फिल्म 'आशिकी 3' भी है, जिसमें उनके साथ अभिनेत्री श्रीलीला मुख्य भूमिका में हैं।

आज की युवा पीढ़ी पारंपरिक भारतीय परिधानों को कम महत्व देती है: अविका

अभिनेत्री अविका गौर का मानना है कि साड़ी या सलवार कमीज जैसे भारतीय परिधानों को पहनना, विशेष रूप से युवा पीढ़ी के बीच, बहुत कम महत्व दिया जाता है।अविका ने कहा, मुझे लगता है कि साड़ी या सलवार कमीज जैसे पारंपरिक भारतीय परिधानों को पहनना बहुत कम आंका जाता है, खासकर युवा पीढ़ी के बीच। मुंबई या हैदराबाद जैसे शहरों में, मैं शायद ही युवाओं को हमारी संस्कृति के इस हिस्से को अपनाते हुए देखती हूं।साड़ियाँ बहुत खूबसूरत होती हैं, और यह देखना अच्छा लगेगा कि ज़्यादा से ज़्यादा लोग उन्हें कैज़ुअली पहने हुए हैं - यहाँ तक कि एयरपोर्ट पर भी। थोड़ा सा काजल और बिंदी लगाएँ, और आपका लुक शानदार हो जाएगा। मुझे उम्मीद है कि ज़्यादा से ज़्यादा युवा लोग इसमें खूबसूरती देखना शुरू करेंगे।बालिका वधू में आनंदी की भूमिका निभाने के लिए मशहूर अभिनेत्री, जिसके लिए उन्हें 2009 में राजीव गांधी पुरस्कार मिला था, फैशन के मामले में कालातीत क्लासिक्स को प्राथमिकता देती हैं।कारण बताते हुए अविका ने कहा कि क्योंकि वे कालातीत हैं, इसका मतलब है कि उन्हें पीढ़ियों से पसंद किया जाता रहा है। उन्हें चुनने में निश्चितता और सहजता की भावना होती है।उन्होंने आगे कहा, अक्सर रुझानों को अपनाने के लिए बहुत प्रयास करने पड़ते हैं और गलत होने का जोखिम भी रहता है। लेकिन क्लासिक्स के मामले में कोई झिझक या संदेह नहीं होता - वे बस काम करते हैं। मैं इसी में विश्वास करती हूं।2007 में अविका ने शश्शश।।कोई है से हिंदी टेलीविजन पर डेब्यू किया था। उन्होंने 2013 में उय्याला जम्पला के साथ टॉलीवुड में अपनी फिल्मी शुरुआत की। बालिका वधू में अपने काम से प्रसिद्धि पाने के बाद, अभिनेत्री को ससुराल सिमर का जैसे शो और 1920: हॉरर्स ऑफ द हार्ट और ब्लडी इश्क जैसी फिल्मों में देखा गया था।पिछले कुछ सालों में उनकी शैली किस तरह विकसित हुई है? अविका ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो, स्क्रीन पर मुझे नहीं लगता कि मेरी कोई भूमिका है। मेरा लुक डिज़ाइनर, स्टाइलिस्ट और निर्देशकों द्वारा तय किया जाता है जो मेरे द्वारा निभाए जाने वाले किरदार की कल्पना करते हैं। इसलिए, आप जो स्टाइल देखते हैं वह किरदार का है, मेरा नहीं। लेकिन ऑफ-स्क्रीन, मैं निश्चित रूप से विकसित हुई हूं। मैंने सीखा है कि आराम को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। मैंने अपनी खुद की पसंद को भी अपनाना शुरू कर दिया है - जैसे कि यह जानना कि लाल रंग की ड्रेस मुझे काले रंग की ड्रेस से बेहतर लगेगी। किसी ऐसे आउटफिट को नहीं कहना जो मुझे सही नहीं लगता, ऐसा कुछ है जो मैं पहले कभी नहीं करती थी, और यह एक ऐसा व्यक्तिगत विकास है जिसकी मैं वास्तव में खुद में प्रशंसा करती हूं।

टोनी ने बहन नेहा कक्कड़ से जुड़ा एक भावुक किस्सा सोशल मीडिया पर किया साझा

दरअसल, यहां हम लोकप्रिय गायिका नेहा कक्कड़ के बारे में बात कर रहे हैं। नेहा पेरेंटिंग संघर्षों की एक दिल दहला देने वाली कहानी का एक ऐसा ही उदाहरण है। नेहा कक्कड़ ने बॉलीवुड में काफी लंबा सफर तय किया है और वो सभी के प्यार और समर्थन के लिए बेहद आभारी हैं। अभिनेत्री अपने परिवार के भी बेहद करीब हैं और हमेशा उनके बारे में सम्मान और कृतज्ञता के साथ बात करती हैं। वो अपने बड़े भाई-बहनों, टोनी के भी बेहद करीब हैं, दोनों ने भी अपना नाम कमाया है। लेकिन सिंगर के 35वें जन्मदिन पर उनके बड़े होने पर उनके भाई ने बहन से जुड़ा एक इमोशनल वीडियो साझा किया, जिसने सभी प्रशंसकों को चौंका दिया था। उस पोस्ट में टोनी ने बताया था कि कैसे उनके माता-पिता ने बुरे समय का सामना किया और वित्तीय तंगी के कारण नेहा के जन्म से पहले ही उसका गर्भपात कराने के बारे में सोचा था। 'कक्कड़ परिवार की कहानी' शीर्षक वाले इस एपिसोड में बताया गया है कि कैसे परिवार ने कठिन समय का सामना किया और भ्रूण का गर्भपात कराने पर विचार किया क्योंकि उन्हें चिंता थी कि वे उसका पालन-पोषण नहीं कर पाएंगे। हालांकि, चूंकि यह 8 सप्ताह से अधिक का भ्रूण हो चुका था, इसलिए प्रक्रिया नहीं की जा सकी और परिवार ने सभी बाधाओं के बावजूद नेहा को पालने का फैसला किया। टोनी ने अपनी छोटी बहन के साहस की सराहना करते हुए बताया कि नेहा किसी के लिए भी प्रेरणा हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें नेहा पर बहुत गर्व है कि उन्होंने खुद अपनी मेहनत से काम

किया है। वो कहते हैं कि भले ही वो सबसे छोटी थी, लेकिन नेहा मुंबई में अपने बड़े भाई-बहनों की देखभाल करती थी और जब वे संघर्ष कर रहे थे, तो उन्हें पैसे भेजती थी। टोनी कक्कड़ ने एक इंटरव्यू में यह भी जिक्र किया कि एक म्यूजिक रियलिटी शो में उनकी जीत के बाद, परिवार की किस्मत बदल गई। जो लोग नहीं जानते, उन्हें बता दें कि नेहा का पालन-पोषण बहुत ही साधारण तरीके से हुआ था और उनका जन्म ऋषिकेश में हुआ था। अपनी बहन सोनू को परफॉर्म करते देखने के बाद, नेहा ने भी गाना सीखा और धार्मिक कार्यों में परफॉर्म करना शुरू कर दिया था। नेहा जो कभी चंद पैसों में गाया करती थीं, अब वे 65 करोड़ रुपए की नेटवर्थ की मालकिन हैं। वे एक शो की फीस 5 लाख लेती हैं जबकि लाइव कंसर्ट की 60 से 70 लाख रुपए लेती हैं। अब उनका ऋषिकेष में बंग्ला है और मुंबई में भी अपनी प्रोपर्टी है। टोनी ने एक इमोशनल पोस्ट के जरिए बताया था कि ऋषिकेश में हमारा अब अपना बंगला है और उसी के बगल में वो घर भी है जहां वो लोग पैदा हुए थे। उसी घर में हम कक्कड़ एक कमरे में रहते थे, जिसके अंदर मेरी मां ने एक टेबल रखी थी जो उस छोटे से कमरे में हमारी रसोई थी। एक पोस्ट में नेहा ने बताया था कि और वो कमरा भी हमारा अपना नहीं था, हम किराया दे रहे थे। और अब जब भी मैं उसी शहर में अपना खुद का बंगला देखती हूं, तो मैं हमेशा भावुक हो जाती हूं।

फिल्म कुबेर के गीत पोइरा मामा से शुरू हुआ फिल्म का प्रमोशन

धनुष ने तेलुगु गाने को दी आवाज

साउथ अभिनेता धनुष की आगामी फिल्म कुबेर का पहला गाना पोइरा मामा रिलीज हो चुका है, जिसमें धनुष का डांस देखकर फैंस अपनी प्रतिक्रिया लगातार दे रहे हैं। इस गाने को एक साथ कई भाषाओं में रिलीज किया गया है।कुबेर के निर्देशक शेखर कम्मुला हैं। इस फिल्म में धनुष के अलावा अक्किनेनी नागार्जुन भी एक महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आएंगे। वहीं इसके पहले गाने पोइरा मामा को धनुष ने अपनी आवाज से सजाया है।टीम ने आधिकारिक तौर पर पहले सिंगल पोइरा मामा की रिलीज के साथ फिल्म का प्रमोशन शुरू कर दिया है। धनुष ने गाने पोइरा मामा को खुद तेलुगु भाषा में गाकर फैंस को खुश कर दिया है। इस गाने को देवी श्री प्रसाद ने तैयार किया है। इस गाने के बोल को भास्कर भटला ने लिखा है।इस गाने की गंभीर थीम के बावजूद, यह ट्रैक फैंस को पसंद आ रहा है। इस गाने को जानी मास्टर ने कोरियोग्राफ किया है। इस गाने में धनुष के डांस मूव्स फैंस को बेहद पसंद आ रहे हैं। एक फैन ने लिखा, पूरी तरह ऊर्जा से भरा हुआ, एक और फैन ने लिखा, भाई तुमने फिर से धमाल मचा दियाइस फिल्म में धनुष के साथ रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। कुबेर 20 जून, 2025 को कई भाषाओं में रिलीज होगी।

सुनील दत्त से शादी, पर नरगिस चाहती थीं कि मरने के बाद उन्हें मुस्लिम रिवाजों से दफनाया जाए, कैसे हुआ अंतिम संस्कार?

सुनील दत्त और नरगिस की शादी 1958 में हुई थी। कपल के तीन बच्चे हैं - संजय दत्त, प्रिया दत्त और नम्रता दत्त। नरगिस का निधन बहुत जल्दी हो गया और हाल ही में एक इंटरव्यू में प्रिया ने खुलासा किया कि जब उनकी मां का देहांत हुआ था, तब वो सिर्फ 14 साल की थीं। नरगिस का निधन कैंसर के कारण हुआ था। अभिनेत्री मुस्लिम थीं और उन्होंने एक हिंदू व्यक्ति सुनील से शादी की। लेकिन प्रिया ने अब खुलासा किया है कि वो हिंदू रीति-रिवाजों के बजाय मुस्लिम दाह संस्कार चाहती थीं।

नरगिस मरने के बाद मां की कब्र के बगल में रहना चाहती थीं

नरगिस मरने के बाद खुद को अपनी मां के बगल में दफनाने की ख्वाहिश रखती थीं। प्रिया ने खुलासा किया कि मां ने दो सप्ताह में सात सर्जरी करवाईं थीं। संजय दत्त की बहन ने विक्की लालवानी के साथ एक इंटरव्यू में बताया कि, उन्हें इतना खून बहता रहा कि उन्हें उसे बार-बार खोलना पड़ा और सर्जरी करनी पड़ी। आखिरकार, यह एक ऐसे प्वाइंट पर पहुंच गया जहां उन्हें अब और टांके नहीं लगाए जा सकते थे। उन्हें उसे टेप से बांधना पड़ा। इसलिए, बहुत कुछ हुआ। हम अपने माता-पिता दोनों को ऐसी स्थिति में देखने के लिए बहुत छोटे थे। यह आपके पूरे जीवन को बदल देता है। आप अचानक बड़े हो जाते हैं और आप 15 साल की लड़की से अधिक नहीं रह जाते। हम बड़े हो गए थे जब ऐसा हुआ।'

नरगिस नहीं देख सकीं संजय दत्त की रॉकी

उन्होंने कहा, 'जब मेरी मां अस्पताल में थीं, तब मेरे पिता खाना नहीं खा रहे थे। वे लगातार धूम्रपान कर रहे थे, चिंतित थे। इसलिए, हमें उनका ख्याल रखना था और यह सुनिश्चित करना था कि वे खा रहे हैं, क्योंकि हम उन्हें खो भी नहीं सकते थे।' प्रिया ने कहा कि यह संजय दत्त के लिए कठिन समय था क्योंकि वो उनकी पहली फिल्म देखने के लिए वहां नहीं थीं। उन्होंने कहा, 'मां ने कहा था कि फिल्म की रिलीज में देरी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा था कि वे स्ट्रेचर पर भी फिल्म देखने आएंगी। लेकिन संजय की पहली फिल्म की रिलीज़ से 3-4 दिन पहले ही उनका निधन हो गया। संजय के लिए यह बहुत दुखद था कि वे उनकी पहली फिल्म देखने और उनके करियर को उड़ान भरते देखने के लिए मौजूद नहीं थीं।'

हरिद्वार गई थी नरगिस की मिट्टी

लिहाजा जब नरगिस का निधन हुआ, तो उन्होंने मुस्लिम तरीके से दफनाने पर जोर दिया। प्रिया ने कहा, 'मेरी मां चाहती थी कि उन्हें उनके पारिवारिक कब्रिस्तान में दफनाया जाए। फिर, हम पिताजी के साथ मिट्टी लेके हरिद्वार भी गए। जब हम उनका पार्थिव शरीर घर लाए, तो वहां बहुत सारे मीडियाकर्मी थे और एक व्यक्ति ने मुझसे पूछा कि मैं कैसा महसूस कर रही हूं। मैंने जरूर कुछ कहा होगा, क्योंकि पापा हमें एक कमरे में ले गए और हमसे कहा कि अगर हम रोना और चीखना चाहते हैं, तो हमें उनके साथ ऐसा करना चाहिए, लेकिन बाहर, हमें अपना संयम बनाए रखना चाहिए।' जानकारी के लिए आपको बता दें कि नरगिस दत्त का अंतिम संस्कार हिंदू और मुस्लिम दोनों रीति-रिवाजों के अनुसार हुआ था। हालांकि, उन्हें हिंदू धर्म के अनुसार घाट पर ले जाया गया, लेकिन आग से डर के कारण उन्हें मुस्लिम रीति-रिवाजों के अनुसार दफना दिया गया था।

नरगिस के निधन के बाद टूट गए थे सुनील दत्त

विक्की लालवानी को दिए इंटरव्यू में सुनील दत्त ने बताया कि नरगिस ने अमेरिका में अपने इलाज के दौरान बहुत कष्ट सहे, लेकिन जब उन्हें लगा कि आखिरी वक्त करीब आ गया है, तो उन्होंने भारत वापस लौटने की जिद्द की। प्रिया दत्त ने कहा, 'हमारी जिंदगी बहुत उथल-पुथल हो गई थी। मेरे पिता पूरी तरह से टूट चुके थे। हमें उनके लिए डर लग रहा था। वह क्या करने वाले हैं? वह सुबह 3 या 4 बजे उठते थे, कब्रिस्तान (नरगिस की कब्र के पास) जाते थे और बस वहां अकेले बैठते थे। वह रात में सो नहीं पाते थे, काम नहीं कर पाते थे, कुछ भी नहीं कर पाते थे।'

कैसे हुआ था सुनील दत्त में बदलाव?

प्रिया दत्त ने बताया कि एक रात उन्होंने आसमान की ओर एक तारा देखा। उन्होंने अपने पिता से कहा कि मां उन पर नजर रख रही हैं और उन्हें नुकसान से बचा रही हैं। यह सुनकर सुनील के अंदर सबकुछ बदल गया और वह रातों-रात एक अलग इंसान बन गए। उन्होंने बताया, 'वह हकीकत में वापस आ गए और पूरी तरह बदल गए। उन्होंने अपनी सारी सिगरेट फेंक दीं, घर में मौजूद हर शराब की बोतल को बाहर फेंक दिया। उन्होंने पीना शुरू कर दिया था। लेकिन उन्होंने रातों-रात सब कुछ हटा दिया। फिर उन्होंने बच्चों पर फोकस करना शुरू कर दिया।'

भारत में मेरी पत्नी मुझसे भी बड़ी हस्ती हैं : जेडी वेंस

जयपुर,22 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा कि भारत में उनकी पत्नी उषा उनसे भी बड़ी हस्ती हैं। उन्होंने कहा कि वह भारत के इतिहास, परंपराओं, प्राचीन वास्तुकला से अभिभूत हैं।

वेंस ने जयपुर में कहा, वह (पत्नी उषा) भारत में मुझसे भी बड़ी हस्ती हैं। उन्होंने कहा, मैं भारत की प्राचीन वास्तुकला की सुंदरता, इसके इतिहास और परंपराओं की समृद्धि से अभिभूत हूं। लेकिन भारत की दूरदर्शी दृष्टि भी उतनी ही प्रभावशाली है। विरासत और महत्वाकांक्षा का यह संयोजन भारत को अनूठी ऊर्जा देता है।

अपने संबोधन के दौरान, वेंस ने भारत की तुलना उन अन्य देशों से की, जहां वे गए हैं। उन्होंने कहा, कई देशों में एकरसता है – बाकी दुनिया की नकल करने की इच्छा। लेकिन भारत में ऐसा नहीं है। यहां एक जीवंतता है, अनंत संभावनाओं की भावना है। जीवन समृद्ध हो रहा है। नए घर और इमारतें बन रही हैं, और भारतीय होने पर गहरा गर्व है।

बता दें उषा वेंस के माता-पिता भारत के आंध्र प्रदेश के पश्चिम गोदावरी और कृष्णा जिलों से संबंध रखते हैं। उनके पैतृक वंश के पूर्वज चिलुकुरी बुचीपापाय्या शास्त्री (लगभग 18वीं शताब्दी), कृष्णा जिले के वुयुरु मंडल के साईपुरम में रहते थे। उनके परिवार की एक शाखा बाद में पश्चिम गोदावरी जिले के तनुकु के पास वडलुरु में चली गई। उषा की माँ लक्ष्मी कृष्णा जिले के पमारू गांव से हैं।

उषा के पिता एक मैकेनिकल इंजीनियर हैं और उनकी मां एक आणविक वैज्ञानिक हैं। उषा का जन्म अमेरिका में हुआ। वह पहली एशियाई अमेरिकी और पहली हिंदू अमेरिकी द्वितीय महिला हैं। वह एक वकील है उन्होंने अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों के साथ भी काम किया है।

वेंस ने पत्नी उषा और अपने तीन बच्चों के साथ मंगलवार को आमेर के किले का दौरा किया। बाद में, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने वेंस परिवार से मुलाकात की।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति वेंस चार दिवसीय भारत दौरे पर हैं। सोमवार को नई दिल्ली पहुंचने के बाद उन्होंने अक्षरधाम मंदिर का दौरा किया और शाम को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ चर्चा की। इसके बाद वे जयपुर रवाना हो गए। वह आगारा भी जाएंगे।

वक्फ संशोधन विधेयक पर भाजपा का जन जागरण अभियान

कांग्रेस और ओवैसी पर समाज को भड़काने का आरोप

जयपुर,22 अप्रैल (एजेंसियां)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने वक्फ सुधार जन जागरण अभियान की जयपुर शहर कार्यशाला में विपक्षी दलों पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कांग्रेस और इंडी गठबंधन पर मुस्लिम समाज को भ्रमित करने और भड़काने का आरोप लगाते हुए कहा कि ये दल वक्फ की संपत्ति पर काबिज लोगों के साथ मिलकर समाज को बांटने का काम कर रहे हैं।

राठौड़ ने कहा कि वक्फ संशोधन विधेयक 2025 का उद्देश्य वक्फ की 38 लाख एकड़ जमीन से होने वाली आय को गरीब मुस्लिम भाई-बहनों के कल्याण के लिए इस्तेमाल करना है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ मठाधीशों ने वक्फ की संपत्ति का इस्तेमाल अपने निजी लाभ के लिए किया है, जिससे गरीब मुस्लिम वर्ग वंचित रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि मोदी सरकार सभी धर्मों और समुदायों के उत्थान के लिए काम कर रही है।

उन्होंने तीन तलाक कानून, पीएम आवास योजना और अन्य पहलों का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार मुस्लिम महिलाओं के सम्मान और सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है। राठौड़ ने कांग्रेस पर मुस्लिम समुदाय को वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने कभी भी मुस्लिम समाज को समृद्ध और शिक्षित होने नहीं दिया। उन्होंने ओवैसी जैसे नेताओं पर भी समाज में अराजकता और वर्ग संघर्ष पैदा करने का आरोप लगाया।

उन्होंने मुस्लिम समुदाय से अपील की कि वे किसी एक पार्टी के बंधुआ न बनें और उस पार्टी को समर्थन दें जो उनके कल्याण के लिए काम करे। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार देश के गरीब वर्ग को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, जिससे देश समृद्धि की ओर अग्रसर होगा।

कार्यशाला में जयपुर शहर सांसद मंजू शर्मा, पूर्व केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी, विधायक कालीचरण सराफ, बालमुकुंदाचार्य, जयपुर शहर जिलाध्यक्ष अमित गोयल, मेयर सौम्या गुर्जर और अन्य भाजपा नेता उपस्थित थे। राठौड़ के इन बयानों से राजस्थान की राजनीति में एक नया विवाद खड़ा हो गया है। वक्फ संशोधन विधेयक पर भाजपा और विपक्षी दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है।

मदन राठौड़ ने पहलगाम आतंकी हमले पर व्यक्त की गहरी संवेदना

जयपुर,22 अप्रैल (एजेंसियां)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि आतंकी घटना में जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मैं गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं तथा घायलों को शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। इस जघन्य कृत्य को अंजाम देने वाले लोगों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। हमारी सुरक्षा एजेंसियां कार्य कर रही है और आतंकवादियों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई की जाएगी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि अमरनाथ यात्रा से पूर्व आतंकी घटना को अंजाम देकर कश्मीर का सुखचैन छीनने का प्रयास किया गया है। आतंकवादी दहशतगर्दी का माहौल बनाने का प्रयास कर रहे है लेकिन केंद्र सरकार उनके नापाक मंसूबों को कामयाब नहीं होने देगी।

राजस्थान पुलिस का ऑपरेशन लाडली

बाल विवाह रोकने के लिए पांच दिवसीय विशेष अभियान

जयपुर,22 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान पुलिस प्रदेश में बाल विवाह की कुप्रथा पर लगाम कसने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाने जा रही है। पुलिस 26 अप्रैल से 'ऑपरेशन लाडली' नामक एक विशेष पांच दिवसीय अभियान शुरू करेगी। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य बाल विवाह की रोकथाम के लिए व्यापक जागरूकता फैलाना और कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करना है।

महानिदेशक पुलिस सिविल राइट्स एवं एएचटीयू मालिनी अग्रवाल ने बताया कि बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के तहत बाल विवाह एक गंभीर अपराध है। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह कुप्रथा विशेष रूप से अक्षय तृतीया (आखातीज) और पीपल पूर्णिमा जैसे पर्वों के साथ-साथ अन्य शुभ मुहूर्तों पर ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक प्रचलित है।

इसी को ध्यान में रखते हुए, बाल विवाह की रोकथाम के लिए निरंतर निगरानी और इसे पूरी तरह से रोकने की सुनिश्चितता अत्यंत आवश्यक है। इसी उद्देश्य से राजस्थान पुलिस 26 अप्रैल से 30 अप्रैल 2025 तक 'ऑपरेशन लाडली' चलाएगी। इस दौरान जागरूकता फैलाने के साथ-साथ कानून का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी।

एडीजी मालिनी अग्रवाल ने बताया कि इस अभियान को प्रभावी बनाने के लिए रेंज और जिला स्तर पर कार्यरत विभिन्न महिला संगठनों, सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों की सहायता ली जाएगी। जिला, खंड, स्कूल और ग्राम स्तर पर कार्यशालाएं आयोजित कर प्रतिभागियों को अभियान के प्रति संवेदनशील बनाया जाएगा। साथ ही, 18 वर्ष से कम आयु की बालिकाओं और 21 वर्ष से कम आयु के बालकों को बाल विवाह कानून के बारे में जागरूक किया जाएगा।

जागरूकता अभियान के तहत, राजस्थान पुलिस दुकानों, प्रमुख स्थानों पर दीवार लेखन, जागरूकता रैलियां, शासकीय और धार्मिक कार्यक्रमों में बाल विवाह नहीं करने की शपथ, डॉक्यूमेंट्री, नुक्कड़ नाटक, होर्डिंग और समाचार पत्रों में विज्ञापन जैसे विभिन्न माध्यमों से प्रचार-प्रसार करेगी।

पेंशन वित्त विधेयक के विरोध में रिटायर्ड कर्मचारियों का धरना, सरकार को सौंपा ज्ञापन

जींद,22 अप्रैल (एजेंसियां)। अखिल भारतीय राज्य सरकारी पेंशनर्स फेडरेशन के आह्वान पर लोकसभा में पेंशन वित्त विधेयक 2025 पारित करने के विरोध में जींद जिला मुख्यालय पर रिटायर्ड कर्मचारियों ने जोरदार धरना प्रदर्शन किया। सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के तत्वावधान में अन्य रिटायर्ड पेंशनर्स संगठनों के सहयोग से आयोजित इस धरने में बड़ी संख्या में सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने भाग लिया और सरकार के प्रति अपना रोष व्यक्त किया। धरना प्रदर्शन के पश्चात, सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा ने प्रधानमंत्री और केंद्रीय वित्त मंत्री के नाम एक ज्ञापन जिला सचिवालय जींद के नायब तहसीलदार बलवान जाखड़ को सौंपा। नायब तहसीलदार ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि उनके द्वारा सौंपे गए ज्ञापन को उपायुक्त जींद के माध्यम से केंद्र सरकार तक पहुंचा दिया जाएगा। इस जिला स्तरीय धरने की अध्यक्षता सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा जिला जींद के प्रधान विक्रम सिंह ने की।

इस अवसर पर सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के प्रदेश प्रधान (रिटायर्ड) मा वजीर सिंह, राज्य उपप्रधान छाज्जूराम नैन, राज्य सचिव आजाद सिंह पांचाल, जिला सचिव राजकुमार श्योकंद, जिला मीडिया प्रभारी सुरेंद्र कुमार वर्मा कोथ, ब्लॉक प्रधान कर्मबीर संधू, ब्लॉक सचिव महेंद्र सिंह बिश्नोई, रिटायर्ड कर्मचारी नेता किताब सिंह भनवाला, कुलदीप गोयत, सतपाल कुंडू, बलबीर श्योकंद, फूल सिंह श्योकंद, मा उदय सिंह कोथ, कमला, बोहती, सेवापति, सावित्री, मुन्नी देवी, सुनीता कालीरामण, अजीत सिंह नेहरा, जय सिंह धनखड़, खजान सिंह, शीशपाल लौहान, रामफल दलाल, कलीराम, राजकर्ण शर्मा, दिलबाग और विभिन्न पेंशनर्स संगठनों के अन्य पदाधिकारी व सदस्यगण सहित सैकड़ों रिटायर्ड कर्मचारी उपस्थित रहे।

गरीब बच्चों को दाखिला न देने वाले स्कूलों की होगी मान्यता रद्द

प्राइवेट स्कूलों पर सरकार की सख्ती

चंडीगढ़,22 अप्रैल (एजेंसियां)। अगर आप हरियाणा के किसी निजी स्कूल से जुड़े हैं या अपने बच्चों को वहां शिक्षा के लिए भेजते हैं, तो आपको यह खबर जरूर पढ़नी चाहिए। हरियाणा सरकार ने अब उन स्कूलों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करने का मन बना लिया है, जो आरटीई (शिक्षा का अधिकार) अधिनियम के तहत गरीब बच्चों को दाखिला देने से इनकार कर रहे हैं। शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने साफ चेतावनी दी है-गरीब बच्चों को उनके अधिकार से वंचित करने वाले स्कूलों की पहचान रद्द की जाएगी। इसके लिए शिक्षा विभाग ने निर्देश दिए हैं और प्रक्रिया तेज कर दी है।

हरियाणा में आरटीई के तहत निजी स्कूलों में गरीब, वंचित और जरूरतमंद बच्चों को मुफ्त शिक्षा दी जानी चाहिए। लेकिन हैरानी की बात यह है कि राज्य के 10,701 निजी स्कूलों में से 3,134 स्कूल ऐसे हैं, जिन्होंने अपनी सीटों के बारे में कोई जानकारी ही नहीं दी। यानी कानून का खुला उल्लंघन।

बच्चों और उनके अभिभावकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सरकार ने एक बार फिर आरटीई प्रवेश की तिथि स्थगित कर दी है। अब 25 अप्रैल 2025 तक आवेदन किए जा सकेंगे। पहले अंतिम तिथि 14 अप्रैल थी, फिर इसे बढ़ाकर 21 और अब 25 अप्रैल कर दिया गया है।एचआईवी संक्रमित बच्चे। विशेष आवश्यकता वाले दिव्यांग बच्चे। युद्ध विधवाओं के बच्चे। गरीब और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के बच्चे। आरटीई के तहत सभी निजी स्कूलों में मुफ्त प्रवेश के हकदार हैं।निजी स्कूलों को प्रवेश स्तर पर कुल सीटों का निम्नलिखित अनुपात आरटीई बच्चों के लिए आरक्षित करना होगा: 8% – अनुसूचित जाति (एससी), 4% – पिछड़ा वर्ग ए (बीसीए), 2.5% – पिछड़ा वर्ग बी (बीसीबी), ऑनलाइन आवेदन केवल उसी कक्षा में स्वीकार किए जाएंगे जो स्कूल की पहली कक्षा है।

शिक्षा मंत्री ने साफ कहा है कि जो स्कूल गरीब बच्चों को दाखिला नहीं देंगे, उनकी मान्यता सीधे रद्द कर दी जाएगी। किसी को भी कानून से खिलवाड़ करने की इजाजत नहीं दी जाएगी।

हरियाणा सरकार खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं देने के लिए तत्पर : सैनी

चंडीगढ़,22 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश सरकार खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं देने के लिए तत्पर है। प्रदेश के खेल स्टेडियम और खेल नर्सरियों में आने वाले खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं मिले, इसके लिए विभाग विशेष योजना बनाएं। इसके अलावा प्रदेश में विशेष उत्कृष्ट खेलों पर फोकस करते हुए एक्सीलेंस सेंटर भी बनाए जाएं। साथ ही प्रदेश के खिलाड़ियों को यूनिक आईडी अलॉट की जाएं। मुख्यमंत्री ने यह निर्देश सचिवालय में सोमवार देर सांय खेल विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान दिए। बैठक के दौरान प्रदेश के खेल, युवा अधिकारिता एवं उद्यमिता, कानून विधायी राज्य मंत्री गौरव गौतम भी मौजूद थे। इस दौरान प्रदेश के खिलाड़ियों के लिए कैश अवार्ड्स और स्कॉलरशिप प्रबंधन प्रणाली के लिए पोर्टल भी लांच किया गया। जिसके जरिये खेल विभाग से मिलने वाली स्कॉलरशिप तथा कैश अवार्ड्स के लिए आवेदन किया जा सकेगा। इसका फायदा यह होगा कि पारदर्शी तरीके से एक खिलाड़ी को सहुलियत के साथ इनका लाभ मिल पाएगा। नकद पुरस्कार योजना के तहत वर्ष 2014 से अब तक 16305 खिलाड़ियों को विभाग ने 599.43 करोड़ रुपये आबंटित किए है।

बैठक में मौजूद खेल अधिकारियों ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के समक्ष अब तक की उपलब्धियों का ब्यौरा पेश किया। अधिकारियों ने बताया कि खेल विभाग सभी नागरिकों को खेलों में भाग लेने, सामूहिक भागीदारी को प्रोत्साहित करने और खेलों में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए समान अवसर प्रदान कर रहा है। राज्य में खेल अवसरंचनाओं का जिक्र करते हुए अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में 3 राज्य स्तरीय, 21 जिला स्तरीय, 25 उपमंडल स्तरीय, 163 राजीव गांधी खेल परिसर, 245 मिनी ग्रामीण स्टेडियम है। जिनमें खिलाड़ियों को सहुलियत प्रदान की जा रही है। इसके साथ ही करीबन 1500 नर्सरियां है, जिनकी संख्या 2025-2026 वित्त वर्ष में बढ़ाकर 2000 करने का टारगेट लेकर चला जा रहा है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बैठक के दौरान प्रदेश के क्रिकेट स्टेडियम को लेकर भी चर्चा की। इस दौरान उन्होंने पंचकूला के क्रिकेट स्टेडियम के ग्राउंड और सिटिंग एरिया को दुरुस्त करने, हाई मास्क लाइट लगाने तथा बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाने के निर्देश भी दिए। इसके साथ ही फरीदाबाद स्थित राजा नाहर सिंह स्टेडियम में भी इस दिशा में कदम उठाने के निर्देश दिए गए है। वहीं, बैठक में पलवल में भी 100 एकड़ भूमि पर एक अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खेल परिसर के निर्माण को लेकर भी चर्चा की गई। इसके लिए एक खास परियोजना बनाई गई है, जिसमें क्रिकेट स्टेडियम, बहुउद्देश्यीय हॉल, बैडमिंटन हॉल, बॉक्सिंग हॉल, एथलैट्स मैदान, फिटनैस एवं रहैब सेंटर, होटल एवं रैस्टोरेंट इत्यादि की सुविधा के साथ 35 से 50 हज़ार दर्शकों के बैठने की सुविधा होगी। इस बारे में विकल्प तलाशने बारे भी मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए है। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने खेल विभाग के अधिकारियों को कहा कि प्रदेश में चल रही खेल नर्सरियों में इंटर खेल नर्सरी, जिला स्तर पर और राज्यस्तरीय मुकाबले करवाए जाएं। इनमें पहले, दूसरे तथा तीसरे स्थान पर आने वाले बच्चों के ग्रुप बनाएं जाएं, ताकि इनके हुनर का पता लग सके।

अब बिना चकबंदी वाले गांवों से भी होगी फसल खरीद

चंडीगढ़,22 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने किसानों के हित में एक बड़ा और राहत भरा फैसला लेते हुए स्पष्ट किया है कि जिन गांवों में अब तक चकबंदी नहीं हुई है, वहां के किसानों की फसलों की भी सरकारी खरीद की जाएगी।

अब तक मेरी फसल-मेरा ब्यौरा पोर्टल पर चकबंदी न होने के चलते इन गांवों के किसानों का डेटा अपलोड नहीं हो पा रहा था, जिससे उन्हें फसल बेचने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। इस मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर इस पर निर्णय लिया। उन्होंने निर्देश दिए कि ऐसे गांवों में फसल खरीद के लिए अब ऑफलाइन व्यवस्था लागू की जाएगी ताकि किसी भी किसान को कष्ट न उठाना पड़े।

मुख्यमंत्री सैनी ने कहा, हमारी सरकार हर हाल में किसानों के साथ है। चाहे चकबंदी हो या न हो, किसी भी किसान की फसल की खरीद रुकने नहीं दी जाएगी।यह निर्णय खासकर उन क्षेत्रों के किसानों के लिए राहत लेकर आया है, जहां तकनीकी बाधाओं के कारण अब तक फसल खरीद नहीं हो पा रही थी।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

कोई पुराना मित्र आज आपसे आर्थिक मदद मांग सकता है और यदि आप उसकी आर्थिक मदद करते हैं तो आपके आर्थिक हालात थोड़े तंग हो सकते हैं। किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से मिली आकस्मिक अच्छी ख़बर आपके पूरे परिवार के लिए ख़ुशी के लम्हे लाएगी। कुछ लोगों के लिए नया रोमांस ताज़गी लाएगा और आपको ख़ुशमिज़ाज रखेगा। आपको अपने भागीदार को आपकी योजना से जुड़े रहने के लिए मनाने में दिक़्क़त होगी। आप अपने जीवनसाथी के प्यार की मदद से ज़िन्दगी की मुश्किलों का आसानी से सामना कर सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आपको कई दिक़्क़तों और मतभेदों का सामना करना पड़ सकता है, जिस वजह से आप झुंझलाहट और बेचैनी महसूस करेंगे। लम्बे अरसे को मद्देनज़र रखते हुए निवेश करें। पुराने संपर्क और दोस्त मददगार रहेंगे। आपको अपने प्रिय को ख़ुद के हालात समझाने में दिक़्क़त महसूस होगी। सहकर्मियों और वरिष्ठों के पूरे सहयोग के चलते दफ़्तर में काम तेज़ रफ़्तार पकड़ लेगा। परिवार की जरुरतों को पूरा करते-करते आप कई बार खुद को वक्त देना भूल जाते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आपका धन कहां खर्च हो रहा है इसपर आपको नजर बनाए रखने की जरुरत है नहीं तो आने वाले समय में आपको परेशानी हो सकती है। बच्चे आपके दिन को बहुत मुश्किल बना सकते हैं। प्यार-दुलार के हथियार का इस्तेमाल कर उन्हें समझाएँ और अनचाहे तनाव से बचें। याद रखें कि प्यार ही प्यार को पैदा करता है। कोई अच्छी ख़बर या जीवनसाथी/प्रिय से मिला कोई संदेश आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। इस राशि के बच्चे आज खेलकूद में दिन बिता सकते हैं, ऐसे में माता-पिता को उनपर ध्यान देना चाहिए क्योंकि चोट लगने की संभावना है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आपका बचाया धन आज आपके काम आ सकता लेकिन इसके साथ ही इसके जाने का आपको दुख भी होगा। अपने जीवनसाथी का बोझ दूर करने के लिए घरेलू कामकाज में हाथ बटाएँ। इससे आपको साथ में काम करने का आनंद मिलेगा और जुड़ाव महसूस होगा। रोमांस रोमांचक होगा- इसलिए उससे संपर्क करें जिससे आप प्रेम करते हैं और दिन का भरपूर लुत्फ़ लें। कार्यालय में सबकुछ आपके पक्ष में जाता नज़र आ रहा है। आपके पास समय तो होगा लेकिन बावजूद इसके भी आप कुछ ऐसा नहीं कर पाएंगे जो आपको संतुष्टि दे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

ज़िंदगी की ओर उदास नज़रिया रखने से बचें। आज आपको अपनी संतान की वजह से आर्थिक लाभ होने की संभावना नजर आ रही है। इससे आपको काफी खुशी होगी। किसी धार्मिक स्थल या संबंधी के यहाँ जाने की संभावना है। व्यक्तिगत मार्गदर्शन आपके रिश्ते में सुधार लाएगा। कामकाज के मोर्चे पर आपको सबसे स्नेह और सहयोग प्राप्त होगा। आज के समय में अपने लिए वक्त निकाल पाना बहुत मुश्किल है। लेकिन आज ऐसा दिन है जब आपके पास अपने लिए भरपूर समय होगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

जिन लोगों ने किसी रिश्तेदार से पैसा उधार लिया था उनको आज वो उधार किसी भी हालत में वापस करना पड़ सकता है। आपसी संवाद और सहयोग आपके और आपके जीवनसाथी के बीच रिश्ते को मज़बूत बनाएगा। मुहब्बत का सफ़र प्यारा, मगर छोटा होगा। आप लम्बे समय से दफ़्तर में किसी से बात करना चाह रहे थे। आज ऐसा होना मुमकिन है। मुमकिन है कि आपके अतीत से जुड़ा कोई शख़्स आज आपसे संपर्क करेगा और इस दिन को यादगार बना देगा। जीवनसाथी की ख़राब सेहत का असर आपके काम-काज पर भी पड़ सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप अपनी भावनाओं पर क़ाबू रखने में दिक़्क़त महसूस करेंगे – आपका अजीब रवैया लोगों को भ्रमित करेगा और इसलिए आपमे झुंझलाहट पैदा करेगा। होशियारी से निवेश करें। किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से मिली आकस्मिक अच्छी ख़बर आपके पूरे परिवार के लिए ख़ुशी के लम्हे लाएगी। प्रेम के दृष्टिकोण से आपके लिए यह दिन विशेष रहने वाला है। आपको कार्यक्षेत्र में अच्छे फल पाने के लिए अपने काम करने के तरीके पर गौर करने की जरुरत है नहीं तो आप बॉस की नजरों में आपकी नकारात्मक छवि बन सकती है। मौज-मस्ती के लिए घूमना संतोषजनक रहेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आपकी व्यक्तिगत समस्याएँ मानसिक शांति को भंग कर सकती हैं। मानसिक दबाव से बचने के लिए कुछ रोचक और अच्छा पढ़ें। परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियाँ सभी को ख़ुश रखेंगी। प्यार के मामले में आज आप ग़लत समझे जा सकते हैं। आपको इंटरव्यू के दौरान दिमाग़ ठण्डा रखने और ख़ुद को अभिव्यक्त करने की ज़रूरत है। अगर आपको लगता है कि कुछ लोगों की संगति करना आपके लिए ठीक नहीं है और उनके साथ रहकर आपका समय बर्बाद होता है तो उनका साथ आपको छोड़ देना चाहिए ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश आपको अच्छा-ख़ासा मुनाफ़ा देंगे। आपका ज्ञान और हास-परिहास आपके चारों ओर लोगों को प्रभावित करे-गा। आपके महंगे तोहफ़े भी आपके प्रिय के चेहरे पर मुस्कान लाने में नाकाम साबित होंगे, क्योंकि वह उनसे क़तई प्रभावित नहीं होगा/ होगी। आज के दिन कार्यालय का माहौल बढ़िया बना रहेगा। काम को समय पर निपटाकर जल्दी घर जाना आज आपके लिए अच्छा रहेगा इससे आपके परिवार वालों को भी खुशी मिलेगी और आप भी तरोताजा महसूस करेंगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

अतिरिक्त धन को रिअल एस्टेट में निवेश किया जा सकता है। दोस्तों के साथ घूमना-फिरना मज़ेदार रहेगा। लेकिन ज़्यादा पैसे ख़र्च न करें, नहीं तो आप खाली जेब लेकर घर पहुँचेंगे। आपके प्रिय के कड़वे शब्दों के कारण आपका मूड ख़राब हो सकता है। जो लोग विदेश व्यापार से जुड़े हैं उन्हें आज मनमाफिक फल मिलने की पूरी उम्मीद है। इसके साथ ही नौकरी पेशा से जुड़े इस राशि के जातक आज अपनी प्रतिभा का पूर्ण इस्तेमाल कार्यक्षेत्र में कर सकते हैं। खाना, साफ़-सफ़ाई या कोई और घरेलू चीज़ इसका कारण हो सकती है

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपकी सकारात्मक सोच पुरस्कृत होगी, क्योंकि आप अपनी कोशिशों में क़ामयाबी पा सकते हैं। लम्बे अरसे को मद्देनज़र रखते हुए निवेश करें। बच्चे आपको घरेलू काम-काज निबटाने में मदद करेंगे। जो लोग प्रेम के संगीत में डूबे हुए हैं, वही इसकी स्वर-लहरियों का आनन्द ले सकते हैं। अपने बॉस/वरिष्ठों को घर पर बुलाने के लिए अच्छा दिन नहीं है। इस राशि के छात्र छात्राओं को आज के दिन पढ़ाई में मन लगाने में दिक्कतें आ सकती हैं। आज आप अपना कीमती समय दोस्तों के चक्कर में बर्बाद कर सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपनी सेहत को ध्यान में रखकर चीखने-चिल्लाने से बचें। निवेश करना कई बार आपके लिए बहुत फायदेमंद साबित होता है आज आपको यह बात समझ में आ सकती है क्योंकि किसी पुराने निवेश से आज आपको मुनाफा हो सकता है। अपनी नई परियोजनाओं के लिए अपने माता-पिता को विश्वास में लेने का सही समय है। आज किसी ऐसे इंसान से मिलने की संभावना है जो आपके दिल को गहराई से छूएगा। आज आपके बॉस का बढ़िया मिज़ाज पूरे कार्यालय के माहौल को अच्छा बना देगा। आज अपने प्रेमी के साथ वक्त बिता पाएंगे और उनके सामने अपने जज्बातों को रख पाएंगे।

आज का पंचांग

दिनांक : 23 अप्रैल 2025 , बुधवार
विक्रम संवत : 2082
मास : वैशाख , कृष्ण पक्ष
तिथि : दशमी सायं 04:46 तक
नक्षत्र : धनिष्ठा दोपहर 12:08 तक
योग : शुक्ल रात्रि 06:50 तक
करण : विष्टि सायं 04:46 तक
चन्द्र राशि : कुंभ
सूर्योदय : 05:54, सूर्यास्त 06:34 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:02 , सूर्यास्त 06:33 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:54 , सूर्यास्त 06:26 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:47 , सूर्यास्त 06:24 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें।
दिन विशेष : भद्रा सायं 04:44 तक , पंचक चालू है ।

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने की विकास योजनाओं की समीक्षा, कहा–

मधुबनी में पीएम की सभा होगी ऐतिहासिक

मुंगेर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने सोमवार को मुंगेर संग्रहालय सभागार में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की समीक्षा बैठक की। इस बैठक में केंद्र सरकार की कई जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) का लक्ष्य मुंगेर में पूरा कर लिया गया है। जिले की 37 हजार 596 'जीविका दीदी' अब 'लखपति दीदी' बन चुकी हैं। वहीं शौचालय निर्माण के मामले में 457 गांव ओपन डेफिकेशन फ्री घोषित हो चुके हैं।

हालांकि उन्होंने दो क्षेत्रों में सुधार की जरूरत बताई, जिसमें ग्रामीण सड़कों की हालत और हर घर नल जल योजना का रख-रखाव।

उन्होंने कहा कि पीएचईडी और पंचायत विभाग को इस दिशा में तेजी से काम करने की जरूरत है। इसके लिए जिलाधिकारी को सख्त निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि जिले में डेयरी प्लांट और सीमेंट फैक्टरी खोलने के लिए जमीन की पहचान की जा रही है।

साथ ही मुंगेर नगर निगम के जिन 13 वार्डों में प्रधानमंत्री जलापूर्ति योजना अब तक शुरू नहीं हुई है, वहां जल्द ही हर घर में पानी की आपूर्ति शुरू कर दी जाएगी।

जब पत्रकारों ने उनसे प्रधानमंत्री के बिहार दौरे के बारे में पूछा तो केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 24 अप्रैल को पंचायती राज दिवस पर मधुबनी आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि वहां की सभा ऐतिहासिक होगी और लोगों में इसे लेकर काफी उत्साह है।

इस समीक्षा बैठक में जमुई सांसद अरुण भारती, तारापुर विधायक राजीव कुमार सिंह, भाजपा विधायक प्रणव कुमार यादव, जिलाधिकारी अवनीश कुमार सिंह, उप विकास आयुक्त अजीत कुमार और अन्य विभागों के अधिकारी शामिल हुए।

सीएम नीतीश कुमार बीमार हैं, बिहार में अफसर चला रहे सरकार, बदलाव जरूरी: मुकेश सहनी

मुंगेर (एजेंसियां)। विकासशील इंसान पार्टी के मुखिया मुकेश सहनी ने सीएम नीतीश कुमार के साथ चिराग पासवान और बीजेपी पर तंज कसा है। मंगलवार को मुंगेर जाने के क्रम में खगड़िया पहुंचे मुकेश सहनी ने कहा कि सीएम नीतीश कुमार बीमार हो चुके हैं। सरकार वे नहीं बल्कि कुछ अफसर चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह लोकतंत्र के लिए अच्छी बात नहीं है। सहनी ने कहा कि बीमार मुख्यमंत्री से अब बिहार बदलाव चाहता है। इसबार जनता बदलाव लाकर रहेगी। मुकेश सहनी ने कहा कि नीतीश कुमार नरेन्द्र मोदी से लंबी लड़ाई लड़े, जिसके कारण बिहार में कोई काम नहीं हो सका है। उन्होंने कहा कि जब नेता ही अस्वस्थ्य है तो फिर काम कैसे होगा। 'चिराग के बिहार विधानसभा चुनाव में बिहार आने' की बात पर मुकेश सहनी ने कहा कि चिराग पासवाना बात नहीं है। जो उनके पिता रामविलास पासवान में थी। रामविलास पासवान ने अपने बलबूते सरकार को गिराया था। मुकेश सहनी ने कहा कि रामविलास पासवान की प्रतिमा को भाजपा ने तोड़ा था। चिराग को घर से निकालकर पार्टी को तोड़ दिया गया। बावजूद वे फिर उन्हीं के साथ आकर खड़े हैं। चिराग कहने के लिए हनुमान हैं। उन्होंने भाजपा को फायदा पहुंचाने के लिए नीतीश कुमार को कमजोड़ किया। सहनी ने कहा कि चिराग सिर्फ बोलते हैं, करने को उनके पास कुछ नहीं है।

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के कुनबे में महागंठबंधन के घटक दलों के शामिल होने की संभावनाओं पर मुकेश सहनी ने कहा कि उनको सन ऑफ मल्लाह का भय है। यह अच्छी बात है। भारतीय जनता पार्टी सपना देख रही है। भाजपा को मालूम है कि मुकेश सहनी साथ नहीं आएंगे तो सरकार नहीं बनेगी। लेकिन, उनका सपना सपना ही रह जाएगा। मुकेश सहनी ने जनता को अपना स्टैंड बता दिया है।

पीएम मोदी की प्रस्तावित रैली को लेकर एटीएस सतर्क, दरभंगा रेलवे स्टेशन पर जांच अभियान शुरू

दरभंगा (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 24 अप्रैल को मधुबनी जिले के भैरवस्थान में प्रस्तावित रैली को लेकर सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद कर दी गई है। एटीएस, बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉयड की टीमों ने सुरक्षा की कमान संभाल ली है। इसी क्रम में दरभंगा रेलवे स्टेशन सहित मधुबनी और जयनगर रेलवे स्टेशनों पर गहन जांच अभियान शुरू कर दिया गया है। स्टेशन पर आने-जाने वाले यात्रियों के सामान की बारीकी से जांच की जा रही है।

दरभंगा स्टेशन पर यह जांच अभियान एटीएस बिहार, रेल एसपी कार्यालय मुजफ्फरपुर की डीएसपी निधि कुमारी, जीआरपी थाना अध्यक्ष अभय कुमार के संयुक्त नेतृत्व में चलाया गया। अभियान में डॉग स्क्वॉयड और बम निरोधक दस्ते के जवान शामिल थे, जिन्होंने यात्रियों के सामान के साथ-साथ पूरे स्टेशन परिसर की सघन तलाशी ली। इस संबंध में जानकारी देते हुए डीएसपी निधि कुमारी ने बताया कि प्रधानमंत्री की रैली को लेकर मिले विशेष इनपुट के आधार पर एटीएस और बम स्क्वॉयड की टीमें अलर्ट पर हैं। दरभंगा, मधुबनी और जयनगर रेलवे स्टेशनों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है ताकि किसी प्रकार की चूक न हो। संदिग्ध व्यक्तियों और वस्तुओं पर पैनी नजर रखी जा रही है। डीएसपी ने यह जानकारी मंगलवार को दोपहर 1:30 बजे मीडिया को दी

सिविल सेवा दिवस पर नालंदा के डीएम को मिला पुरस्कार

प्रधानमंत्री मोदी ने किया नई दिल्ली में सम्मानित

पटना (एजेंसियां)। नालंदा के जिलाधिकारी शशांक शुभंकर को 17वें सिविल सेवा दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री पुरस्कार 2023 से सम्मानित किया गया है। विज्ञान भवन नई दिल्ली में आयोजित भव्य समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वयं उन्हें यह पुरस्कार प्रदान किया। यह सम्मान उन्हें जिले के समग्र विकास के लिए उनके उल्लेखनीय कार्यों और प्रभावी प्रशासनिक नेतृत्व के लिए दिया गया है।

पुरस्कार प्राप्ति के बाद डीएम शशांक शुभंकर ने कहा कि मैं हमेशा जिले के विकास में पूरी निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ काम करता रहा हूं। यह सम्मान मेरे लिए एक प्रेरणा है कि मैं और अधिक ऊर्जा, गति और सटीकता के साथ नालंदा के सर्वांगीण विकास में अपना योगदान दूं।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के प्रशासनिक अधिकारियों को संबोधित करते हुए सिविल सेवा की महत्ता पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि यह वर्ष हमारे संविधान का 75वां और सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती का भी प्रतीक है। 21 अप्रैल 1947 को सरदार पटेल ने सिविल सेवा कर्मियों को 'स्टील फ्रेम ऑफ इंडिया' की संज्ञा दी थी। उन्होंने स्वतंत्र भारत की प्रशासनिक मर्यादाओं की नींव रखी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि एक उत्कृष्ट सिविल सेवक वही है, जो राष्ट्र सेवा को अपना सर्वोच्च धर्म माने, लोकतांत्रिक मूल्यों को अपनाए, ईमानदारी, अनुशासन और समर्पण से कार्य करे और देश के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए निरंतर सक्रिय रहे।

विकसित भारत के विजन पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि आज जब हम एक विकसित भारत की ओर अग्रसर हैं, तो सरदार पटेल की दृष्टि और अधिक प्रासंगिक हो जाती है। ब्यूरोक्रेसी को इस विजन को धरातल पर उतारने में अहम भूमिका निभानी है। उन्होंने आगे कहा कि लाल किले से मैंने कहा था कि हमें आने वाले एक हजार वर्षों की नींव मजबूत करनी है। यह नई सहस्त्राब्दी का 25वां वर्ष है। हमारे आज के फैसले भविष्य की दिशा तय करेंगे।

अपने संबोधन के अंत में प्रधानमंत्री ने शास्त्रों का हवाला देते हुए कहा कि जैसे एक चक्र से रथ नहीं चल सकता, वैसे ही बिना पुरुषार्थ के भाग्य से सफलता नहीं मिलती।

विकसित भारत के लक्ष्य को पाने के लिए सभी को एकजुट होकर कार्य करना होगा। इस समारोह में देशभर से आए प्रशासनिक अधिकारियों को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। नालंदा के डीएम शुभंकर की यह उपलब्धि बिहार राज्य के लिए गर्व का विषय बन गई है।

चलती ट्रेन में लूटपाट के दौरान युवती को नीचे फेंका, इलाज के दौरान तोड़ा दम

भागलपुर (एजेंसियां)। मालदा डिवीजन के साहेबगंज-भागलपुर रेलखंड पर मंगलवार सुबह इंसानियत को झकझोर देने वाली घटना सामने आई। अप कामाख्या एक्सप्रेस (15620) में बदमाशों ने लूटपाट के दौरान विरोध कर रही एक युवती को चलती ट्रेन से बाहर फेंक दिया। यह वारदात सबौर स्टेशन के पास हुई।

गंभीर रूप से घायल युवती को मायागंज अस्पताल लाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

मृतका की पहचान खगड़िया निवासी सुनील कुमार की पुत्री काजल कुमारी (22) के रूप में हुई है। वह अपने परिवार के साथ एक शादी समारोह में शामिल होने जा रही थी। सबौर स्टेशन के पास जैसे ही ट्रेन पहुंची, दो बदमाशों ने काजल के बैग से मोबाइल और पैसे छीनने की कोशिश की। काजल ने विरोध किया तो उसे चलती ट्रेन से नीचे धक्का दे दिया गया।

घटना के बाद परिवार ने इमरजेंसी चेन पुलिंग कर ट्रेन रोकी, लेकिन तब तक काजल रेलवे ट्रैक किनारे लहूलुहान हालत में पड़ी रही।

परिजनों का आरोप है कि मौके पर न तो कोई आरपीएफ जवान आया, न ही जीआरपी की तरफ से कोई मदद मिली। मजबूरी में परिवार ने खुद काजल को ऑटो से मायागंज अस्पताल पहुंचाया, जहां उसकी मौत हो गई। काजल की छोटी बहन जया ने रोते हुए कहा कि दीदी को समय पर मदद मिल जाती, तो शायद वह आज हमारे साथ होती।

घटना के बाद काजल के घर में मातम पसरा है। परिजनों ने रेल पुलिस और प्रशासन पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि ट्रेन में आरपीएफ जवान मौजूद थे, बावजूद इसके कोई कार्रवाई नहीं हुई और मदद भी नहीं मिली। परिजनों ने आरोपियों की गिरफ्तारी और दोषी रेलकर्मियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। साथ ही, सरकार से न्याय की गुहार लगाई है।

इस दर्दनाक घटना ने एक बार फिर रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। ट्रेनों में लूटपाट की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि जिन ट्रेनों में सुरक्षा बल तैनात रहते हैं, वहां भी यात्री सुरक्षित नहीं हैं।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर बरसे जदयू नेता संजय झा

मुर्शिदाबाद हिंसा का फुटेज बेहद डरावना, राज्य सरकार पूरी तरह फेल

दरभंगा (एजेंसियां)। बंगाल में हालिया हिंसा पर जदयू के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय झा ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को पूरी तरह विफल बताया है।

उन्होंने कहा कि मुर्शिदाबाद से सामने आए हिंसा के फुटेज बेहद डरावने हैं। संजय झा ने राज्य सरकार से हिंसा रोकने, पलायन कर चुके लोगों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने और उन्हें सुरक्षा मुहैया कराने की मांग की है। हालांकि राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग पर उन्होंने कोई स्पष्ट टिप्पणी नहीं की।

पत्रकारों से बातचीत में संजय झा ने बंगाल की कानून-व्यवस्था, हिंसा और हिंदुओं के पलायन को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि बंगाल की सरकार पूरी तरह फेल साबित हुई है। मुर्शीदाबाद से जो वीडियो सामने आए हैं, वे भयावह हैं। लोग अपना घर छोड़कर भागने को मजबूर हैं, यह गंभीर स्थिति है। सरकार को इसकी जांच कर जल्द से जल्द शांति बहाल करने की दिशा में कदम उठाना चाहिए।

बंगाल में बीजेपी द्वारा हिंदुओं के लिए अलग पोलिंग बूथ की मांग पर उन्होंने कहा कि यह चुनाव आयोग का विषय है। उन्होंने कहा कि ऐसे निर्णय किसी सरकार के अधिकार क्षेत्र में नहीं आते, यह पूरी तरह से चुनाव आयोग का विषय है। जब उनसे वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड द्वारा किए जा रहे धरना-प्रदर्शन पर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि यह मामला न्यायालय में विचाराधीन है, इसलिए इस पर टिप्पणी करना उचित नहीं होगा। ।

शादी करने जा रहे दरोगा दूल्हे की गाड़ी पुल से गिरी, बाल-बाल बची पांच लोगों की जान

पटना (एजेंसियां)। खगड़िया में बीते सोमवार देर रात शादी करने जा रहे एक दूल्हे राजा की गाड़ी पुल से नदी में गिर गई। इस घटना में पांच लोगों की जान बाल-बाल बची गई। इन्हें बाराती और स्थानीय लोगों ने नदी से निकाला।

दूल्हे की पहचान गोगरी प्रखंड के इटहरी पंचायत निवासी नीतीश कुमार के रुप में की गई है। जो मधुबनी जिले में दरोगा के पद पर तैनात हैं। लोगों ने बताया कि सोमवार देर रात 40 वाहनों का काफिला खगड़िया जिले के संसारपुर बारात जा रहा था। इसी दौरान भूरिया पुलिया के पास दूल्हे का वाहन अनियंत्रित हो गया। जो गंगा की उपधारा में गिर गया।

लोगों ने बताया कि वाहन में दूल्हा के आलावा उनके चार अन्य रिश्तेदार भी थे। इनमें तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। इनका इलाज स्थानीय अस्पताल में कराया जा रहा है। हालांकि, घटना के बाद लोगों ने किसी तरह दूल्हे राजा को शादी के मंडप तक पहुंचाया, जहां शादी की रस्म अदा की जा सकी।

गौरतलब है कि परबत्ता के जदयू विधायक डॉ. संजीव कुमार ने सोमवार को सीएम नीतीश कुमार से मुलाकात की है।

जहां उन्होंने परबत्ता विधानसभा के विभिन्न मुद्दों से उनको अवगत कराया है। वहीं उनके द्वारा इस मुलाकात में भूरिया पुल और बांध के मरम्मत को लेकर भी सीएम का ध्यान आकृष्ट कराया गया है।

ग्रामीणों ने बताया कि बारिश के दिनों में उक्त रास्ते पर पैदल चलना भी दुस्वार हो जाता है। बताया गया कि आए दिन उक्त रास्ते में वाहन दुर्घटना का शिकार हो रहा है। जबकि स्थानीय लोग कई बार इसको लेकर जिला प्रशासन एवं प्रतिनिधियों से बात कर चुके हैं। लेकिन आजतक किसी ने इसओर ध्यान नहीं दिया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com